हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 280, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 12 अप्रैल, 2024 दिन शुक्रवार गाजीपुर/वाराणसी

जब नीयत सही होती है तो नतीजे भी सही मिलते हैं : मोदी

डमरू बजाकर प्रधानमंत्री ने लोगों में ऊर्जा जगाई, बोले- ये उत्साह 19 अप्रैल तक रखना

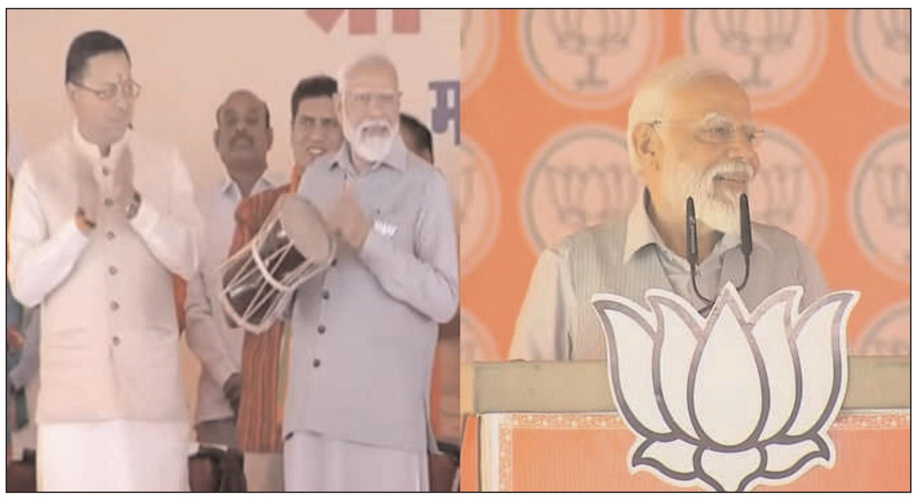

ऋषिकेश। लोकसभा चुनाव 2024 की आचार संहिता लगने के बाद यह दूसरा मौका है जब प्रधानमंत्री मोदी उत्तराखंड पहुंचे हैं। ऋषिकेश के आईडीपीएल खेल मैदान में डमरु बजाकर उनके चुनावी जनसभा को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा कि मैं जब भी उत्तराखंड आता हूं पुरानी यादें ताजा करता हूं। प्रधानमंत्री के संबोधन शुरू करते ही मोदी-मोदी के नारे गूंजने लगे। जिस पर पीएम मोदी ने मुस्कुराते हुए कहा कि तमिलनाडु में भी लोग कह रहे फिर एक बार मोदी सरकार। पीएम ने कहा कि देश मे ऐसी सरकार है जिसने 10 साल कई काम किए। आतंकियों को घर में घुस कर मारा जाता है। ये मोदी की मजबूत सरकार है। महिलाओं को लोक व विधानसभा में आरक्षण दिया। वन रैंक वन पेंशन का लाभ दिया। उत्तराखंड में भी साढ़े तीन करोड़ से अधिक पूर्व सैनिकों को मिला है। संबोधन के दौरान मोदी-मोदी के नारे लगने पर प्रधानमंत्री ने कहा कि ये उत्साह 19 अप्रैल तक रखना है। पीएम मोदी ने कहा कि मोदी सरकार ना होती तो वन रैंक वन पेंशन कभी लागू ना होता। कांग्रेस की कमजोर सरकार सीमा पर आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं बना पाई। आज सीमाओं पर सड़कें चकाचक हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि पर्यटन और चारधाम यात्रा का उत्तराखंड को विकसित करने में बड़ा योगदान है। कहा कि पर्यटकों का उत्तराखंड में पहुंचना आसान होना चाहिए। इसके लिए रोड कनेक्टिविटी बढ़ाई जा रही है। पीएम मोदी ने कहा कि यहां ऋषिकेश कर्णप्रयाग रेल लाइन पर तेजी से काम हो रहा है। दिल्ली से देहरादून की दूरी सिमट रही है। उत्तराखंड के सीमावर्ती गांव को कांग्रेस अंतिम गांव कहती थी, हमने उसे पहला गांव बनाकर विकास किया है। आदि कैलाश के लिए हेलिकॉप्टर सेवा शुरू हो गई है। चारधाम यात्रा को भी सुगम बनाने की ओर सरकार काम कर रही है। यह सब इसलिए हो रहा भाजपा की नीयत सही है। जब नीयत सही होती है तो नतीजे भी सही मिलते हैं। केदारनाथ में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ रही है। बीते वर्ष 55 लाख तीर्थयात्री यहां पहुंचे। मानसखंड में आदि कैलाश और ओम पर्वत की यात्रा पर भी यात्रियों की संख्या बढ़ रही है। पर्यटन बढ़ने का मतलब है रोजगार का बढ़ना। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उत्तराखंड में हो रहे विकास में अब पलायन की जड़ों को बीते दिनों की बात बताया गया है। उत्तराखंड के नौजवानों ने स्टार्टअप शुरू किए। यहां बेटियां आगे बढ़ रही हैं।

स्मृति का राहुल पर हमला, बोलीं - वायनाड में आतंकी संगठन के साथ मिलकर लड़ रहे चुनाव

अमेठी। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने बृहस्पतिवार को एक बार फिर राहुल गांधी पर हमला बोला है। बृहस्पतिवार को अमेठी के मेदन मवई में आयोजित कार्यक्रम के बाद कहा कि राहुल गांधी ने वायनाड से नामांकन के दौरान लिखकर घोषित किया कि वायनाड हमारा घर है। जब वह राहुल गांधी का घर है तो अमेठी क्या है? कहा कि मैंने लोगों को रंग बदलते देखा है। परिवार बदलते पहली बार राहुल गांधी को देखा है। राहुल गांधी आतंकी संगठन के साथ मिलकर वायानाड का चुनाव लड़ रहे हैं। स्मृति ईरानी ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा और कहा कि कांग्रेस लगातार यहां सत्ता में रही लेकिन कांग्रेस ने कुछ नहीं किया। उन्होंने सरकार की नीतियों पर प्रकाश डाला। कहा कि आज 4 लाख 20 हजार किसानों को अमेठी लोकसभा में 6 हजार रुपए सालाना मिल रहा है। पांच सालों में 1 लाख 14 हजार गरीबों के आवास बनवाए जा रहे हैं। अमेठी लोकसभा में 19 लाख लोगों को राशन मिला है साथ ही चार लाख से ज्यादा परिवारों को शौचालय मिला है। उन्होंने आरोप लगाया कि 50 साल तक एक छत्र राज कांग्रेस का अमेठी में था लेकिन कांग्रेस ने गरीबों के लिए शौचालय तक नहीं बनवाया। कांग्रेस चाहती थी कि गरीब हमेशा गरीब ही रहें और अमीरों के आगे हमेशा हाथ फैलाता रहे।

महेंद्रगढ़ में ईद के दिन स्कूल बस पलटी: छह बच्चों की मौत व 15 घायल, राष्ट्रपति व पीएम मोदी ने जताया दुख

महेंद्रगढ़ (हरियाणा)। महेंद्रगढ़ के कनीना के गांव उन्हानी के पास स्कूल बस पलटने से भीषण सड़क हादसा हो गया। इस दुर्घटना में छह बच्चों की मौत हो गई और 15 गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। हरियाणा के पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो.रामबिलास शर्मा कनीना स्कूल बस दुर्घटना की जानकारी मिलने के बाद घायलों का हाल-चाल जानने के लिए अस्पताल में पहुंचे। इस दौरान उन्होंने मृतक बच्चों के परिजनों को सांत्वना दी। जानकारी के अनुसार हादसे में पूर्व शिक्षा मंत्री रामबिलास शर्मा के भांजे पूर्व सरपंच संजय शर्मा के पुत्र का भी निधन हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुर्घटना पर दुख जताते हुए कहा कि हरियाणा के महेंद्रगढ़ में हुआ बस हादसा अत्यंत पीड़ादायक है। मेरी शोक-संवेदनाएं उन सभी परिवारों के साथ हैं, जिन्होंने इस दुर्घटना में अपने बच्चों को खोया है। इसके साथ ही मैं सभी घायल बच्चों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। राज्य सरकार की देखरेख में स्थानीय प्रशासन पीड़ितों और उनके परिजनों की हरसंभव सहायता में जुटा है। हरियाणा के महेंद्रगढ़ में हुआ बस हादसा अत्यंत पीड़ादायक है। मेरी शोक-संवेदनाएं उन सभी परिवारों के साथ हैं, जिन्होंने इस दुर्घटना में अपने बच्चों को खोया है। इसके साथ ही मैं सभी घायल बच्चों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने हादसे पर दुख जताते हुए कहा कि हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले में स्कूल बस दुर्घटना में अनेक मासूम बच्चों की मृत्यु का समाचार हृदय विदारक है। ईश्वर शोक संतप्त माता-पिता एवं परिजनों को यह क्रूर आघात सहने की शक्ति प्रदान करें। मैं घायल हुए बच्चों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं। हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले में स्कूल बस दुर्घटना में अनेक मासूम बच्चों की मृत्यु का समाचार हृदय विदारक है। ईश्वर शोक संतप्त माता-पिता एवं परिजनों को यह क्रूर आघात सहने की शक्ति प्रदान करें। मैं घायल हुए बच्चों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूँ। हरियाणा की शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा ने निजी अस्पताल में पहुंच कर 12 छात्रों का हाल-चाल जाना। इस दौरान उन्होंने सीमा त्रिखा ने कहा कि निजी स्कूल संचालक व्यापार करना बंद करें। कहा कि निजी स्कूल संचालक को नियमों का पालन करना चाहिए। मंत्री ने कहा कि ड्राइवर के साथ-साथ स्कूल के प्रिंसिपल व मालिक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाएगी। उन्होंने कहा कहा कि ईद के अवकाश के दिन स्कूल खोलना गंभीर बात है। इसको लेकर प्रदेश के सभी शिक्षा अधिकारी को कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वाले स्कूलों के खिलाफ की कड़ी कार्रवाई जाएगी। हादसे को लेकर उपायुक्त ने कहा कि प्रशासन की तरफ से घायलों की हर संभव मदद की जा रही है। उन्होंने बताया कि प्रशासन की निगरानी में बेहतर उपचार हो रहा है। इस साथ ही डीसी ने स्कूल प्रशासन पर कार्रवाई करने की बात कही है।

'हम देश के लिए खून बहाने को तैयार, सीएए-यूसीसी स्वीकार नहीं', ईद कार्यक्रम में बोलीं ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को कहा कि वह राज्य में सीएए, एनआरसी और समान नागरिक संहिता को लागू नहीं होने देंगी। ईद के मौके पर कोलकाता में एक जनसभा को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि 'कुछ लोग चुनाव में दंगा कराने की कोशिश करेंगे, लेकिन आपको उनके झांसे में नहीं फंसना है।' ममता बनर्जी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि यह खुशी की ईद है, ताकत देने वाली ईद है। ममता बनर्जी ने कहा कि 'कुछ लोग चाहते हैं कि इस चुनाव के दौरान एजेंसियों के नाम पर लोगों को डराया जाए। उनके पीछे केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, प्रवर्तन निदेशालय, आयकर विभाग आदि को लगा दो। मैं उनसे (भाजपा) कहूंगी कि वे जेल बनाएं और सभी को सलाखों के पीछे डाल दें। लेकिन क्या आप 130 करोड़ की पूरी आबादी को जेल में डाल पाएंगे? मैं देश के लिए रक्त बहाने को तैयार हूं, लेकिन यह अत्याचार जारी रहे, इसके लिए तैयार नहीं हूं।' ममता बनर्जी ने बिना किसी का नाम लिए कहा कि 'इस समय जब चुनाव नजदीक हैं तो देश के कुछ मुसलमान नेताओं को फोन करके उन्हें लुभाने की कोशिश की जा रही है।' उन्होंने कहा, 'आज इस चुनाव के समय में आप कुछ मुस्लिम लोगों को चुन रहे हैं और उनसे पूछ रहे हैं कि वे क्या चाहते हैं... मैं आपको बताती हूं कि उन्हें कुछ नहीं चाहिए।' टीएमसी चीफ ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि 'अगर कोई दंगा भड़काने आए तो आप शांत रहना क्योंकि अगर कोई विस्फोट होगा तो वे एनआईए को भेजेंगे और सभी को गिरफ्तार कराएंगे। सभी को गिरफ्तार करने से देश सूना हो जाएगा। हम चाहते हैं कि सभी मिलकर रहें।' ममता बनर्जी ने कहा कि 'हम सीएए, एनआरसी और यूनिफॉर्म सिविल कोड को स्वीकार नहीं करेंगे। अगर हम एकजुट होकर रहे तो कोई भी हमें नुकसान नहीं पहुंचा सकता।' उन्होंने कहा कि टीएमसी की लड़ाई भाजपा से है। सीएम ने कहा कि 'हम इंडिया गठबंधन पर बाद में तय करेंगे, लेकिन बंगाल में किसी अन्य पार्टी को वोट नहीं जाना चाहिए।

आपस में भिड़ीं बाइकें, पीछे से आ रहे डंपर ने लोगों को कुचला; पांच मौतों से मचा कोहराम

पीलीभीत। बरेली-हरिद्वार हाईवे पर जहानाबाद थाना क्षेत्र में निसरा के पास दो बाइकों के आपस में टकराने से नीचे गिरे लोगों को पीछे से आए डंपर ने कुचल दिया। हादसे में दोनों बाइकों पर सवार पांच लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक महिला भी शामिल है। हादसे के बाद जुटे ग्रामीणों ने हंगामा भी किया। बृहस्पतिवार सुबह 10:30 बजे निसरा के पास दो बाइकों में भिडंत हो गई। बाइक टकराने से इन बाइकों पर सवार सभी लोग सड़क पर गिर गए। इसी समय पीछे से आए डंपर ने 21 वर्षीय आकिब पुत्र हसीन निवासी ग्राम विलाई पसियापुर, साहब (25) पुत्र शाहिद निवासी ग्राम परेवा वैश्य, अरबाज (26) पुत्र अकील खान निवासी ग्राम परेवा वैश्य को कुचल दिया। दूसरी बाइक पर सवार ग्राम अडोली निवासी ओवैस पुत्र ताहिर अली और उनकी पत्नी 30 वर्षीय सकरा बेगम की भी हादसे में मौत हो गई। घटना का पता चलते ही लोगों की भीड़ जमा हो गई। डंपर को पकड़ने की मांग को लेकर हंगामा किया और हाईवे जाम करने की कोशिश भी की। हंगामे की

सूचना मिलने पर सीओ सदर डॉक्टर प्रतीक दहिया, प्रभारी निरीक्षक जहानाबाद मुकेश शुक्ला भारी संख्या में पुलिस और पीएसी के साथ मौके पर पहुंचे। मृतक तीनों युवक ईद की नमाज पढ़ने जा रहे थे। जबकि दंपती ईद मिलने के लिए जा रहे थे। सीओ सदर ने बताया कि दुर्घटना करने वाले वाहन की तलाश की जा रही है।

बसपा को बड़ा झटका: रालोद में शामिल हुए सांसद मलूक नागर, जयंत चौधरी की मौजूदगी में थामा पार्टी का दामन

मुजफ्फरनगर/बिजनौर। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी को बड़ा झटका लगा है। यहां बसपा सांसद मलूक नागर ने पार्टी का साथ छोड़ राष्ट्रीय लोकदल का दामन थाम लिया है। वह गुरुवार को जयंत चौधरी के आवास पर पहंचे और पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। बिजनौर से बसपा सासंद मलूक नागर ने किसानों के मसीहा कहे जाने वाले चौधरी चरण सिंह और किसान नेता रहे महेंद्र सिंह टिकैत को भारत रत्न दिए जाने की मांग उठाई थी। इनके अलावा उन्होंने कहा कि बहुजन महानायक कांशी राम, स्वतंत्रता सेनानी विजय पथिक और कांग्रेस नेता राजेश पायलट को भी भारत रत्न दिया जाए। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने यह भी कहा था कि रालोद जिसकी साथ चली जाएगी वह जीत जाएगा। वहीं जयंत चौधरी के एनडीए में जाने के बाद और चौधरी साहब को भारत रत्न दिए जाने के बाद वह जयंत चौधरी को मुबारकबाद देने भी गए थे। इसके बाद से ही कयास लगाए जा रहे थे कि वह रालोद में शामिल हो सकते हैं।

बता दें कि बिजनौर से बहुजन समाज पार्टी के सांसद मलूक नागर ने पार्टी को अपना इस्तीफा सौंपा दिया था। बसपा ने लोकसभा चुनाव के लिए इस बार जाट दांव चला है और बिजेंद्र सिंह को प्रत्याशी बनाया है। वहीं मलूक नागर इस्तीफा देने केबाद दिल्ली रवाना हुए और रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी के आवास पर जयंत की मौजूदगी में पार्टी में शामिल हो गए। रालोद में शामिल होने के बाद सांसद मलूक नागर ने कहा कि जब मैं सांसद बना था कि रालोद, बसपा और सपा ने बड़ी भूमिका निभाई थी। खासतौर पर जयंत का का नाम लेते हुए उन्होंने कहा कि रालोद अध्यक्ष का इसमें अहम योगदान था। उन्होंने कहा कि पार्टी से ऊपर उठकर भी मैंने संसद में कई मुद्दे उठाए। उन्होंने कहा कि इस बार देश के लिए कुछ करना चाहते हैं।

अरविंद केजरीवाल के निजी सचिव बिभव कुमार को हटाया गया, विजिलेंस विभाग ने जारी किया आदेश

नई दिल्ली। तिहाड़ जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को एक और झटका लगा है। सीएम के निजी सचिव बिभव कुमार के खिलाफ विजिलेंस विभाग ने बड़ा एक्शन लिया है। बिभव कुमार की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं। विजिलेंस विभाग ने बिभव कुमार की नियुक्ति को सही नहीं माना है। विजिलेंस विभाग के स्पेशल सेक्रेटरी वाईवीवीजे राजशेखर ने आदेश जारी किया है। विजिलेंस विभाग द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि बिभव कुमार की नियुक्ति के लिए निर्धारित प्रक्रिया और नियमों का ईमानदारी से पालन नहीं किया गया है। इसलिए ऐसी नियुक्ति अवैध और अमान्य है। बता दें कि दिल्ली शराब घोटाला मामले में ईडी कई बार बिभव कुमार से पूछताछ कर चुकी है। सोमवार को भी ईडी ने बिभव कुमार को पूछताछ के लिए बुलाया था। कथित शराब घोटाले में भ्रष्टाचार के आरोप से जूझ रही आम आदमी पार्टी को बुधवार को एक और बड़ा झटका लगा है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के कैबिनेट के मंत्री राजकुमार आनंद ने पद और पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। दिल्ली सरकार के पहले मंत्री हैं, जिन्होंने मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी के बाद सरकार और पार्टी को अलविदा किया है। अनुसूचित जाति कोटे से मंत्री आनंद दिल्ली सरकार में समाज कल्याण मंत्रालय संभाल रहे थे। इस्तीफा देते वक्त उन्होंने आम आदमी पार्टी व दिल्ली सरकार पर कई आरोप लगाए। हालांकि, इस्तीफा देने से पहले आनंद ने सोशल मीडिया पर भाजपा पर हमला बोला था। इस्तीफा देने के साथ राजकुमार आनंद का आरोप है कि अनुसूचित जाति के लोग आज आप से ठगा हुआ महसूस कर रहा है। पार्टी में अनुसूचित जाति के विधायकों और पार्षदों का सम्मान नहीं है। बाबा साहब भीम राव अंबेडकर के सिद्धांतों पर चलने वाले लोगों को प्रमुख पदों पर जगह नहीं दी जाती हैं। अगर हम अनुसूचित जाति के लिए ही काम नहीं कर सके तो आप में रहने का कोई मतलब नहीं है।

ये चुनाव 90 परसेंट वालों का है, संविधान को बचाने के लिए है : राहुल गांधी

बीकानेर। राजस्थान के बीकानेर लोकसभा क्षेत्र में गुरुवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने चुनावी सभा को संबोधित किया। अनूपगढ़ में आयोजित इस सभा में जनता को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस की सरकार बनी तो वो गरीब परिवारों के लिए 8500 रुपये प्रति महीना दिया जाएगा। इससे गरीबी एक झटके से मिटा देंगे। वहीं, गोविंद सिंह डोटासरा ने किसान कानूनों और एमएसपी के कानून का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा, आज भी यहां के किसान बॉर्डर पर बैठे हैं और मोदी सरकार से पूछ रहे हैं एमएसपी कहां है। डोटासरा बोले, यह किसानों की धरती है, जो मोदी सरकार को झुकाने और हटाने का दम रखती है। उन्होंने पूछा कि किसान भाइयों आप मोदी सरकार का मोरिया बुलाओगे कि नहीं बुलाओगे। डोटासरा बोले, चुनाव में परिणाम इनते शानदार आएंगे कि राजस्थान में हम बीजेपी से ज्यादा सीट लेकर आएंगे। पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने जनता को संबोधित करते हुए नए जिलों का मुद्दा उठाया और कहा, अनूपगढ़ की लंबे समय से जिला बनाए जाने की मांग थी और हमने इसे जिला बना दिया। बोले, हम स्वास्थ्य योजना, 25 लाख का बीमा, पीने के पानी की योजना, बिजली की योजना, सोशल सिक्योरिटी स्कीम, पशुपालकों को पांच रुपये

का बोनस, लंपी में गायों का बीमा-सभी वर्गों के लिए शानदार स्कीम लेकर आए। प्रधानमंत्री ने झूठ बोलकर कि यहां दुष्कर्म होते हैं और किसानों की हालत बिगड़ी हुई है। दुष्कर्म तो अब हो रहे हैं और किसानों की हालत बिगड़ी हुई है। झूठ बोला गया कि मुसलमान को 50 लाख दिया और हिंदू को पांच लाख दिया। जबकि हमने सबसे पहले कन्हैयालाल के परिजनों को 50 लाख रुपये दिए थे। राहुल गांधी ने मंच पर आकर बेरोजगारी, महंगाई, किसानों की एमएसपी और कर्जमाफी जैसे मुद्दे उठाए। उन्होंने कहा कि देश में सबसे बड़ा मुद्दा बेरोजगारी है। यात्रा में मैंने हजारों लोगों से पूछा कि देश का सबसे बड़ा मुद्दा कौन सा है, मुझे जवाब मिला बेरोजगारी। दूसरे नंबर पर महंगाई आता है। मगर आप हिंदुस्तान के मीडिया से पूछेंगे तो आपको लगेगा, सबसे जरूरी मुद्दा अंबानी की शादी है। उन्होंने कहा कि मीडिया में 24 घंटे मोदी का चेहरा दिखेगा। कभी वे समुद्र के नीचे जाएंगे, कभी प्लेन में उड़ते दिखेंगे। यह सवाल कुछ समय से मैं अपने आप से पूछ रहा था। मीडिया का काम जनता की आवाज उठाने का है, लेकिन यह कभी जनता के मुद्दों के बारे में कभी नहीं बोलते। मीडिया में कौन लोग बैठे हैं, हिंदुस्तान में पिछड़े वर्ग की 50 प्रतिशत आबादी है। आदिवासियों की आठ प्रतिशत, दलितों का 15 प्रतिशत, माइनोरिटी 15 प्रतिशत और गरीब स्वर्ण की 15 प्रतिशत है। राहुल गांधी ने पूंजीपतियों का टैक्स माफ करने का मुद्दा उठाया, जीएसटी का मुद्दा उठाया। बोले किसानों और पिछड़ों का कहीं कर्जा माफ नहीं होता। लेकिन अडाणी और अंबानी का हो जाएगा। जितना पैसा उन्होंने अरबपतियों को दिया उतना पैसा हम, दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों को देंगे।मोदी ने हर साल दो करोड़ रोजगार देने की बात कही, लेकिन यह झूठ थी। हम हिंदुस्तान के हर युवा को सरकारी ऑफिस में एक साल की एप्रेंटसशिप और एक लाख रुपये साल के देंगे। फिर वह युवा अच्छा काम करेगा तो उसे नौकरी भी मिल सकती है।

पुलवामा में मुठभेड़, एक आतंकवादी ढेर, हथियार और गोला-बारूद बरामद, शव की पहचान की जा रही

जम्मू। दक्षिण कश्मीर के जिला पुलवामा के फसीपोरा में गुरुवार को सुरक्षाबलों और आतंकी के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस, सीआरपीएफ,सेना की संयुक्त टीम ने आतंकी को मार गिराया है। स्थानीय आतंकी के छिपे होने की विशेष सूचना पर सुरक्षाबलों ने इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान चलाया। सुरक्षाबल धीरे-धीरे आगे बढ़े। इस दौरान घेरा सख्त होता देख आतंकवादी ने गोलीबारी शुरू कर दी। जबाबी कार्रवाई में आतंकी मारा गया है। पुलिस ने बताया कि उसके का शव बरामद। पहचान सुनिश्चित की जा रही है। मौके से हथियार, गोला-बारूद और आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई है। उत्तरी कश्मीर के बारामुला जिले में पुलिस और सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली है। सुरक्षाबलों ने आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। जिले में हथियार समेत तीन आतंकवादी मददगार गिरफ्तार किए गए हैं। तीनों प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के उग्रवादियों की मदद करने का काम कर रहे थे। बारामुला पुलिस को विश्वसनीय खुफिया जानकारी मिली कि प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा संगठन से जुड़े कुछ अज्ञात आतंकवादी सुरक्षा बलों को निशाना बनाने के इरादे से बारामुला शहर में घूम रहे हैं। इस मामले में जांच करते हुए पुलिस ने ओवैस अहमद वजा पुत्री मोहम्मद वजा निवासी गनी हमाम बारामुला, बासित फैयाज कालू पुत्र फैयाज अहमद कालू निवासी गनी हमाम, बारामुला और फहीम अहमद मीर पुत्र तारिक अहमद मीर निवासी मीर साहब ओल्ड टाउन बारामुला को गिरफ्तार किया है। इससे पहले बीते सोमवार को दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले में आतंकियों ने हमला करते हुए एक गैर स्थानीय ड्राइवर को निशाना बनाया था। रिसोर्ट के कमरे में घुसकर आतंकियों ने ड्राइवर सह गाइड को गोली मार दी थी।

संपादकीय

उम्मीदों का कत्ल

अमेरिका में क्लीवलैंड यूनिवर्सिटी में आईटी मास्टर्स करने गये हैदराबाद के एक छात्र की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत ने अमेरिका में अध्ययनरत भारतीय छात्रों को भयभीत किया है। यह छात्र अपने विश्वविद्यालय के होस्टल से बीते माह लापता हुआ था। परिजनों के अनुसार गत सात मार्च से उसका मोबाइल स्विच ऑफ आ रहा था। विचलित करने वाली बात यह है कि इस साल के अभी तीन माह ही बीते हैं और ग्यारह भारतवंशी या भारतीय छात्रों की हत्या या संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो चुकी है। हैदराबाद के अब्दुल अरफाथ के परिजनों का कहना था कि उनसे एक अज्ञात कॉल के जरिये एक व्यक्ति ने फिरौती की मांग की थी। कहा जा रहा था कि किसी आपराधिक समूह द्वारा उनका अपहरण किया गया था। माता-पिता ने विदेश मंत्रालय से भी मामले में हस्तक्षेप की गुहार लगाई थी। गत माह 21 मार्च को न्यूयार्क स्थित भारतीय कांसुलेट के अधिकारियों ने कहा था कि वे स्थानीय अधिकारियों से तालमेल बनाये हुए हैं। दुखद ही है कि एक अन्य भारतीय छात्रा उमा सत्या साई की क्लीवलैंड में ही पिछले सप्ताह संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। जिसकी जांच चल रही है। अभी तक उसकी मौत के कारणों का पता नहीं चल सका है। पिछले महीने भी भारत के एक प्रशिक्षित शास्त्रीय नर्तक अमरनाथ घोष की मिसौरी में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। बीते महीने भारतीय वाणिज्य दूतावास ने एक्स पर बीस वर्षीय भारतीय छात्र अभिजीत की मौत की जानकारी दी थी। इसी तरह फरवरी में एक 23 वर्षीय अमेरिकी-भारतीय छात्र समीर कामथ इंडियाना के एक प्राकृतिक संरक्षण क्षेत्र में मृत पाये गए थे। अब चाहे दो फरवरी को वाशिंगटन में रेस्तरां के बाहर आईटी इंजीनियर विवेक तनेजा पर जानलेवा हमला हो, जनवरी में इलिनोइस में 18 वर्षीय छात्र अकुल धवन की संदिग्ध मौत हो या फिर जनवरी में एक बेघर नशेड़ी द्वारा भारतीय छात्र विवेक सैनी की पीट-पीटकर की गई हत्या हो, ये घटनाएं बेहद दुखद व चिंता जनक हैं। दरअसल, भारतीय छात्रों के मन में अमेरिका को लेकर जो सपनों के नखलिस्तान की धारणा बनी रही है, अब अमेरिका सुरक्षा की दृष्टि से उतना निरापद नहीं रहा। जब अमेरिका का कोई राष्ट्रपति सार्वजनिक तौर पर उकसावे का बयान दे कि भारतीय युवा तुम्हारी नौकरियां खा जाएंगे तो नासमझ लोगों की घातक प्रतिक्रिया का खमियाजा किसी न किसी को तो भुगतना ही होगा। नस्लभेदी नजरिया हो, अपराधों की दुनिया हो, नशे तस्करों के जाल हों या फिर ईर्ष्या की प्रतिक्रिया हो, भुगतना तो निर्दोष प्रवासियों को ही है। भारतीय अभिभावक अपना पेट काटकर व बैंकों से लोन लेकर अपने बच्चों को पढ़ाने अमेरिका भेजते हैं। ऐसे में किसी छात्र की हत्या पूरे परिवार को गहरे दुख व अवसाद में डुबो देती है। एक छात्र की मौत एक प्रतिभा की तमाम संभावनाओं की मौत होती है। भारतीय छात्रों का बड़ी संख्या में उच्च शिक्षा व रोजगार के लिये लगातार पलायन करना हमारे नीति-नियंताओं के लिये भी आत्ममंथन का विषय है कि क्यों हम अपनी प्रतिभाओं को अनुकूल शैक्षिक व रोजगार का वातावरण भारत में नहीं दे पा रहे हैं। सही मायनों में अमेरिका लोकतांत्रिक मूल्यों, समरसता के समाज और वैचारिक आजादी जैसे जुमलों के सहारे जैसे विकासशील व गरीब मुल्कों को धमकाया करता है, वे मूल्यों उसके यहां प्रतिष्ठित हैं, इस बात में भी संदेह है। पिछले दिनों एक भारतीय की कार से कुचलने पर हुई मौत पर पुलिसकर्मी ने एक संवेदनहीन टिप्पणी की थी कि उसे मुआवजा मिलेगा। यह बयान अमेरिकी समाज की एक इंसान की जान के बारे में संकीर्ण सोच को भी दशार्ता है। पेप्सिको की पूर्व सीईओ इंदिरा नूई की भारतीय छात्रों के साथ हो रही घटनाओं पर की गई टिप्पणी भी विचारणीय है। जिसमें उन्होंने छात्रों से सतर्क रहने, सुरक्षा के लिये स्थानीय कानूनों का सम्मान करने तथा नशे से दूर रहने की सलाह दी थी। एक विडंबना यह भी है कि अमेरिका में वाशिंगटन स्थित भारतीय दूतावास में तरनजीत सिंह संधू की सेवानिवृत्ति के तीन माह बाद भी पूर्णकालिक राजदूत की नियुक्ति नहीं हो पायी है।

राजनीति के आंगन में खनकेंगे कंगन

हरियाणवी कहावत है- एक तो बुढ़िया नाचनी अर ऊप्पर तैं घर मैं होग्या नाती। कार्यकर्ता तो पहले ही झंडे-डंडे उठाने में फर-वट थे और ऊपर से चुनावों की घोषणा। अब तो उनका सारा दिन नारे लगाने और वोट मांगने में जाने लगा है। सब्जीवाले से, नाई से, दर्जी से, रेहड़ी-रिक्शावाले से वे एक ही सवाल करते नजर आ रहे हैं- हां तो भाई! ईबकी बार किस पै मोहर ठोक्कैगा? इधर देखने में आ रहा है कि महिलाएं चाहे राजनीति में रस लेने लगी हैं पर कार्यकर्ता के तौर पर उनकी संख्या पुरुषों के मुकाबले कम ही है। रैलियों में जरूर उन्हें बहला-फुसला कर लाया जाता है। वहां भी वे गा-नाच कर त्योहार-सा मनाकर लौट जाती हैं। न तो उनका मेनीफेस्टो में ध्यान है और न ही किसी की हार-जीत में। और वैसे भी उन्हें घर-गृहस्थी के सैकड़ों और काम भी तो हैं। कहते हैं न कि ऊंचे चढ़कै देखा तो घर-घर ये ही लेखा। यानी सभी घरों में महिलाओं की एक-सी कहानी है। उनके पास राजनीति के लिये टाइम ही नहीं है। एक दार्शनिक का कहना कि जो महिलाएं जागरूक होती हैं वे अपने पतियों से जरूर लड़ती हैं। जो ज्यादा जागरूक होती हैं, वे अपने पड़ोसियों से लड़ती हैं और जो बेहद जागरूक होती हैं, वे चुनाव लड़ती हैं। अब अगले लोकसभा चुनावों में बेहद जागरूक महिलाओं की संख्या में इजाफा होगा। अभी तक तो उनकी उपस्थिति अमावस में दिखने वाले इक्का-दुक्का तारों जैसी ही है। एक बर चौधरी चौधरण मैं काम के बंटवारे पै झगड़ा होग्या। आखिर मैं फैसला होया अक अप-अपणे काम बदल ल्यो। चौधरण तो तड़कै ए हल जोड़ण चली गई अर चौधरी नैं उठते ही दूध बिलौण की सोच्ची। जिस बिलौणी में दूध जमा राख्या था उसकी बजाय जिस हांडी में रात की बासी खिचड़ी राखी थी, उस मैं ए गर्म पानी घाल दिया अर रई लेकै बिलौण लाग्या। घणीं देर ताईं जद मक्खन नहीं लिकड़्या तो एक लोटा ठंडे पाणी का ओज दिया। मक्खन फेर भी नीं आया तो और जोर लाकै बिलौण लाग्या। कड़ियां तक छींटमछींट कर दिया अर आप भी पसीन्ने मैं तरबतर होग्या। इतणे मैं लास्सी लेण एक पड़ोसण आई अर बोल्ली- नत्थू की मां! दूध बिलोया अक नहीं? चौधरी बोल्या- आज तो मैं ए मैं ए लाग रह्या सूं, पर घी आण का नाम नीं ले रह्या। ले तैं ए देख के माजरा सै? ताई नैं सोच्ची तू ए दो हाथ मार ले, आच्छी गाढी लास्सी ले जाइये अर कुछ मक्खन भी खिसका लिये। कमीज की बांह ऊपर नैं चढाकै उसने बिलौणी मैं हाथ मारया तो कोहनी ताहिं खिचड़ी मैं चाल ग्या। हाथ बाहर काढते होए बोल्ली- रै गाड्डण जोग्गे! तन्नैं तो खिचड़ी बिलोकै धर दी। घी के डले आवै था? चौधरी बोला- ताई! भोत हांगा ला दिया सै, दो रोटियां का चोपड़ इस्से तैं काढ़।

त्रिकोणीय मुकाबले ने बढ़ाई उम्मीदवारों की धड़कनें

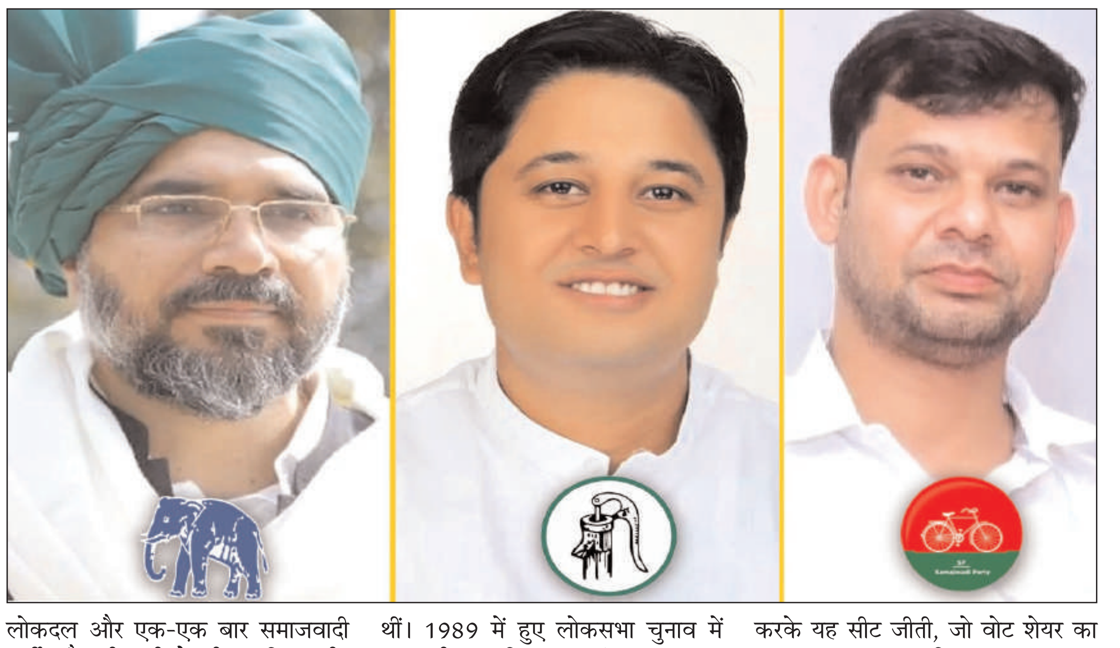

अजय कुमार

पश्चिमी उत्तर प्रदेश का जिला बिजनौर अपने भीतर काफी पुरानी विरासत सजोये हुए हैं। बिजनौर आर्य जगत के प्रकाश स्तंभ स्वामी श्रद्धानंद, वैज्ञानिक डॉ. आत्माराम और भारत के पहले इंजीनियर राजा ज्वाला प्रसाद जैसे विभूतियों की जन्मस्थली है। साहित्य के क्षेत्र में बिजनौर ने कई महत्वपूर्ण मानक स्थापित किये हैं। कालिदास ने यहां बहने वाली मालिनी नदी को अपने नाटक अभिज्ञान शाकुंतलम का आधार बनाया। उर्दू साहित्य में भी बिजनौर जिला गौरवशाली स्थान रखता है। बात राजनीति की कि जाये तो यहां से कई बड़े नेता चुनाव लड़े और जीते। बिजनौर लोकसभा सीट का चुनाव हमेशा रोमांचक रहता है। बिजनौर लोकसभा सीट पर इस बार सियासी समीकरण काफी बदले हुए हैं। यह वही सीट है जिससे बसपा सुप्रीमो मायावती और कांग्रेस की मीरा कुमार पहली बार संसद पहुंचीं। यह वही सीट है, जिस पर मायावती, रामविलास पासवान और जयाप्रदा को हार का स्वाद चखना पड़ा था। इस सीट पर लोकसभा चुनाव पर पांच बार कांग्रेस को तो चार बार भाजपा का कब्जा रहा। रालोद ने दो बार व सपा तथा बसपा ने एक-एक बार इस सीट पर परचम लहराया।

देश में 1952 में हुए पहले चुनाव से लेकर 1971 तक यह सीट कांग्रेस के पास ही रही। आपातकाल के बाद 1977 और 1980 में जनता दल ने इस सीट पर जीत हासिल की। 1989 में बीएसपी सुप्रीमो मायावती ने इस सीट से जीत हासिल की। उसके बाद 2014 तक इस सीट पर हुए आठ चुनावों में चार बार भारतीय जनता पार्टी, दो बार राष्ट्रीय लोकदल और एक-एक बार समाजवादी पार्टी और बीएसपी ने जीत हासिल की। 2011 की जनगणना के अनुसार, बिजनौर की आबादी लगभग 36 लाख थी। जनगणना के अनुसार, बिजनौर में 55.18 फीसदी हिंदू और 44.04 फीसदी मुस्लिम रहते हैं। बिजनौर लोकसभा क्षेत्र में कुल पांच विधानसभा सीटें शामिल हैं। ये सीटें हैं पुरकाजी, मीरापुर, बिजनौर, चांदपुर और हस्तिनापुर। वर्ष 1985 में हुआ उपचुनाव सबसे अधिक यादगार रहा, जिसमें तीन दिग्गज मैदान में उतरे। इसी चुनाव में कांग्रेस की मीरा कुमार पहली बार यहां से सांसद चुनी गईं। उन्होंने लोकदल प्रत्याशी केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान को हराया। बसपा सुप्रीमो मायावती निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ीं और वह तीसरे नंबर पर रहीं थीं। 1989 में हुए लोकसभा चुनाव में मायावती का सितारा बुलंद हुआ। वह जीतीं और पहली बार लोकसभा पहुंचीं। वर्ष 1991 में फिर से मायावती को हार का मुंह देखना पड़ा। भाजपा के मंगलराम प्रेमी ने उन्हें पराजित किया।

2019 में जहां यहां से राष्ट्रीय लोकदल, समाजवादी पार्टी और बसपा का संयुक्त प्रत्याशी मैदान में था तो बीजेपी और कांग्रेस अलग-अलग ताल ठोक रही थीं, 2019 के चुनाव में इस सीट पर बसपा के मलूक नागर ने 5,56,556 वोटों से जीत हासिल की। बीजेपी के भारतेंद्र सिंह 4,86,362 वोटों के साथ दूसरे और कांग्रेस के नसीमुद्दीन सिद्दीकी 25,833 वोटों के साथ तीसरे नंबर पर रहे। जबकि 2014 में भाजपा के कुंवर भारतेंद्र सिंह ने 486,913 वोट प्राप्त करके यह सीट जीती, जो वोट शेयर का लगभग 45.9 प्रतिशत था। तब समाजवादी पार्टी के शाहनवाज राणा 281,136 वोट पाकर दूसरे स्थान पर रहे थे. लेकिन इस बार रालोद-बीजेपी तो कांग्रेस और सपा के बीच राजनैतिक गठबंधन हुआ है। बसपा अकेले चुनाव लड़ रही है। बिजनौर सीट एक हॉट सीट रही है। बसपा प्रमुख मायावती यहीं से पहली बार चुनाव जीता, लोकसभा पहुंचीं थी। साल 2019 के लोकसभा चुनाव में बीएसपी उम्मीदवार मूलक नागर की जीत हुई थी, इस चुनाव में बीएसपी ने उनका टिकट काट लिया है उनकी जगह हाल ही में आरएलडी छोड़कर बीएसपी में शामिल हुए विजेंद्र सिंह को टिकट दिया है। बसपा प्रत्याशी विजेंद्र सिंह ने कहा कि हम आरोप प्रत्यारोप की राजनीति पर विश्वास नहीं करते, ना ही हम बदले की राजनीति में विश्वास करते हैं। युवाओं को हम हिंदू मुस्लिम की राजनीति में नहीं झोंकना चाहते। हमारे बुजुर्ग कहते थे- तू हिंदू ना बनेगा ना मुसलमान बनेगा, इंसान की औलाद है इंसान बनेगा। वहीं सपा प्रत्याशी दीपक सैनी ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का शुक्रिया, बात रही टिकट काटने की, उनका फैसला है। उनका सम्मान करता हूं। सपा प्रत्याशी दीपक सैनी के पिता समाजवादी पार्टी के मौजूदा विधायक हैं। हमने उनसे पूछा कि बीजेपी परिवारवाद पर चोट करती है, आप खुद विधायक पुत्र हैं और सांसदी का टिकट मिल गया। पिताजी विधायक हैं इसका मतलब ये नहीं की हम में काबिलियत नहीं हैं, काबिल हैं। पिछड़े वर्ग से आते है। लगातार पिछड़े वर्ग में काम करते हैं। युवाओं की आवाज उठाने का मौका राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने दिया है। आरएलडी-बीजेपी गठबंधन के तहत आरएलडी के खाते गई बिजनौर सीट पर जयंत चौधरी ने चंदन चौहान पर भरोसा जताया है। जमीन पर आरएलडी और बीजेपी के कैडर मिलकर चुनाव प्रचार में जुटे हुए हैं, पोस्टर से लेकर नारों तक दोनों पार्टियां एकजुट होकर मैदान में डटी हुई हैं। आरएलडी उम्मीदवार चंदन चौहान कहते हैं कि जनता के वही मुद्दे हैं। विकसित भारत में क्या भूमिका बिजनौर की रहेगी, क्या भूमिका यूपी में रहेगी। आने वाले समय में बेहतर बदलाव और शांति सुरक्षा के साथ पूरा यूपी तरक्की करे ये भूमिका सुनिश्चित करेंगे। चौधरी चरण सिंह का गुलदस्ता जो पूरे पश्चिमी यूपी नहीं देश के अंदर, तरक्की कर रहा है. 36 बिरादरी हर धर्म, जाति के लोग अपना समर्थन इस गठबंधन को दे रहे हैं।

सामाजिक-आर्थिक विकास का वाहक बन रहा है मध्यम वर्ग

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

माने या ना माने पर इसमें कोई दो राय नहीं कि किसी भी देश के आर्थिक-सामाजिक विकास में मध्यम वर्ग की प्रमुख भूमिका रही है। यह केवल हमारे देश के संदर्भ में ही नहीं अपितु समूचे विश्व की बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं का अध्ययन किया जाएगा तो कारण यही सामने आएगा। सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों के बदलाव में मध्यम वर्ग की प्रमुख भूमिका रही है। औद्योगिक क्रांति के बाद जिस तरह से श्रमिक वर्ग उभर कर आया तो औद्योगिक क्रांति का ही बाई प्रोडक्ट मध्यम वर्ग का उत्थान माना जा सकता है। आर्थिक विश्लेषकों की माने तो आर्थिक विकास का कोई ग्रोथ इंजन है तो वह मध्यम वर्ग है। ज्यादा दूर नहीं जाए और केवल वर्तमान दशक की शुरूआत बल्कि 2021 की ही बात करें तो देश में 30 फीसद परिवार मध्यम आय वर्ग की श्रेणी में आ गए थे। ऐसा माना जा रहा है कि 2031 तक यह आंकड़ा बढ़कर 46 फीसद को छू जाएगा। यानी की इस दशक में बचे साढ़े पांच साल में भी मध्यम आय वर्ग की श्रेणी में तेजी से सुधार होगा। 2021 में जहां 9.1 करोड़ परिवार मध्यम आय वर्ग की श्रेणी में थे वहीं 2031 तक यह संख्या बढ़कर 16.9 करोड़ होने का अनुमान लगाया गया है। किसी भी देश और उसकी अर्थ व्यवस्था के लिए यह अपने आप में किसी बढ़ी उपलब्धि से कम नहीं आंकी जा सकती। विशेषज्ञों के अनुसार 5 लाख से 38 लाख सालान आय वाले परिवारों को मध्यम आय वर्ग श्रेणी में माना गया है। यह भी समझना होगा कि मध्यम वर्ग का विस्तार का सीधा सीधा अर्थ गरीबी

रेखा से लोगों का बाहर आना और बाजारु गतिविधियों में तेजी आने का कारण मध्यम वर्ग ही है। मांग और आपूर्ति को भी मध्यम वर्ग के संदर्भ में ही देखा और समझा जा सकता है।

मध्यम आय वर्ग में इजाफा होने का मतलब साफ-साफ यह हो जाता है कि देश की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। इसे यों समझा जा सकता है कि मध्यम आय वर्ग या दूसरे अर्थ में हम मध्यम वर्ग की बात करें तो जीवन जीने का कोई आनंद लेता है तो वह मध्यम वर्ग ही है। मध्यम वर्ग के लोग जीवन को जीने में विश्वास रखते हैं भले ही उन्हें ऋणं कृत्वा घृतं पीबेत की मानसिकता के अनुसार जीवन यापन करना पड़ें। यही कारण है कि मध्यम वर्ग दिल खोलकर पैसा खर्च करता है। इसका एक कारण सामाजिक ताने बाने की भाषा में हम कहें तो यह कहा जा सकता है कि बहुत कुछ वह दिखावें के लिए करता है। जीवन यापन की दिखावे की इस प्रतिस्पर्धा में वह वो सब कुछ पाना चाहता है जो उसके परिवार, पड़ोसी, मित्रगण या आसपास के लोगों के पास है। इसमें रहन-सहन, खान-पान, पहनना-ओढ़ना, शिक्षा और इसी तरह की अन्य वस्तुओं/साधनों को प्राप्त करना मध्यम वर्ग का ध्येय रहता है और इसी कारण बाजार में नित नए उत्पादों की मांग बढ़ती है तो देष के लोगों के जीवन स्तर का पता चलता है। दरअसल मध्यम वर्ग व्हाईट कॉलर का प्रतिनिधित्व करता है। वह इस प्रयास में रहता है कि दिन प्रतिदिन वह अधिक से अधिक साधन जुटाएं, भले ही उसके लिए उसे उधार का सहारा लेना पड़े। यहां यह भी समझ लेना जरुरी हो जाता है कि उच्च आय वर्ग की अपनी समझ व पहुंच होती है। पहली बात तो उच्च आय वर्ग की दायरें में कम लोग है। उनकी पसंद ना पसंद अलग होती है। उनके लिए जो उत्पाद बाजार में आएंगे वो अलग श्रेणी के होंगे। मध्यम वर्ग लगभग उसी दौड़ में दौड़ने का प्रयास करता है। उच्च वर्ग के पास लक्जिरियस चौपहिया वाहन है तो उसकी मांग पहले चरण में चौपहिया वाहन व उसके बाद ज्यों ज्यों वह थोड़ा आगे बढ़ना चाहेगा अपनी पहुंच के सुविधाजनक चौपहिया वाहन पाने की कोशिश में जुट जाएगा। इसी तरह से बाजार की मांग को मध्यम वर्ग ही बढ़ाता है। तस्वीर हमारे सामने हैं। ज्यादा पुरानी बात नहीं दो दशक ही हुए होंगे कि घरों में पंखों की जगह कूलरों ने ली और कूलरों में भी हैसियत अनुसार ब्राण्डेड कंपनियों से लेकर लोकल कंपनियों के कूलरों ने घरों में जगह बनाई। आज तस्वीर का दूसरा पहलू सामने आ गया है जिस एयर कण्डीशनर के लिए केवल सोचा जा सकता था वह आज घर घर में पहुंच गया है। कम से कम एक एसी तो मध्यम वर्गीय परिवार में देखने को आसानी से मिल जाएगा। इसे यों समझा जा सकता है कि मध्यम वर्ग के विस्तार के अनुसार बाजार में मांग बढ़ी तो नित नई कंपनियां बाजार में आई और इससे अर्थ व्यवस्था को गति मिलने के साथ ही रोजगार के अवसर बढ़े।

जनपद भर में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई ईद, अकीदत के साथ अदा की गई ईद की नवाज

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जनपद भर में भाईचारे का पर्व ईद हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जनपद के सभी छोटे बड़े इबादतगाहों में गुरुवार की सुबह ईद की नमाज अदा की गई। सभी इबादतगाह नमाजियों से खचाखच भरे रहे। लोगों ने दरगाह में सामूहिक रूप से नमाज अदा कर अल्लाह को शुक्रिया अदा कर लोगो ने एक दूसरे को गले लगाकर एक दूसरे को मुबारकबाद देकर ईद की खुशी का इजहार किया। छोटे छोटे बच्चों में गजब का उत्साह देखने को मिला।

सुबह से लेकर देर शाम तक सज धज कर ईद मिलने वालों को एक दूसरे को गले लगाते हुए गलियों और सड़को पर हुजूम के साथ देखा गया। इस दौरान प्रशासन द्वारा जिले भर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। गाजीपुर नगर में विशेश्वरगंज स्थित ईदगाह, गाजी मिया का रौजा मस्जिद, सुजावलपुर, कपूरपुर, एमएएच स्कूल, रुईमंडी, गोराबाजार, आदि मस्जिदों में टाइमटेबल के अनुसार नमाज अदा किया गया। इसके अलावा ग्रामीण अंचल कर्मसार क्षेत्र के बारा, उसियां, देवैथा, दिलदारनगर, जमानियां, नंदगंज, सैदपुर, शादियाबाद, सादात, जंगीपुर, बिरनो, दुल्लहपुर, मरदह, कासिमाबाद, पारा, मुहम्मदाबाद, महेंद, आदि जगहों के मस्जिदों में ईद की नमाज अदा की गयी।

कानूनी सख्ती के बावजूद क्यों पनप रही है बाल-तस्करी

ललित गर्ग

देश की राजधानी दिल्ली में तमाम जांच एजेंसियों की नाक के नीचे नवजात बच्चों की खरीद-फरोश्त की मंडी चल रही थी जहां दूधमुंहे एवं मासूम बच्चों को खरीदने-बेचने का धंधा चल रहा था। दिल्ली की बच्चा मंडी के शर्मनाक एवं खौफनाक घटनाक्रम का पदार्पाश होना, अमानवीतया एवं संवेदनहीनता की चरम पराकाष्ठा है। जिसने अनेक ज्वलंत सवालों को खड़ा किया है। आखिर मनुष्य क्यों बन रहा है इतना क्रूर, अनैतिक एवं अमानवीय? सचमुच पैसे का नशा जब, जहां, जिसके भी सर चढ़ता है वह इंसान शैतान बन जाता है। दिल्ली के केशवपुरम इलाके में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने छापेमारी कर ऐसे ही शैतानों के कुकृत्यों का भंडाफोड किया और एक महिला समेत सात लोगों को रंगेहाथ गिरफ्तार किया, इसके साथ ही तीन नवजात शिशुओं को उनके चंगुल से बचाया। आरोपियों में एक अस्सिटेंट लेबर कमिश्नर को इस धंधे का मास्टर माइंड माना जा रहा है। न केवल दिल्ली वालों के लिए बल्कि देशवासियों के लिए यह खबर चिंता पैदा करने वाली ही नहीं है, बल्कि खौफ पैदा करने वाली भी है।

दिल दहाले देने वाली इस घटना में सीबीआई की अब तक की जांच से पता चला है कि आरोपी फेसबुक पेज और व्हाट्सएप ग्रुप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर विज्ञापन के माध्यम से बच्चे गोद लेने के इच्छुक निसंतान दंपतियों से जुड़ते थे। आरोपी कथित तौर पर वास्तविक माता-पिता के साथ-साथ सेरोगेट माताओं से भी नवजात बच्चे खरीदते थे। इन नवजात बच्चों को चार से छह लाख रुपए में बेच दिया जाता था। जांच से जुड़े सीबीआई अधिकारियों के अनुसार एजेंसी की गिरफ्त में आए आरोपी बच्चों को गोद लेने से संबंधित फर्जी दस्तावेज तैयार कराते थे। आरोपी कई निसंतान दंपतियों से लाखों रुपए की ठगी करने में भी संलिप्त हैं। इस गिरोह के तार कहां-कहां हैं इसकी भी कड़ियां जोड़ी जा रही हैं। यह गिरोह आईवीएफ के माध्यम से युवतियों को गर्भधारण कराता था फिर इन शिशुओं को बेचता था। गरीब माता-पिता से भी बच्चे खरीदे जाते थे। बच्चों की खरीद-फरोख्त और बच्चों की तस्करी एक ऐसी समस्या है जिस पर तभी ध्यान जाता है जब कोई सनसनीखेज खबर सामने आती है।

अर्थ की अंधी दौड़ में इंसान कितने क्रूर एवं अमानवीय घटनाओं को अंजाम देने लगा है कि चेहरे ही नहीं चरित्र तक अपनी पहचान खोने लगे हैं। नीति एवं निष्ठा के केन्द्र बदलने लगे हैं। मानवीयता एवं नैतिकता की नींव कमजोर होने लगी है। आदमी इतना खुदगर्ज बन जाता है कि उसकी सारी संवेदनाएं सूख जाती है। बाल तस्करी के खिलाफ कई सख्त कानूनी प्रावधानों के बावजूद भारत में यह समस्या नासूर बनती जा रही है। नवजात बच्चे चुराने वाले गिरोह के पदार्फाश से फिर यह तथ्य उभरा है कि बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों में कानून का कोई खौफ नहीं है। बच्चों की तस्करी पर भारी जुमार्ने के साथ उम्रकैद तक का प्रावधान होने के बावजूद यह कड़वी हकीकत है कि ऐसे दस फीसदी से भी कम मामले दोषियों को सजा तक पहुंच पाते हैं। मुकदमों की पैरवी सही तरीके से नहीं होने के कारण अपराधी बच निकलते हैं और वे फिर बाल तस्करी एवं बच्चों की खरीद-फरोश्त में लिप्त हो जाते हैं।

बाल तस्करी एवं बच्चों की खरीद-फरोश्त के अनेक कारण हैं। निसंतान दंपतियों द्वारा बच्चों को खरीदना एकमात्र कारण नहीं है बल्कि गरीबी, अशिक्षा, आर्थिक विषमता, सुविधावादी जीवनशैली, भौतिकवाद, बच्चों की अधिक संख्या, बेरोजगारी भी बड़ा कारण है। पैसे की अपसंस्कृति ने अपराधों को अनियंत्रित किया है। पैसे कमाने के लिए कई लोग बाल तस्करी एवं बच्चों की खरीद-फरोश्त के व्यापार में लग गए हैं। वो गरीब लोगों को बहकाकर उनके बच्चों को काम दिलवाने का झांसा देकर शहर ले जाते हैं फिर शहर में जाकर उन बच्चों को बेचा जाता है फिर शुरू होता है बच्चों के शोषण का अंतहीन सिलसिला। जो बच्चे खो जाते हैं उनको अपराधी अगवा कर बेच देते हैं। लड़कियों को देह व्यापार के लिए विवश किया जाता है। हजारों बच्चों को फैक्ट्रियों में बंधुआ मजदूर बना दिया जाता है। 16-16 घंटे काम कराके इन को भर पेट खाना भी नसीब नहीं होता। इन सब कारणों से देश का बचपन कराह रहा है।

देश में युवाओं के एक वर्ग की सोच में बदलाव भी परोक्ष रूप से बाल-तस्करी को बढ़ावा दे रहा है। एक सर्वे में खुलासा हुआ था कि भारत के नौ फीसदी युवा शादी तो करना चाहते हैं लेकिन बच्चे नहीं पैदा करना चाहते। संतान सुख के लिए उन्हें बच्चे खरीदने से परहेज नहीं है। हैरत की बात यह है कि देश के ढाई करोड़ से ज्यादा अनाथ बच्चों में से किसी को गोद लेने का विकल्प होने के बावजूद ऐसे युवा कई बार बाल तस्करी करने वालों से संपर्क तक साध लेते हैं। बाल-तस्करी भारत की एक उभरती एवं ज्वलंत समस्या है। यह केवल भारत की ही नहीं, दुनिया की बड़ी समस्या है। पिछले साल एक एनजीओ की रिपोर्ट में बताया गया था कि 2016 से 2022 के बीच बाल तस्करी के सबसे ज्यादा मामले उत्तर प्रदेश में दर्ज किए गए, जबकि आंध्र प्रदेश और बिहार क्रमशः दूसरे, तीसरे नंबर पर थे। इस अवधि में मध्य प्रदेश, गुजरात, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और तेलंगाना में भी कई मामले दर्ज हुए। कोरोना काल के बाद दिल्ली में बाल तस्करी के मामलों में 68 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई थी। यह भी देखने में आया कि जिलों की बाल तस्करी से जुड़े मामलों में जयपुर पहले स्थान पर रहा।

पिछले साल संसद में पेश राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के मुताबिक देश में 2021 में हर दिन औसतन आठ बच्चों की तस्करी हुई। देश के ही भीतर यह तस्करी होती है लेकिन संगठित गिरोह कुछ बच्चों की खाड़ी और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों में भी तस्करी करते हैं। एनसीआरबी के मुताबिक 2019 से 2021 के बीच देश में 18 साल से कम उम्र की 2.51 लाख लड़कियां लापता हुई। इनमें से ज्यादातर मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और ओडिशा की थी। बचपन अगर बाल तस्करी के बीच फंसकर रह जाए तो बच्चा अपने बचपन, क्षमता और मानवीय गरिमा के साथ-साथ शारीरिक और मानसिक विकास से भी वंचित रह जाता है। गौरतलब है कि बच्चों के घरेलू काम, विभिन्न क्षेत्रों में बाल श्रम, भीख मांगना, अंग तस्करी और व्यावसायिक यौनकर्म जैसी अवैध गतिविधियां बाल तस्करी की कोख से ही जन्म लेती हैं। सरकार और समाज को इससे मिलकर निपटना होगा। इस समस्या की जड़ में गरीबी भी है। इसे ध्यान में रखते हुए ऐसी व्यावहारिक और ठोस नीति बनाई जानी चाहिए कि बाल तस्करी के समूल उन्मूलन की जमीन तैयार हो सके।

इसे देश की विडंबना कहें या दुर्भाग्य कि आज बहुत से अजन्मे मासूम तो मां के गर्भ में आते ही जीवन-मृत्यु से जूझने लगते हैं। जन्म लेने के बाद इस देश में बच्चों को बेच दिया जाता है या ऐसे बच्चों का एक बहुत बड़ा वर्ग चौराहों, रेलवे स्टेशन, गली-मोहल्ले में भीख मांगता मिल जाएगा। बहुत सारे बच्चों का बचपन होटलों पर काम करते या जूठे बर्तन धोते हुए या फिर काल कोठरियों में जीवन बिताते हुए कट जाता है। यों भी कह सकते हैं कि उनका जीवन आज अंधेरे में कट रहा है, दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर भारत का बचपन आर्थिक कारणों से घायल है। बच्चे को बेचे और खरीदे जाने में जितने लोग, जिस तरह शामिल होते थे, वह नये बनते भारत के भाल पर एक बदनुमा दाग है। क्यों कानून का डर ऐसे अपराधियों को नहीं होता? क्यों सरकारी एजेंसियों की सख्ती भी काम नहीं आ रही है और लगातार ऐसी घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। यहां प्रश्न कार्रवाई का नहीं है, प्रश्न है कि ऐसी विकृत एवं अमानवीय सोच क्यों पनप रही है?

संस्कृति

दीपक पाचपोर

आदिवासियों में पुत्र के दीर्घ जीवन के लिए मनाया जाता है चिल्हीडार और बेटा जौतिया महाव्रत

छत्तीसगढ़ का आदिवासी समाज द्वारा पुत्र के दीर्घ जीवन के लिए महिलाओं द्वारा रखे जाने वाले उपवास के बाद की महापूजा का पर्व के चिल्हीडार एवं बेटा जौतिया महाव्रत आयोजित किया जाता है। यह महापर्व अंचल में हर साल अलग-अलग स्थानों पर होता है। इस महापर्व में पूरे छत्तीसगढ़ के अलावा मध्यप्रदेश से भी लोग शामिल होते हैं। आदिवासी इस महापर्व में ज्यादातर अपनी परम्परागत वेशभूषा और श्रृंगार के साथ मौजूद रहते हैं। सादगी से मनाए जाने इस महापर्व के अवसर पर अधिकतर नंगे पांव रहते हैं। खासकर कार्यक्रम स्थल के भीतर जूते-चप्पल पहनकर प्रवेश वर्जित होता है। धोती पहने लोग ही मंच तक जा सकते हैं क्योंकि वह बहुत पवित्र जगह हो जाती है। बड़ी संख्या में महिलाएं जंवारा सिर पर लिए यहां आती हैं। इस विशाल महापर्व का आयोजन गोंडी धर्म संस्कृति संरक्षण समिति एवं छ.ग. गोंडवाना संघ के तत्वावधान होता है। गोंडवाना गुरुदेव दुर्ग भगत जगत एवं गुरु माता दुर्ग दुलेश्वरी का इसे आशीर्वाद प्राप्त होता है। जहां भी इस पर्व का आयोजन होता है उसमें शामिल लोग रात्रि विश्राम के बाद अगले दिन अपने घर लौटते हैं।

पुस्तक समीक्षा

छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति

कृति के नाव: छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति

कृतिकार: डा. पीसी लाल यादव

समीक्षक: डा. डी पी देशमुख

प्रकाशक: शिक्षादूत प्रकाशन रायपुर

मूल्य: चार सौ साठ रूपए

छत्तीसगढ़ के लोक संस्कृति, साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में डा. पीसी लाल यादव वर्षो से काम करते आ रहे हैं। आप अंचल की साहित्यिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को अपनी लेखनी के माध्यम से रेखांकित करते रहे हैं। आप इसी संदर्भों से जुड़े पहलुओं को अपनी पुस्तक 'छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति' के माध्यम से रखा है। आपने अपनी इस पुस्तक में आंचलिक तीज-त्योहारों, लोक नाट्य, लोककथा, लोकगाथा, मेला-मड़ई, खेलकूद जैसे विषयों को आधार बनाया है। आप विषय-वस्तुओं को तथ्यों के रखने में सफल हुए हैं। इस पुस्तक का लाभ छत्तीसगढ़ की समृद्ध विरासत को जानने और समझने वालों को अवश्य मिलेगा।

भोरमदेव मंदिर, मड़वा महल तथा छेरकी महल, फणिनाग वंश के शासकों के काल के सर्वाधिक प्रसिद्ध स्मारक हैं। भोरमदेव के आसपास से अनेक प्रतिमाएं, स्थापत्य खंड तथा सतीलेख भी मिले हैं। मड़वा महल से प्राप्त एक अभिलेख में इस वंश के राजाओं के वंशावली के साथ इस मंदिर के निर्माण का उल्लेख भी प्राप्त होता है। मड़वा महल के स्थापत्य अलंकरण में वाममार्गी शैवाचार्यों के तांत्रिक साधना और उपासना परंपरा की झलक दिखाई देती है।

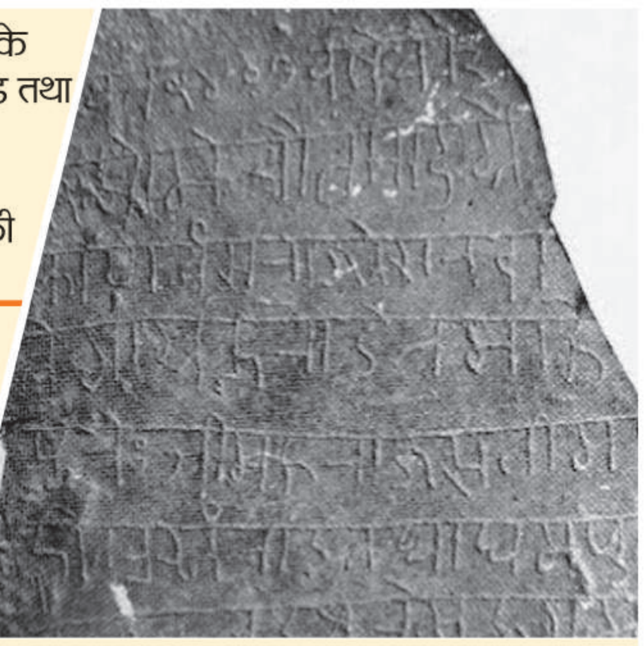

मड़वा महल में उल्लेखित सतीलेख

मड़वा महल, कवर्धा फणिनाग वंश के शासकों के काल में निर्मित स्मारक हैं। भोरमदेव मंदिर, मड़वा महल तथा छेरकी महल, फणिनाग वंश के शासकों के काल के सर्वाधिक प्रसिद्ध स्मारक हैं। भोरमदेव के आसपास से अनेक प्रतिमाएं, स्थापत्य खंड तथा सतीलेख भी मिले हैं। मड़वा महल से प्राप्त एक अभिलेख में इस वंश के राजाओं के वंशावली के साथ इस मंदिर के निर्माण का उल्लेख भी प्राप्त होता है। मड़वा महल के स्थापत्य अलंकरण में वाममार्गी शैवाचार्यों के तांत्रिक साधना और उपासना परंपरा की झलक दिखाई देती है। इस मंदिर के सुरक्षा के लिए दीवार निर्माण करने के लिए फरवरी 2003 में नींव खोदते समय पश्चिम दिशा में एक खंडित शिलालेख प्राप्त हुआ है। यह सतीलेख है तथा लगभग 3 फीट लंबा एवं 1 फीट चौड़ा है। भूरे बलुआ रंग के इस प्रस्तर लेख में कुल 7 पंक्तियां हैं। लेख का बांया बाजू टूटा हुआ है, जिससे पंक्तियां अपूर्ण हैं। साथ ही साथ इसका ऊपरी भाग भी खंडित है। इस सती लेख की जानकारी श्री जी.एल. रायकवार, पुरातत्ववेत्ता, रायपुर को प्रथमतः ज्ञात हुई थी। इस लेख में संवत 1407 का अंकन है, तदनुसार यह ईसवी सन 1349-50 है। अभिलेख में मास तथा पक्ष का उल्लेख नहीं हैं, परन्तु 11वीं तिथि और दिवस सोम (वार) उल्लेखित है। इस सती लेख में फणिवंश के राजा सरदा, मही (धर अथवा देव) एवं महाराज सतीम का नामोल्लेख मिलता है। लेख की अंतिम दो पंक्तियों में पितृकुल तथा पति के कुल के उद्धार के लिए राउत घाघम की पुत्री के सहगमन (सती होने) का उल्लेख है। फणिवंश के अज्ञात राजाओं के नाम तथा राउत जाति की नारी की सती होने की जानकारी के कारण यह सतीलेख विशेष महत्वपूर्ण है। तत्कालीन फणिनाग राजाओं की वंशावली तथा सामाजिक जातिगत प्रथा पर यह सतीलेख नवीन प्रकाश केन्द्रित करता है। यह लेख देवनागरी लिपि में भाषा अशुद्ध और संस्कृत में है।

ऐतिहासिक : राहुल कुमार सिंह

सातधार जलप्रपात

पर्यटन : डा. गीतेश अमरोहित

इंद्रावती उड़ीसा के कालाहांडी से निकलकर भोपालपट्टनम के आगे गोदावरी नदी में मिल जाती है। इस नदी में ऐतिहासिक नगरी बारसूर के पास सातधार जलप्रपात निर्मित है। यह जलप्रपात जिला दंतेवाड़ा में है। बारसूर से लगभग 04 किलोमीटर की दूरी पर सातधार गांव है। इस गांव के पास ही इंद्रावती नदी में अबूझमाड़ को जोड़ने के लिए पुल बना हुआ है। इस पुल से एक मार्ग अबूझमाड़ के तुलार की तरफ जाता है। इस मार्ग में पुल से लगभग 01 किलोमीटर की दूरी पर इंद्रावती नदी में सातधार जलप्रपात स्थित है। इस जलप्रपात के पास ही नागों के किले के निशान बिखरे पड़े है। यहां पर इंद्रावती नदी सात छोटी धाराओं में विभाजित होकर 10 से 15 फीट की उंचाई से गिरती है, इसलिए इसका नाम सातधार जलप्रपात पड़ गया। इन सात धाराओं के नाम-बोध धारा, कपिल धारा, पांडव धारा, कृष्ण धारा, शिव धारा, चित्र धारा और बाण धारा है। हालांकि भरे बरसात के मौसम में नदी में पानी अधिक होने के कारण यह सात धारा अलग-अलग दिखाई नहीं देते। ठंड के मौसम में सातों धारा बिल्कुल अलग ही दृश्य निर्मित करते हैं। जलप्रपात की चट्टानें भेड़ाघाट के सदृश हैं, इसलिए इसे कई लोग 'बस्तर का भेड़ाघाट' की संज्ञा देते हैं।

अंचल प्रेम पर आधारित काव्य

लोक साहित्य : उर्मिला शुक्ल

राजनीति के फलक पर छत्तीसगढ़ का अपना अलग अस्तित्व है। यह अलग राज्य के रूप में पहचाना जाए, इसकी चाह बहुत पहले से ही थी।, मगर छत्तीसगढ़ को मध्यप्रदेश में शामिल होना पड़ा था। मध्यप्रदेश में शामिल होकर भी छत्तीसगढ़ अंचल इससे अलग थलग ही रहा, फिर चाहे भाषा हो या संस्कृति। इसकी अपनी विशेषताएं रहीं, जिसके चलते वह अपने ही प्रांत में समाहित नहीं हो पाया। समय समय पर छत्तीसगढ़ी काव्य में कभी यह स्थिति पीड़ा बनकर उभरी, तो कभी विशेषता बनकर। फिर जब छत्तीसगढ़ अलग राज्य बना तब तो जैसे छत्तीसगढ़ अंचल में भाषा एवं संस्कृति के प्रेम की बारिश सा होने लगी यही कारण है कि विगत वर्षो में छत्तीसगढ़ को लेकर जितनी कविताएं लिखी गई, उतनी शायद ही कभी लिखी गई होंगी। अनेक कवियों ने छत्तीसगढ़ की महिमा को अपने ढंग से रेखांकित करने में कोई कमी नहीं की। देखें श्यामलाल चतुर्वेदी की यह पंक्तियां-

बाराबाट लुटेरन जांही, करबो तिल तिल जोरन।
छत्तीसगढ़िया राज बने हे, कुलकत हवै बहोरन।

सुरता: प्रो. अश्विनी केशरवानी

छत्तीसगढ़ी परिदृश्य को रेखांकित करने वाले लेखकों में पं. अमृतलाल

छत्तीसगढ़ के विरले साहित्यकारों में पं. अमृतलाल दुबे का नाम अविस्मरणीय है। आपने आदिम जातियों के वाचिक परंपरा के लोक साहित्य को केवल पढ़ा ही नहीं बल्कि उसका दुर्लभ संग्रह भी किया, जिसे आदिम जाति कल्याण विभाग ने 'तुलसी के विरवा जगाय' शीर्षक से प्रकाशित किया है। आपने इस पुस्तक में छत्तीसगढ़ी संस्कृति में तीज-त्योहारों को भी स्थान दिया है। आपने भोजली देवी की महिमा का विस्तार से यहां वर्णन करते लिखा है-

सोन के कलश, गंगा जल पानी,
हमरो भोजली दाई के पइयां पखारी।
सोन के दिया, कपूर के बाती,
हमरो भोजली दाई के आरती उतारी।

इसके बाद आपका कविता संग्रह मुलिया और मानस प्रकाशित हुई। आपकी रचनाएं आकाशवाणी अंबिकापुर, रायपुर और इंदौर से भी प्रकाशित होती रहीं। संगीत के प्रति आपकी काफी रूचि होने के कारण अनेक आयोजन करते ही रहते थे। आपका 55 वर्ष की उम्र में 2 अप्रेल सन 1980 को देहावसान हो गया।

गांव की कहानी

डा. राघवेंद्र कुमार 'राज'

भटरी के निवासों के कारण गांव हुआ भटगांव

दुर्ग जिले के जेवरा-सिरसा के समीपस्थ धमधा मार्ग पर स्थित गांव 'भटगांव' सन 1949 में अपने अस्तित्व को प्राप्त किया। शिवनाथ नदी के किनारे बसा भटगांव पूर्व में छोटा होने के कारण आबादी भी कम और मालगुजारी प्रथा थी। आजादी के पूर्व 9 अगस्त 1942 को ब्राह्मण परिवार का एक अवयस्क किशोर के द्वारा स्वतंत्रता संग्राम के दौर में गिरफ्तारी दी गई। क्रांति की शंखनाद इस गांव से हुआ। इस गांव में चार समाजों (ब्राह्मण, तेली, कुर्मी ,यादव) का बाहुल्य रहा। प्राचीन समय में इसे 'भाठापारा' कहा करते थे। कालान्तर में बुद्धिजीवियों, विद्वानों और कलाधर्मियों के कारण इस गांव का नाम 'भटगांव रखा गया। यहां भट (भटरी) भी निवास करते थे। प्राचीन विशाल पीपल वृक्ष के नीचे हनुमान जी की प्रतिमा पर ग्रामीणों द्वारा हनुमान मंदिर का निर्माण किया गया है। यहां की सांस्कृतिक विरासत समृद्धशाली रहा। 'दशहरा महोत्सव' और 'मातर पर्व ' का आनंद उठाने के लिए समीपवर्ती गांव के लोग आते हैं। 'गुरूघासीदास जयंती' भी आकर्षण का केन्द्र होता है। यहां ख्याति प्राप्त सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां भी होती रहती हैं। वर्तमान में इस गांव से 'पंथी नृत्य' और 'रामलीला मंडली' अपनी कला का दूर-दूर के गांवों में मुखर प्रदर्शन कर रही है। शिक्षा, कला और संस्कृति की दृष्टि से यह गौरवशाली गांव अनुकरणीय है।

नई ऊंचाइयों पर पहुंची भारत अमेरिकी साझेदारी : सुलविन

वाशिंगटन (भाषा)। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जेक सुलिवन ने कहा है कि प्रौद्योगिकी एवं अन्य क्षेत्रों में सहयोग से भारत और अमेरिका के बीच साझेदारी नई ऊंचाई पर पहुंच गई है।

सुलिवन ने अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा, 'ब्रिक्स में शामिल देश भारत और अमेरिका के बीच साझेदारी प्रौद्योगिकी, सुरक्षा और कई अन्य क्षेत्रों में सहयोग के कारण नई ऊंचाइयों पर पहुंच गई है।' ब्रिक्स दुनिया की तेजी से उभरती अर्थव्यवस्थाओं का एक समूह है। ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात इसके सदस्य हैं। सुलिवन से पूछा गया कि ईरान, मिस्र, संयुक्त अरब अमीरात और इथियोपिया के ब्रिक्स में शामिल होने और सऊदी अरब के इसका हिस्सा बनने पर विचार करने के मद्देनजर क्या दुनिया में अमेरिकी नेतृत्व की स्थिति कमजोर हो रही है। इसके जवाब में सुलिवन ने कहा, मुझे लगता है कि अगर आप दुनिया के प्रमुख क्षेत्रों में अमेरिका की भूमिका और उसके संबंधों को देखें, तो हम अपनी स्थिति को देखकर अच्छा महसूस करते हैं।' उन्होंने कहा, 'यदि आप देखें कि नाटो (उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन) में क्या हुआ है, हमने नाटो को पहले से कहीं अधिक बड़ा बना दिया है, यदि आप देखें कि इस सप्ताह क्या हो रहा है, तो अमेरिका, जापान और फिलीपीन की एक ऐतिहासिक त्रिपक्षीय बैठक हो रही है। यदि आप हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर नजर डालें, तो पाएंगे कि कैसे हमने न केवल पारंपरिक सहयोगियों के साथ, बल्कि वियतनाम, इंडोनेशिया, आसियान (दक्षिण पूर्वी एशियाई राष्ट्रों का संगठन) के सदस्य देशों के साथ भी अपने संबंधों को मजबूत किया है।

कहा, नाटो को पहले से कहीं अधिक बड़ा बनाया गया

सुलिवन ने कहा कि अमेरिका ने रूस के रक्षा औद्योगिक आधार को मदद देने के संबंध में चीन के सामने अपनी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा, हमने कोई सबूत नहीं देखा है कि वे रूस को सीधे सैन्य सहायता प्रदान करेंगे, लेकिन हमने रूस के रक्षा औद्योगिक आधार को मदद देने को लेकर चिता व्यक्त की है जिसके बारे में (अमेरिका के रक्षा) मंत्री (एंटनी) ब्लिकन ने पिछले सप्ताह यूरोप में काफी प्रभावी ढंग से बात की थी।

भारत का चेहरा बने मोदी

वाशिंगटन (भाषा)। अमेरिका के एक वरिष्ठ सांसद ने भारत में 2014 से हुई आर्थिक प्रगति एवं विकासात्मक कार्यों के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह भारत का चेहरा बन गए हैं । अमेरिकी संसद में भारत के बड़े समर्थकों में से एक माने जाने वाले ब्रैड शरमन ने कहा कि भारत और अमेरिका ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत होते देखा है। उन्होंने साथ ही कहा कि रूस के साथ भारत के रक्षा संबंध, भारत और अमेरिका के संबंधों के लिए एक चुनौती हैं।

शरमन ने कहा, मोदी भारत का चेहरा बन गए हैं और हमने बहुत महत्वपूर्ण आर्थिक प्रगति देखी है। बेशक, हर देश की अपनी चुनौतियां होती हैं, हर नेता की अपनी चुनौतियां होती हैं। मैं किसी देश की सफलता का श्रेय केवल एक नेता को नहीं देता। मेरा मतलब है कि आपके पास 1.3 अरब से अधिक लोग हैं और वे सभी भारत को और अधिक सफल देश बनाने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। शरमन (68) अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की विदेश मामलों की समिति के डेमोक्रेटिक सदस्य हैं और पिछले 28 साल से भारत और अमेरिका के संबंधों को मजबूत बनाने की दिशा में कार्य कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, अमेरिका और भारत के संबंध काफी मजबूत हुए हैं। मैं यह जानता हूं क्योंकि मैं यहां प्रतिनिधि सभा में 'यूएस इंडिया कॉकस' का पूर्व अध्यक्ष हूं, जो सबसे बड़ा है। हमने इसे सभी द्विदलीय कॉकस में सबसे बड़ा बनाया। शरमन ने कहा कि विशेष रूप से रक्षा क्षेत्र में भारत और अमेरिका के

अमेरिका के वरिष्ठ सांसद ब्रैड शरमन ने कहा

बोले, देश का विकास एवं अर्थव्यवस्था में हुआ सुधार

भारत निवेश के लिए उत्कृष्ट स्थान

संबंध मजबूत हुए हैं। उन्होंने कहा, अमेरिका और भारत के बीच व्यापार तेजी से बढ़ा है। निस्संदेह, भारतीय-अमेरिकी सबसे अधिक शिक्षित हैं और अमेरिका में सभी जातीय समूहों की तुलना में उनकी आय सबसे अधिक है। शरमन ने कहा कि वह दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों का और विस्तार होते देखना चाहेंगे। उन्होंने कहा, मैंने कई व्यवसायियों से इस बारे में बात की है कि कैसे भारत निवेश के लिए उत्कृष्ट स्थान है और उन देशों की तुलना में व्यापार करने के लिए एक बेहतर जगह है जो लोकतांत्रिक नहीं हैं और जहां कानून का स्थापित नियम नहीं है। विशेष रूप से जो लोग चीन में निर्माण करते हैं, उन्हें इस तथ्य पर विचार करना चाहिए कि वह लोकतांत्रिक देश नहीं है और वह ऐसा देश नहीं है जिसके कानून के शासन की प्रणाली पर भरोसा किया जा सके।

कच्चातिवु द्वीप पर कांग्रेस के खिलाफ आरोप 'निराधार' : दिग्विजय सिंह

कहा, मैं पूछना चाहता हूं कि क्या कच्चातिवु द्वीप पर कोई रह रहा है

भोपाल (भाषा)। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिह ने बुधवार को कच्चातिवु द्वीप मुद्दे पर कांग्रेस के खिलाफ आरोपों को 'निराधार' बताया।

कच्चातिवु द्वीप के आसपास क्षेत्रीय और मछली पकड़ने के अधिकार पर दशकों पुराना विवाद लोकसभा चुनाव से पहले फिर चर्चा में है तथा भाजपा और विपक्ष इस मुद्दे पर वाकयुद्ध में लगे हुए है। यह द्वीप भारत में रामेश्वरम और श्रीलंका के बीच स्थित है। सन 1974 में, तत्कालीन केंद्र सरकार ने 'भारत-श्रीलंका समुद्री समझौते' के तहत कच्चातिवु को श्रीलंकाई क्षेत्र के रूप में स्वीकार कर लिया था। नरेन्द्र मोदी सरकार के इस आरोप के बारे में पूछे जाने पर कि कांग्रेस ने यह द्वीप श्रीलंका को सौंप दिया था, सिह ने संवाददाताओं से कहा, मैं पूछना चाहता हूं कि क्या कच्चातिवु द्वीप पर कोई रह रहा है। तत्कालीन कांग्रेस सरकार के फैसले के कारण मछुआरों के सामने आ रही समस्याओं के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ये बिना किसी तथ्य के आधारहीन बातें है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस आरोप पर कि कांग्रेस ने आदिवासी समुदायों के लिए कुछ नहीं किया है, सिंह ने कहा, वह जो कहना चाहते है, वह कहने के लिए स्वतंत्र है। लेकिन मुद्दा यह है कि भाजपा उन्हें (आदिवासियों को) अधिकार देने में पीछे क्यों है? कांग्रेस नेता ने पूछा कि भाजपा की राज्य सरकारों ने वन अधिकार अधिनियम, पेसा अधिनियम का पालन क्यों नहीं किया है और वे ग्राम समितियों (ग्राम सभाओं) को कोई अधिकार क्यों नहीं दे रही है? सिंह ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा की गयी दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी की भी निंदा की। उन्होंने कहा, यह बेहद निदनीय है कि निर्वाचित मुख्यमंत्रियों का इस तरह से अपमान किया जाता है।

संक्षिप्त खबरें

चीन : जहाज की टक्कर में 8 की मौत

बीजिंग। दक्षिण चीन के हैनान प्रांत के दक्षिण-पश्चिमी तट पर मछली पकड़ने वाली एक नाव और एक कमर्शियल शिप के बीच टक्कर के बाद लापता हुए सभी आठ लोगों की मौत की पुष्टि हो गई है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी के मुताबिक, मछली पकड़ने वाली नाव युएनान आओयू 360623 अप्रैल को सुबह लगभग 0:15 बजे सान्या बंदरगाह से लगभग 60 समुद्री मील पश्चिम में पनामा के कंटेनर जहाज त्एसआईटीसी दानंग से टकरा गई। इसके बाद, मछली पकड़ने वाली नाव डूब गई और उसमें सवार आठ लोग लापता हो गए।

रूस : गूगल पर 4.6 अरब रूबल का जुर्माना

मॉस्को। रूस की राजधानी मॉस्को की एक अदालत ने यूक्रेन में रूस के विशेष सैन्य अभियान के बारे में गलत जानकारी फैलाने, चरमपंथ और एलजीबीटी सामग्री वाले यूट्यूब वीडियो को हटाने से इनकार करने पर गूगल पर 4.6 अरब रूबल (4.9 करोड़ डॉलर) का जुर्माना लगाने को बुधवार को मंजूरी दे दी। अदालत के प्रवक्ता ने स्पूतनिक को यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने कहा, मॉस्को सिटी कोर्ट के अपीलीय प्राधिकरण ने 20 दिसम्बर, 2023 के मॉस्को के टैगान्स्की जिला न्यायालय के फैसले के खिलाफ एक गूगल प्रतिनिधि की शिकायत को खारिज कर दिया, जिसमें गूगल को प्रशासनिक संहिता के अनुच्छेद 13.41 के भाग 5 के तहत प्रशासनिक अपराध करने का दोषी पाया गया था।

ईरान : आतंकी हमले में पांच पुलिसकर्मियों की मौत

तेहरान। ईरान के सिस्तान और बलूचिस्तान प्रांत में मंगलवार को एक आतंकवादी हमले में कम से कम पांच पुलिसकर्मी मारे गये और दो घायल हो गए। 'तस्मीन' समाचार एजेंसी ने यह जानकारी दी है। रिपोर्ट के अनुसार मेहरेस्टन काउंटी और सिब और सुरन काउंटी के बीच आतंकवादियों ने ईरानी पुलिसकर्मी की हत्या के मुख्य संदिग्ध को ले जा रही पुलिस की दो कारों पर हमला कर दिया। पुलिसकर्मी की मार्च में हत्या हुयी थी। आतंकवादी संगठन 'जैश अल-जुल्म' ने हमले की जिम्मेदारी ली है। पुलिस ने इसकी पुष्टि की है। उल्लेखनीय है कि जैश अल-जुल्म हाल के वर्षों में ईरानी सुरक्षा बलों और नागरिकों के खिलाफ कई हमले किये है जिसमें पिछले सप्ताह सिस्तान और बलूचिस्तान प्रांत का हमला शामिल है जिसमें 16 सुरक्षाकर्मी मारे गए थे।

हांगकांग : आवासीय इमारत में आग से पांच की मौत

हांगकांग। हांगकांग की एक बड़ी इमारत में बुधवार को आग लगने से कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और 36 अन्य लोग घायल हो गए। हांगकांग के जॉर्डन में 'न्यू लकी हाउस' से लगभग 250 लोगों को बचाया गया और आग पर काबू पा लिया गया है। इस इमारत में अधिकतर आवासीय इकाइयां है। अग्निशमन सेवा विभाग ने कहा कि आग 16 मंजिला इमारत की पहली और दूसरी मंजिल पर लगी, जहां एक जिम और अतिथि कक्ष स्थित थे। अधिकारियों ने बताया कि आग लगने के कारण की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि जिन पांच लोगों की मौत हुई है वे जाहिर तौर पर इमारत से बचकर निकलने की कोशिश कर रहे थे।

वैज्ञानिक प्रामाणिकता को बढ़ावा देने से होम्योपैथी में विश्वास होगा दृढ़

नई दिल्ली (भाषा)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि होम्योपैथी की स्वीकार्यता एवं लोकप्रियता को और बढ़ाने में अनुसंधान एवं दक्षता की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। मुर्मू ने विश्व होम्योपैथी दिवस पर यहां केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद द्वारा आयोजित दो दिवसीय संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए कहा कि होम्योपैथी को कई देशों में एक सरल और सुलभ उपचार पद्धति के रूप में अपनाया गया है।

उन्होंने भारत में होम्योपैथी के प्रचार-प्रसार में योगदान देने के लिए आयुष मंत्रालय, केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद, राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग, राष्ट्रीय होम्योपैथी संस्थान और इस प्रकार के अन्य संस्थानों की सराहना की और कहा कि पूरी दुनिया में कई संस्थान अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय और स्थानीय स्तर पर होम्योपैथी को बढावा दे रहे है। मुर्मू ने कहा, 21वीं सदी में अनुसंधान का महत्व लगातार बढ रहा है और इसीलिए इस संगोष्ठी का विषय 'अनुसंधान को सशक्त बनाना, दक्षता बढाना' बहुत प्रासंगिक है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अनुसंधान और दक्षता होम्योपैथी की स्वीकार्यता और लोकप्रियता को और बढाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। राष्ट्रपति ने कहा कि कई लोग उन लोगों के अनुभवों के बारे में बताते है जिन्हें अन्य उपचार पद्धतियों को आजमाने के बाद अंततः होम्योपैथी से लाभ हुआ है। मुर्मू ने कहा, लेकिन ऐसे अनुभवों को वैज्ञानिक समुदाय में तभी मान्यता

राष्ट्रपति ने कहा, होम्योपैथी को कई देशों में एक सरल और सुलभ उपचार पद्धति के रूप में अपनाया गया

मिल सकती है जब उन्हें तथ्यों और विश्लेषण के साथ प्रस्तुत किया जाए। बड़े पैमाने पर किए गए ऐसे तथ्यात्मक विश्लेषण को प्रामाणिक चिकित्सकीय अनुसंधान कहा जाता है। वैज्ञानिक तरीकों को प्रोत्साहित करने से इस चिकित्सकीय प्रणाली में लोगों का विश्वास और बढ़ेगा। राष्ट्रपति ने कहा कि स्वस्थ लोग स्वस्थ समाज का निर्माण करते है और स्वस्थ समाज की नीव पर ही स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण होता है।

उन्होंने कहा, 'वैज्ञानिक वैधता प्रामाणिकता का आधार बनती है। प्रामाणिकता से स्वीकार्यता और लोकप्रियता दोनों बढ़ेगी। अनुसंधान को सशक्त बनाने और दक्षता बढ़ाने के आपके प्रयास होम्योपैथी को बढ़ावा देने में लाभकारी होंगे। इससे चिकित्सकों, रोगियों, दवा निर्माताओं और शोधकर्ताओं सहित होम्योपैथी से जुड़े सभी लोगों को लाभ होगा। राष्ट्रपति ने आगे कहा कि होम्योपैथी की शिक्षा प्रणाली में निरंतर सुधार से उपचार की यह पद्धति युवा छात्रों के लिए और अधिक आकर्षक हो जाएगी। उन्होंने कहा कि होम्योपैथी के उज्ज्वल भविष्य के लिए बड़ी संख्या में युवाओं की भागीदारी आवश्यक है।

संयुक्त राष्ट्र के कई अहम निकायों में चुना गया भारत

संयुक्त राष्ट्र (भाषा)। अंतरराष्ट्रीय स्वापक नियंत्रण बोर्ड समेत संयुक्त राष्ट्र के कई प्रमुख निकायों के लिए भारत का चयन किया गया है। भारत की जगजीत पवाडिया ने अंतरराष्ट्रीय स्वापक नियंत्रण बोर्ड में तीसरी बार निर्वाचित होकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उन्हें संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद (ईसीओएसओसी) द्वारा आयोजित अत्यधिक प्रतिस्पर्धी चुनाव में सबसे अधिक वोट प्राप्त हुए हैं।

पावडिया को गुप्त मतदान के जरिए मार्च 2025 से 2030 तक पांच साल के तीसरे कार्यकाल के लिए आईएनसीबी में फिर से चुना गया। भारत को 2025 से 2029 तक की अवधि के लिए 'कमीशन ऑन स्टेटस ऑफ विमेन' (महिलाओं की स्थिति पर आयोग) के लिए भी चुना गया। 2025-2027 की अवधि के लिए संयुक्त राष्ट्र बाल कोष के कार्यकारी बोर्ड, 2025-2027 के लिए परियोजना सेवाओं के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम एवं संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के कार्यकारी बोर्ड में भी भारत को चुना गया है। इसके अलावा भारत को 2025 से 2027 तक के कार्यकाल के लिए लैंगिक समानता एवं महिला सशक्तीकरण के लिए संयुक्त राष्ट्र इकाई के कार्यकारी बोर्ड और 2025-2027 कार्यकाल के लिए विश्व खाद्य कार्यक्रम के कार्यकारी बोर्ड के लिए भी चुना गया। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि राजदूत रुचिरा कंबोज ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, 'भारत 'वसुधैव कुटुंबकम' - दुनिया एक परिवार है' के सिद्धांत को कायम रखते हुए इन संयुक्त राष्ट्र निकायों के भीतर विमर्श में सक्रिय रूप से शामिल होने की अपनी प्रतिबद्धता पर कायम है।

उन्होंने कहा कि मार्गदर्शन करने वाला यह दर्शन 'वैश्विक विचार-विमर्श में रचनात्मक और सहयोगात्मक योगदान देने, एकता की भावना को बढ़ावा देने और सभी की भलाई के लिए साझा जिम्मेदारी के प्रति हमारे

अंतरराष्ट्रीय स्वापक नियंत्रण बोर्ड में फिर निर्वाचित

भारत को 2025 से 2029 तक की अवधि के लिए 'कमीशन ऑन स्टेटस ऑफ विमेन' के लिए भी चुना गया

समर्पण को रेखांकित करता है।' संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक परिषद (ईसीओएसओसी) ने अपने 17 सहायक निकायों में रिक्तियों को भरने के लिए मंगलवार को चुनाव कराए। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन ने 'एक्स' पर कहा, 'संयुक्त राष्ट्र में भारत ने महत्वपूर्ण जीत हासिल की। भारत ने 2025-2030 के लिए अंतरराष्ट्रीय स्वापक नियंत्रण बोर्ड का प्रतिष्ठित चुनाव पुनः जीता और कई प्रमुख संयुक्त राष्ट्र निकायों में सीट हासिल की।' भारतीय मिशन ने कहा, 'भारत हमेशा की तरह 'वसुधैव कुटुंबकम' के हमारे समग्र दर्शन को ध्यान में रखते हुए इन निकायों में विचार-विमर्श में सक्रिय रूप से योगदान देना जारी रखेगा।'

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'आज (मंगलवार), भारत की उम्मीदवार जगजीत पवाडिया को न्यूयॉर्क में हुए चुनावों में 2025 से 2030 की अवधि के लिए अंतरराष्ट्रीय स्वापक नियंत्रण बोर्ड के लिए फिर से चुना गया।' उन्होंने कहा कि भारत ने बोर्ड के सभी निर्वाचित सदस्य देशों के बीच सबसे अधिक वोट हासिल किए। विदेश मंत्री ने संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन और विदेश मंत्रालय की टीम की सराहना की और कहा कि उन्होंने अच्छा काम किया। भारत को ईसीओएसओसी के मतदान करने वाले 53 सदस्यों में से 41 के वोट मिले, जो सभी विजेता सदस्य देशों में सबसे अधिक हैं। पावडिया ने 41 वोट के साथ कठिन चुनाव में शानदार जीत हासिल की, जबकि दूसरे स्थान पर रहे उम्मीदवार को 30 वोट मिले। बोर्ड की पांच सीट के लिए 24 उम्मीदवार थे, जिस कारण चुनाव अत्यधिक प्रतिस्पर्धी था। पावडिया 2015 से अंतरराष्ट्रीय स्वापक नियंत्रण बोर्ड की सदस्य हैं। उन्हें मई 2019 में 2020 से 2025 के पांच साल के कार्यकाल के लिए परिषद द्वारा फिर से चुना गया था। उन्होंने 2021 से 2022 तक बोर्ड अध्यक्ष के रूप में कार्य किया था।

गाजा को संभालने में नेतन्याहू कर रहे गलती : बाइडन

वाशिंगटन (वार्ता)। गाजा में इस्राइली कार्रवाइयों को देकर अपने देश में बड़े विरोध का सामना कर रहे अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा है कि उन्हें लगता है कि इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू गाजा को संभालने में गलती कर रहे हैं।

बाइडन ने कहा, मुझे लगता है कि वह जो कर रहा है वह एक गलती है। मैं उसके दृष्टिकोण से सहमत नहीं हूं। बीबीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार बाइडन ने कहा कि यह अपमानजनक था कि कैसे सहायता पहुंचाने वाले संगठन के वाहनों को ड्रोन द्वारा मारा गया और राजमार्ग पर ले जाया गया। इस्राइली सैन्य हमलों में वर्ल्ड सेंट्रल किचन के सात सहायता कर्मियों के मारे जाने के कुछ दिनों बाद यह बातचीत पिछले बुधवार को रिकॉर्ड की गई थी। बाइडन को इस्राइल पर घरेलू दबाव का सामना करना पड़ रहा है और पिछले हफ्तों में

कहा, गाजा को अगले छह से आठ सप्ताह तक सभी भोजन और दवाओं तक पूरी पहुंच मिलनी चाहिए

उन्होंने नेतन्याहू सहित छह महीने पुराने युद्ध में इस्राइल के आचरण पर अपनी बयानबाजी तेज कर दी है। उन्होंने कहा कि गाजा को अगले छह से आठ सप्ताह तक सभी भोजन और दवाओं तक पूरी पहुंच मिलनी चाहिए। पिछले सप्ताह उन्होंने चेतावनी दी थी कि युद्ध के लिए अमेरिका का चल रहा समर्थन इस बात पर निर्भर है कि इस्राइल अधिक भोजन और दवा जाने देने की इजाजत दे रहा है।

ईरान ने हमला किया तो देंगे जवाब : इस्राइल

यरूशलम (एपी)। इस्राइल के विदेश मंत्री ने बुधवार को धमकी दी कि अगर ईरान अपनी जमीन से इस्राइल पर हमला करेगा तो उनके देश की सेना भी सीधे इस्लामिक गणराज्य को निशाना बनाएगी। इस्राइल का यह बयान ऐसे समय आया है जब सीरिया स्थित ईरान के वाणिज्य दूतावास पर हुए हमले में उसके जनरल की मौत के बाद दोनों पारंपरिक प्रतिद्वंद्वियों में तनाव बढ़ गया है। इस्राइल के विदेश मंत्री इस्राइल काट्ज ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर हिब्रू और फारसी भाषा में किए गए पोस्ट में कहा, अगर ईरान से उसके क्षेत्र पर हमले हुए तो इस्राइल भी जवाब देगा और ईरान पर हमला करेगा। उनकी टिप्पणी ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई के बुधवार को आए बयान के बाद आई। खामेनेई ने दोहराया कि इस महीने के शुरुआत में दमिश्क स्थित ईरानी वाणिज्य दूतावास पर किए गए हमले का जवाब इस्राइल को दिया जाएगा। ईरान, दमिश्क में हुए हमले के लिए इस्राइल को जिम्मेदार ठहरा रहा है।

ईरान के वाणिज्य दूतावास पर हुए हमले के बाद दोनों देशों में तनाव बढ़ा

इस हमले में वाणिज्य दूतावास की इमारत जमींदोज हो गई और 12 लोग मारे गए। इस्राइल ने इस हमले में अपनी संलिप्तता स्वीकार नहीं की है, हालांकि वह हमले के लिए ईरानी प्रतिक्रिया से निपटने की तैयारी कर रहा है। दोनों देशों के बीच लंबे समय से छद्म युद्ध चल रहा है और इस घटना के बाद दोनों के बीच तनाव और बढ गया है। खामेनेई ने पवित्र रमजान महीने के समापन के मौके पर आयोजित नमाज पर तकरीर देते हुए कहा कि हवाई हमला 'गलत कार्य' था और ईरान की जमीन पर हमले के समान था। उनकी तकरीर को ईरान के सरकारी चैनल पर प्रसारित किया गया।

जैन धर्मगुरु लोकेश मुनि अमेरिका में सम्मानित

वाशिंगटन (भाषा)। भारत के जैन धर्मगुरु लोकेश मुनि को जनता के कल्याण और मानवता के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए अमेरिका के 'प्रेसिडेंट्स गोल्ड वालेंटियर सर्विस' पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। भारत में 'अहिंसा विश्व भारती एवं विश्व शांति केंद्र' के संस्थापक मुनि को मंगलवार को अमेरिका के संसद भवन में डेमोक्रेटिक सांसद ब्रैड शर्मन ने इस पुरस्कार से सम्मानित किया।

राष्ट्रपति जो बाइडन के हस्ताक्षर वाले प्रशस्तिपत्र में कहा गया, मैं जन कल्याण में आपके योगदान के लिए आपको मुबारकबाद देता हूं साथ ही इस महान देश और मानवता की सेवा के लिए आपका आभार व्यक्त करता हूं। 'प्रेसिडेंट्स वॉलेंटियर सर्विस अवार्ड' का चयन अमेरिकी सरकार की एक स्वतंत्र एजेंसी 'अमेरीकॉर्प्स' करती है। प्रशस्तिपत्र में कहा गया है, अमेरिका की कहानी हममें से किसी एक पर आधारित नहीं है और न ही हममें से कुछ पर, बल्कि यह हम सब पर आधारित है। जन कल्याण का जिम्मा खुद ही संभालने के लिए मैं आपको बधाई देता हूं और आपको 'प्रेसिड़ेंट्स गोल्ड वॉलेंटियर सर्विस अवार्ड' प्रदान करके इस देश में 500 घंटों की सेवा को रेखांकित करते हुए गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं।

मामूली कीमत के वाहनों का खुलासा न करने से विधायक का निर्वाचन निरस्त नहीं

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि चुनाव के समय उम्मीदवार द्वारा दिए गए हलफनामे में वाहनों का जिक्र न करने से उसका निर्वाचन निरस्त नहीं किया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने अरुणाचल प्रदेश विधान सभा के विधायक की सदस्यता बहाल करते हुए कहा कि आठ करोड़ से अधिक की चल सम्पत्ति रखने वाले राजनीतिज्ञ का तीन मामूली वाहनों का खुलासा न करना चुनाव परिणाम को प्रभावित नहीं कर सकता था।

जस्टिस अनिरुद्ध बोस और संजय कुमार की बेंच ने कहा कि मारुति ओमनी कार, हीरो होंडा मोटरसाइकिल और काइनेटिक स्कूटी विजयी निर्दलीय उम्मीदवार कारिखो क्रि की पत्नी और बेटे के नाम थे। विधायक का दावा है कि 2019 के विधान सभा चुनाव का पर्चा भरने से पहले ही दो वाहनों को बेच दिया गया था तथा एक वाहन गिफ्ट कर दिया गया था। लेकिन परिवहन विभाग के दस्तावेज में मालिक का नाम नहीं बदला गया था। कारिखो ने वाहन बेचने के सबूत भी अदालत में पेश किए थे। लेकिन अरुणाचल प्रदेश हाई कोर्ट ने इस पर गौर नहीं किया और निर्वाचन निरस्त कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चुनाव लड़ने वाले व्यक्ति को अपने या अपने परिवार के अधीन वाली हर उस चल संपत्ति के विवरण का खुलासा करने की आवश्यकता नहीं, जो मतदान के फैसले को प्रभाव नहीं करता हो।

अरुणाचल प्रदेश के विधायक की सदस्यता बहाल की सुप्रीम कोर्ट ने

बिक्री के बावजूद दो वाहन विधायक की पत्नी के नाम थे

सुप्रीम कोर्ट ने अरुणाचल प्रदेश विधान सभा के 2019 में हुए चुनाव में तेजू क्षेत्र से बतौर निर्दलीय जीत दर्ज करने वाले कारिखो क्रि के निर्वाचन को वैध ठहराया। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि मामले के तथ्यों और परिस्थितियों पर आधारित होने की वजह से उसके इस आदेश को मिसाल नहीं माना जाएगा। अदालत ने कहा कि किसी भी मतदाता का किसी उम्मीदवार के निजी जीवन में झांकने का पूर्ण अधिकार नहीं है। उम्मीदवार के लिए ऐसी प्रकृति की चल संपत्ति का खुलासा किया जाना आवश्यक है जो उक्त मतदान को प्रभावित करने की क्षमता रखता हो।

गुवाहाटी हाई कोर्ट की ईटानगर बेंच ने पिछले साल क्रि के चुनाव को अमान्य घोषित करते हुए रद्द कर दिया था, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को पलट दिया। क्रि ने हाई कोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। निर्दलीय उम्मीदवार क्रि के निर्वाचन को कांग्रेस उम्मीदवार नुनी तायांग ने चुनौती दी थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि क्रि ने अपने चुनाव नामांकन पत्र के साथ दिए गए हलफनामे में गलत घोषणाएं की थीं।

सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ कारिखो की अपील पर गौर किया और कहा कि चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों को उनके स्वामित्व वाली प्रत्येक चल संपत्ति का खुलासा करने की आवश्यकता नहीं है, जब तक कि वे काफी कीमती या विलासितापूर्ण जीवनशैली को न दर्शाती हो।

हाई कोर्ट ने कहा था कि कारिखो ने अपना नामांकन पत्र लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 33 के अनुसार दायर नहीं किया था और इसलिए उनका नामांकन पत्र धारा 36 (2) (बी) के तहत खारिज किया जा सकता है। पिछले माह क्रि ने सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया था कि नई विधान सभा के चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी गई है लिहाजा उसे नामांकन भरने की अनुमति दी जाए।

'आप' समर्थकों ने की केजरीवाल की गिरफ्तारी की निंदा

वाशिंगटन (भाषा)। विश्व भर में आम आदमी पार्टी (आप) के सदस्यों और समर्थकों ने धनशोधन के कथित मामले में गिरफ्तार किए गए पार्टी प्रमुख और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के प्रति एकजुटता दिखाने के लिए एकदिवसीय भूख हड़ताल की।

एक मीडिया विज्ञप्ति में कहा गया है कि केजरीवाल की गिरफ्तारी का विरोध करने और उनकी तत्काल रिहाई का आह्वान करने के लिए अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, आयरलैंड और ऑस्ट्रेलिया में 'आप' कार्यकर्ता सोमवार को भारतीय दूतावासों और लोकप्रिय स्थानों के सामने एकत्र हुए। लॉस एंजिलिस में 'आप' सदस्य जसवंत रेड्डी ने कहा, 'अरविंद केजरीवाल उन लाखों भारतीयों के लिए आशा का प्रतीक हैं जो अधिक न्यायपूर्ण और न्यायसंगत समाज के लिए लड़ रहे हैं। उनकी गिरफ्तारी लोकतंत्र और असहमति के अधिकार पर हमला है। हम चुप नहीं रहेंगे। वाशिगटन डीसी में 'आप' स्वयंसेवकों ने भारतीय दूतावास के सामने प्रदर्शन किया।

एकदिवसीय भूख हड़ताल की

इसके अलावा न्यूयॉर्क, बोस्टन, सैन फ्रांसिस्को, डलास, लॉस एंजिलिस, टोरंटो, वैंकूवर, लंदन, डबलिन, बर्लिन, ओस्लो और मेलबर्न में 'आप' सदस्यों और समर्थकों ने 'भारत में लोकतंत्र पर खतरे और विपक्षी नेताओं की दुर्दशा' की ओर ध्यान दिलाने के लिए प्रमुख स्थानों पर एक दिवसीय भूख हड़ताल की। 'आप' कार्यकर्ता परवीन खर्द ने लंदन में कहा, 'हम अरविंद केजरीवाल और उन सभी लोगों के साथ एकजुटता से खड़े हैं जो भारत में न्याय और लोकतंत्र के लिए लड़ रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

ल्यूपिन के ओरेसिया कैप्सूल का जेनेरिक संस्करण

नई दिल्ली। दवा निर्माता ल्यूपिन ने अमेरिकी बाजार में ओरेसिया कैप्सूल का जेनेरिक संस्करण पेश किया है। कंपनी के अनुसार, अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (यूएसएफडीए) से अनुमति मिलने के यह दवा पेश की गई। ओरेसिया कैप्सूल का इस्तेमाल त्वचा संबंधी रोग रोसैसिया के सूजन वाले घावों के इलाज के लिए किया जाता है। कंपनी का दावा है कि इस दवा का इस्तेमाल करने वालों के लिए यह दवा काफी फायदेमंद साबित हो रही है।

हार्टेक पावर को ठेका

नई दिल्ली। हार्टेक पावर को राजस्थान में 300 मेगावाट की सौर परियोजना के विकास के लिए 474 करोड़ रुपये का ठेका मिला है। कंपनी ने बयान में कहा, एक प्रमुख वैश्विक नवीकरणीय स्वतंत्र बिजली उत्पादक से यह ठेका मिला है। परियोजना में राजस्थान में 1,209 एकड़ में फैले 300 मेगावाट के 'ग्राउंड-माउंट' सौर पीवी बिजली संयंत्र का विकास शामिल है। कंपनी हार्टेक समूह की बिजली प्रणाली व नवीकरणीय ढांचा शाखा है। हार्टेक समूह की स्थापना 1991 में की गई थी। यह भारत में सबसे तेजी से बढती कंपनियों में से एक है जो इंजीनियरिंग, निर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, ईंधन क्षेत्र में सेवाएं प्रदान करती हैं।

बेस्ट एग्रोलाइफ सूचीबद्ध

नई दिल्ली। कृषि रसायन कंपनी बेस्ट एग्रोलाइफके शेयर एनएसई पर बुधवार को 687.70 रुपये पर सूचीबद्ध हुए। बेस्ट एग्रोलाइफ बीएसई पर पहले से ही सूचीबद्ध है। एनएसई पर शेयर ने 687.70 रुपये पर कारोबार शुरू किया। बाद में 695 रुपये के उच्चतम और फिर 665.35 रुपये के निचले स्तर पर पहुंच गया। बीएसई पर कंपनी के शेयर 4.73 प्रतिशत चढ़कर 699 रुपये पर पहुंच गए। बेस्ट ने कहा था कि कंपनी के शेयर 10 अप्रैल से एनएसई पर सूचीबद्ध होंगे। कंपनी के गजरौला, ग्रेटर नोएडा और जम्मू-कश्मीर में तीन विनिर्माण संयंत्रों 30,000 टन वार्षिक की विनिर्माण क्षमता है।

ज़ेटवर्क ने किया निवेश

नई दिल्ली। विनिर्माण यूनिकॉर्न ज़ेटवर्क ने आईटी हार्डवेयर, टेलीविजन, मोबाइल फोन और अन्य उत्पाद खंड में अपनी इलेक्ट्रानिक विनिर्माण क्षमता का विस्तार करने के लिए 1,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बनाई है। कंपनी का लक्ष्य मोबाइल फोन, सुनने व पहनने (हियरेबल व वियरेबल) के उत्पादों में अग्रणी ओडीएम (मूल डिजाइन निर्माता) और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सेवा प्रदाता बनना है। ज़ेटवर्क ने एक बयान में कहा, 'कंपनी ने अपने इलेक्ट्रानिक्स कारोबार को बढ़ाने के लिए 1,000 करोड़ रुपये का निवेश निर्धारित किया है।'

सोभा की सेल्स बुकिंग बढ़ी

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी सोभा लिमिटेड की वित्त वर्ष 2023-24 में बिक्री बुकिंग सालाना आधार पर 28 प्रतिशत बढ़कर 6,644.1 करोड़ रुपये हो गई। आवासीय संपत्तियों की मजबूत उपभोक्ता मांग इसकी प्रमुख वजह रही। बेंगलुरु स्थित सोभा लिमिटेड की बिक्री बुकिंग वित्त वर्ष 2022-23 में 5,197.8 करोड़ रुपये थी। कंपनी के अनुसार, बिक्री बुकिंग वित्त वर्ष 2023-24 में आठ प्रतिशत बढकर 60.8 लाख फुट रही जो वित्त वर्ष 2022-23 में 56.5 लाख वर्ग फुट थी। बेंगलुरु के अलावा, अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर की केरल, तमिलनाडु, पुणे, हैदराबाद, दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और गुजरात में अच्छी उपस्थिति है।(एजेंसी)

मारुति ने मांगी एनसीएपी सुरक्षा रेटिंग

■ अपने कुछ वाहनों के लिए यह रेटिंग चाहती है कंपनी ■ टाटा की सफारी और हैरियर को मिल चुकी है रेटिंग

नई दिल्ली (भाषा)।

मारुति सुजुकी ने अपने कुछ वाहनों के लिए भारत न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम (भारत-एनसीएपी) सुरक्षा रेटिंग के लिए आवेदन किया है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने यह जानकारी दी।

टाटा मोटर्स की एसयूवी सफारी और हैरियर भारत-एनसीएपी के तहत वयस्क तथा बच्चों की सुरक्षा के लिए सुरक्षा रेटिंग पाने वाले पहले वाहन थे। इन्हें पिछले साल यह रेटिंग दी गई थी। एसयूवी को 5-स्टार रेटिंग दी गई थी।

सरकार ने पिछले साल अगस्त में मोटर वाहन के लिए भारत का अपना व स्वतंत्र सुरक्षा प्रदर्शन मूल्यांकन प्रोटोकॉल 'भारत-एनसीएपी' पेश किया था।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने पहले कहा था इस प्रणाली को अनिवार्य नियमों से परे सड़क व वाहन सुरक्षा मानकों को आगे बढ़ाने के लिए तैयार किया गया है। अधिकारी ने बताया कि सरकार चालू वित्त वर्ष में राजमार्ग निर्माण माप पद्धति को 'सड़क किलोमीटर' से 'लेन किलोमीटर' में बदलने पर विचार कर रही है क्योंकि सरकार का ध्यान अब अधिक एक्सप्रेसवे बनाने पर केंद्रित हो गया है जो कम से कम चार लेन के हों।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण और चौड़ीकरण की प्रगति को मापने के लिए रैखिक लंबाई पद्धति का इस्तेमाल किया जाता है।

स्विफ्ट के दाम 25,000 रुपये तक बढ़ाए गए

नई दिल्ली (भाषा)।

मारुति ने अपने लोकप्रिय माडल स्विफ्ट की कीमत 25,000 रुपये तक बढ़ा दी है। इसके अलावा एसयूवी ग्रैंड विटारा के चुनिंदा माडल के दाम भी बढ़ाए गए हैं।

मारुति ने कहा कि स्विफ्ट की कीमत 25,000 रुपये तक बढ़ाई गई है। इसी तरह, ग्रैंड विटारा के सिग्मा वैरिएंट की कीमत 19,000 रुपये तक बढ़ा दी गई है। कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, अब स्विफ्ट का मूल्य 5.99 लाख रुपये से 8.89 लाख रुपये (दिल्ली शोरूम) तक हो गया है। ग्रैंड विटारा के सिग्मा वैरिएंट की कीमत 10.8 लाख रुपये हो गई है।

एम्फी ने जारी किये मार्च के आंकड़े

नई दिल्ली (भाषा)।

इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश मार्च में एक महीने पहले की तुलना में 16 प्रतिशत घटकर 22,633 करोड़ रुपये रहा है। म्यूचुअल फंड कंपनियों के निकाय एम्फी ने बुधवार को मार्च महीने के आंकड़े जारी किए। आंकड़ों के मुताबिक, इक्विटी फंड में शुद्ध प्रवाह का सिलसिला लगातार 37वें महीने यानी मार्च में भी जारी रहा।

■ फरवरी की तुलना में मार्च में दर्ज हुई 16% की गिरावट
■ मार्च में ₹22633 करोड़ का मिला निवेश
■ फरवरी में मिला था 26866 करोड़ रुपये का निवेश

एसोसिएशन आफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के मुताबिक, म्यूचुअल फंड उद्योग ने कुल मिलाकर फरवरी में 1.2 लाख करोड़ रुपये का प्रवाह देखा गया था, जबकि मार्च में 1.6 लाख करोड़ रुपये की बड़ी निकासी हुई। इस निकासी की बड़ी वजह यह रही कि ऋण-आधारित म्यूचुअल फंड योजनाओं में 1.98 लाख करोड़ रुपये की निकासी की गई। आंकड़ों के मुताबिक, इक्विटी-आधारित म्यूचुअल फंड योजनाओं में मार्च में 22,633 करोड़ रुपये का प्रवाह देखा गया जबकि फरवरी में यह 26,866 करोड़ रुपये था। स्मॉल कैप फंड को छोड़कर सभी श्रेणियों की इक्विटी योजनाओं में शुद्ध निवेश दर्ज किया गया। म्यूचुअल फंड कंपनियों की प्रबंधन-अधीन शुद्ध परिसंपत्तियां पिछले महीने 53.4 लाख करोड़ रुपये रह गईं जबकि फरवरी के अंत में यह 54.54 लाख करोड़ रुपये थीं।

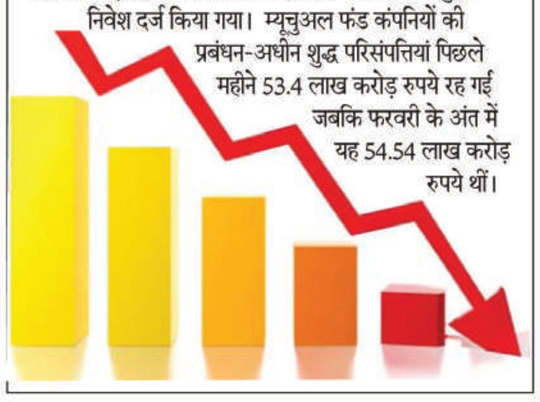

एनएसई ने अपने मुखिया के डीपफेक वीडियो पर निवेशकों को सजग किया

नई दिल्ली (भाषा)।

नेशनल स्टाक एक्सचेंज (एनएसई) ने अपने प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) आशीष कुमार चौहान के उस डीपफेक वीडियो को लेकर निवेशकों को आगाह किया है जिसमें वह कथित तौर पर कुछ शेयरों की सिफारिश करते हुए नजर आ रहे हैं। एनएसई ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि प्रौद्योगिकी का दुरुपयोग कर बनाए गए कुछ निवेश एवं सलाह संबंधी ऑडियो-वीडियो क्लिप में चौहान के चेहरे एवं आवाज और एनएसई के प्रतीक चिह्न का इस्तेमाल किया गया है।

एक्सचेंज ने कहा, 'ऐसा लगता है कि ऐसे वीडियो चौहान की आवाज और चेहरे के भावों की नकल करने के लिए परिष्कृत प्रौद्योगिकी की मदद से बनाए गए हैं।' डीपफेक का आशय कृत्रिम मेधा (एआई) का इस्तेमाल कर किसी व्यक्ति को गलत ढंग से पेश करना है। इसमें हेराफेरी के जरिए किसी व्यक्ति को ऐसी हरकत करते हुए या ऐसी बात कहते हुए दिखाया जाता है जो उसने कभी कहा और किया ही नहीं है। इस तरह गलत सूचना फैलने और प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचने का खतरा होता है।

एनएसई ने निवेशकों को आगाह किया कि वे ऐसे ऑडियो और वीडियो पर विश्वास न करें और ऐसे फर्जी वीडियो या अन्य माध्यमों से आने वाले किसी भी निवेश या अन्य सलाह का पालन न करें। इसके साथ ही एक्सचेंज ने यह बात रेखांकित की है कि एनएसई के कर्मचारी किसी भी स्टॉक की सिफारिश करने या उन शेयरों में सौदे करने के लिए अधिकृत नहीं हैं।

सेंसेक्स 75 हजार के पार

■ कारोबार की समाप्ति पर 354 अंक चढ़कर 75038 पर बंद

मुंबई (भाषा)।

घरेलू शेयर बाजार में बुधवार को तेजी लौटी और बीएसई सेंसेक्स 354 अंक चढ़कर पहली बार 75,000 अंक के स्तर से ऊपर बंद हुआ। नेशनल स्टाक एक्सचेंज का निफ्टी भी नए रिकार्ड स्तर पर बंद हुआ। मुख्य रूप से दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों (एफएमसीजी), ऊर्जा तथा धातु शेयरों में लाभ से बाजार में तेजी रही।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 354.45 अंक यानी 0.47 प्रतिशत की बढ़त के साथ अपने अबतक के उच्चतम स्तर 75,038.15 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 421.44 अंक की तेजी के साथ 75,105.14 अंक के नये रिकार्ड स्तर पर पहुंच गया था। एनएसई निफ्टी भी 111.05 अंक यानी 0.49 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,753.80 अंक के अब तक के उच्चतम स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 132.95 अंक उछलकर 22,775.70 अंक की रिकार्ड ऊंचाई तक चला गया था। उल्लेखनीय है कि दोनों मानक सूचकांक मंगलवार को कारोबार के दौरान सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गए थे। सेंसेक्स पहली बार 75,000 के ऊपर पहुंचा था। लेकिन बाद में मुनाफावसूली से यह नुकसान में रहा था। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, 'घरेलू बाजार में तेजी का रुख बना हुआ है। इसका कारण छोटी (स्माल कैप), मझोली (मिड कैप) और बड़ी कंपनियों (लार्ज कैप) कंपनियों के शेयरों में अच्छी तेजी का होना है।' उन्होंने कहा कि निवेशकों की नजर फडेरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक के ब्योरे और अमेरिका में मुद्रास्फीति के आंकड़े पर है। ये बुधवार को जारी होने हैं।

सेंसेक्स के शेयरों में आईटीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक, एशियन पेंट्स, टेक महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज और नेस्ले प्रमुख रूप से लाभ में रहे। दूसरी तरफ नुकसान में रहने वाले शेयरों में मारुति, एचडीएफसी बैंक, लार्सन एंड टुब्रो और महिंद्रा एंड महिंद्रा शामिल हैं।

थामस कुक आदि कैलाश, ओम पर्वत का कराएगी हेलीकॉप्टर दर्शन

नई दिल्ली (भाषा)। देश में आध्यात्मिक पर्यटन की मांग बढ़ने के बीच थॉमस कुक इंडिया और उसकी समूह कंपनी एसओटीसी ट्रैवल ने उत्तराखंड में आदि कैलाश और ओम पर्वत के हेलीकॉप्टर दर्शन की पेशकश की है। कंपनी ने बुधवार को इस संबंध में उत्तराखंड पर्यटन विकास बोर्ड के साथ साझेदारी की घोषणा की। इस पांच-दिवसीय आध्यात्मिक यात्रा की दर 90,000 रुपये प्रति यात्री रखी गई है। इस पर उत्तराखंड पर्यटन विकास बोर्ड की तरफ से सब्सिडी दी जाती है। इस आध्यामिक यात्रा का आधार शिविर उत्तराखंड में स्थित पिथौरागढ़ होगा। दूसरे दिन से दर्शन का सिलसिला शुरू होगा। दूसरे दिन मनोकामना मंदिर के दर्शन और तीसरे दिन आदि कैलाश एवं ओम पर्वत के दर्शन कराए जाएंगे। इस यात्रा के हरेक समूह में 14 लोग शामिल होंगे।

थॉमस कुक इंडिया ने बयान में कहा कि इस पैकेज में आदि कैलाश और ओम पर्वत के लिए हेलीकॉप्टर से दर्शन की सुविधा, पार्वती सरोवर मंदिर जाने के लिए एक एटीवी (सभी तरह की सतह पर चलने वाला वाहन) और खानपान शामिल हैं। थॉमस कुक (इंडिया) लिमिटेड के अध्यक्ष एवं कंट्री प्रमुख (छुट्टियां, वीज़ा) राजीव काले ने कहा, 'हमारा उद्देश्य अभी तक कम सामने आए पवित्र स्थलों को उजागर कर भारत में आध्यात्मिक पर्यटन को नए सिरे से परिभाषित करना है।' थॉमस कुक और एसओटीसी के आंकड़े बताते हैं कि देश में आध्यात्मिक पर्यटन सालाना आधार पर 100 प्रतिशत की दर से बढ रहा है।

मलाबार गोल्ड का 50,000 करोड़ से अधिक का रिकॉर्ड कारोबार

कोड़िकोड (वि.)। दुनिया के छठे सबसे बड़े आभूषण समूह और डेलॉइट की लक्जरी उत्पादों की वैश्विक रैंकिंग में 19वां स्थान हासिल करने वाले मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने पिछले वित्त वर्ष में 51,218 करोड़ रु पए के वार्षिक खुदरा वैश्विक कारोबार के साथ नई उपलब्धि हासिल करने का ऐलान किया है। मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने महज तीन दशक में वैश्विक आभूषण उद्योग में अभूतपूर्व सफलता हासिल की है। वर्तमान में मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स 13 देशों में 345 स्टोर का परिचालन करती है। कंपनी की योजना न्यूजीलैंड, मिस्र, बांग्लादेश और यूरोप में अधिक जगहों पर नए स्टोर खोलने की है। अगले एक साल में 100 नए स्टोर की शुरुआत के लक्ष्य के साथ कंपनी की योजना अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया जैसे मौजूदा बाजारों में अपनी उपस्थिति को और मजबूत बनाना है।

72 हजार पर पहुंचे सोने के भाव

■ चांदी ने भी बनाया नया रिकार्ड, 84700 रुपये प्रति किलो पर पहुंचे भाव

नई दिल्ली (भाषा)।

वैश्विक बाजारों से मजबूती के रुख के बीच बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने और चांदी की कीमतें एक और नए रिकार्ड स्तर पर पहुंच गईं। सोना पहली बार 72,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी।

राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत 160 रुपये बढ़कर 72,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। मंगलवार को यह रिकॉर्ड 71,840 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 200 रुपये की तेजी के साथ 84,700 रुपये प्रति किलोग्राम की नई रिकार्ड ऊंचाई पर पहुंच गई।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के शोध विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा, 'विदेशी बाजारों में मजबूती के रुख से संकेत लेते हुए दिल्ली के बाजारों में 24 कैरेट सोने की हाजिर कीमत 72,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की ताजा रिकॉर्ड ऊंचाई पर कारोबार कर रही थी, जो पिछले बंद भाव से 160 रुपये की बढ़त है।' अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना 2,356 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जो पिछले बंद भाव से छह डालर अधिक है।

गांधी ने कहा कि बुधवार को यूरोपीय कारोबार के घंटों में सोने में तेजी जारी रही। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के जिंस शोध के वरिष्ठ उपाध्यक्ष नवनीत दमानी ने कहा, ''सोना और चांदी अब तक के उच्चतम स्तर के आसपास मंडरा रहे हैं, क्योंकि भू-राजनीतिक तनाव और मार्च के लिए अमेरिकी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति और ब्याज दर के बारे में अधिक संकेत मिलने के बीच सोने की सुरक्षित निवेश विकल्प के रूप में मांग बनी हुई है।'

बीबीसी के पुनर्गठन का काम पूरा

■ 'कलेक्टिव न्यूजरूम' के रूप में किया गया स्वतंत्र इकाई का गठन

नई दिल्ली/लंदन (भाषा)।

भारत के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नियमों के अनुपालन के लिए ब्रिटेन की मीडिया कंपनी ब्रिटिश ब्राडकास्टिंग कारपोरेशन (बीबीसी) का पुनर्गठन एक स्वतंत्र इकाई 'कलेक्टिव न्यूजरूम' की शुरुआत के साथ पूरा हो गया है। बीबीसी इसकी पहली ग्राहक है।

भारतीय के स्वामित्व वाली कलेक्टिव न्यूजरूम ने भाषा आधारित कंटेंट (सामग्री) उपलब्ध कराना जारी रखने के लिए बीबीसी वर्ल्ड सर्विस इंडिया का स्थान लिया है। पुनर्गठन के तहत, प्रसारणकर्ता लंदन में मुख्यालय वाले अपने अंग्रेजी भाषा के डिजिटल, टेलीविजन और रेडियो खंड के लिए भारत में समाचार एकत्र करने वाली टीम को बनाए रखेगा। यह कदम कथित एफडीआई उल्लंघनों के मामले में पिछले साल फरवरी में भारत में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और कर अधिकारियों द्वारा बीबीसी के कार्यालयों पर तलाशी अभियान के करीब एक साल बाद उठाया गया है। कलेक्टिव न्यूजरूम की मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रूपा झा ने कहा, 'मैं रोमांचित हूं कि कलेक्टिव न्यूजरूम ने आधिकारिक तौर पर सबसे विश्वसनीय, रचनात्मक और साहसी पत्रकारिता के लिए एक स्पष्ट, महत्वाकांक्षी मिशन शुरू किया है।'

कलेक्टिव न्यूजरूम ने कहा कि वह अपने पहले ग्राहक बीबीसी के लिए कार्यक्रम और कंटेंट तैयार करेगी लेकिन भारत व दुनियाभर के अन्य समाचार प्रदाताओं के लिए भी कंटेंट तैयार करने के लिए उपलब्ध है। कलेक्टिव न्यूजरूम के निदेशकों में मुकेश शर्मा, संजय मजूमदार और सारा हसन शामिल हैं।

NIIF ने आईबस में किया 20 करोड़ डालर का निवेश

मुंबई (भाषा)।

नेशनल इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड (एनआईआईएफ) ने डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर प्लेयर आईबस नेटवर्क एंड इंफ्रास्ट्रक्चर में 20 करोड़ अमेरिकी डालर (करीब 1,660 करोड़ रुपये) के निवेश की बुधवार को घोषणा की।

बयान के अनुसार, आईबस अपनी क्षमताओं का विस्तार करने के लिए परिचालन बढ़ाने और अधिग्रहण के जरिये वृद्धि को गति देने को लेकर कोष का इस्तेमाल करेगी। एनआईआईएफ ने अपने 'मास्टर फंड' से कंपनी में निवेश किया है।

कंपनी के मुख्य कार्यकारी (समूह) राम सेल्लारत्नम ने कहा, 'हम सही निवेश साझेदार की तलाश में थे।

ट्यूलिप होटल के खिलाफ दिवाला कार्यवाही बरकरार

नई दिल्ली (भाषा)। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने ट्यूलिप होटल के खिलाफ दिवाला कार्यवाही को बरकरार रखा है। कंपनी ने कॉक्स एंड किंग्स और ईजीगो वन ट्रैवल एंड टूर्स के लिए दी गई 450-450 करोड़ रुपये की कॉरपोरेट गारंटी के भुगतान में चूक की थी। राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की मुंबई पीठ ने 16 मई, 2023 को यस बैंक की तरफ से दायर याचिका पर ट्यूलिप होटल के खिलाफ कॉरपोरेट ऋण शोधन अक्षमता समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) शुरू करने का निर्देश दिया था। इसमें दो कंपनियों के लिए 900 करोड़ रुपये की चूक का दावा किया गया था। इस कर्ज को लेकर गारंटी ट्यूलिप होटल ने दी थी।

आदेश को अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष चुनौती दी गई थी। अपीलीय न्यायाधिकरण ने एनसीएलटी के आदेश को बरकरार रखते हुए कहा था कि जब एक कॉरपोरेट कर्जदार ऋण को लेकर गारंटी देता है, तो कर्ज लेने वाले के चूक करने की स्थिति में उसके खिलाफ कार्रवाई शुरू करने का वित्तीय ऋणदाता का अधिकार उसी क्षण शुरू हो जाता है। ट्यूलिप होटल ने यस बैंक द्वारा कॉक्स एंड किंग्स तथा ईजीगो वन ट्रैवल एंड टूर्स लि. को दिए गए दो कर्जों के लिए गारंटी दी थी।

ब्रिजस्टोन की नजर में भारत सबसे तेजी से बढ़ता बाजार

नई दिल्ली (भाषा)। जापान की टायर विनिर्माण कंपनी ब्रिजस्टोन को भारत में 2024 से 2026 के बीच राजस्व में 25 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद है। भारत कंपनी का वैश्विक स्तर पर सबसे तेजी से बढ़ने वाला बाजार है। ब्रिजस्टोन इंडिया के प्रबंध निदेशक हिरोशी योशिज़ेन ने एक साक्षात्कार में कहा, 'आज हमारे कुल वैश्विक खंड में से (भारत में) व्यवसाय का आकार सीमित है। हालांकि, यह वैश्विक स्तर पर हमारा सबसे तेजी से बढ़ने वाला बाजार है। इसलिए भारत में रणनीतिक तौर पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है।'

उन्होंने कहा कि ब्रिजस्टोन पहले से ही भारत में यात्री वाहन टायर के 'आफ्टरमार्केट' खंड में करीब 20 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ अग्रणी है और कंपनी का लक्ष्य अपनी स्थिति को और मजबूत करना है। ब्रिजस्टोन में भारत के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी राजर्षि मोइत्रा ने भारत में वृद्धि के बारे में पूछे जाने पर ब्रिजस्टोन इंडिया के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी राजर्षि मोइत्रा ने कहा, 'पिछले साल (2023) हमारा राजस्व नौ प्रतिशत बढ़ा और 2024 से 2026 के बीच हमें अपना राजस्व कुल 25 प्रतिशत बढने की उम्मीद है।' ब्रिजस्टोन इंडिया सार्वजनिक रूप से अपने राजस्व आंकड़े साझा नहीं करता है।

सिग्नेचर ग्लोबल का शुद्ध ऋण बढ़ा

नई दिल्ली (भाषा)।

रियल एस्टेट कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल का शुद्ध ऋण पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में छह प्रतिशत बढ़कर 1,160 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का वित्त वर्ष 2022-23 में शुद्ध ऋण 1,090 करोड़ रुपये था।

गुरुग्राम स्थित सिग्नेचर ग्लोबल के अनुसार, आवासीय परियोजनाओं के विकास के लिए भूमि अधिग्रहण अधिक करने किए जाने से गत वित्त वर्ष में शुद्ध ऋण में इजाफा हुआ।

सिग्नेचर ग्लोबल ने रविवार को बताया था कि बीते वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी की बिक्री बुकिंग दोगुना होकर 7,270 करोड़ रुपये रही थी।

कारोबारी क्षेत्र में घट सकती है खुदरा स्थान की मांग

नई दिल्ली (भाषा)।

शापिंग माल और व्यावसायिक (हाई-स्ट्रीट) क्षेत्र में खुदरा स्थानों की मांग इस साल 15 प्रतिशत तक घट सकती है। कैलेंडर वर्ष 2023 में यह रिकार्ड 71 लाख वर्ग फुट रही थी।

रियल एस्टेट सलाहकार सीबीआरई ने अपनी रिपोर्ट '2024 इंडिया मार्केट आउटलुक' में 2024 में खुदरा स्थान का पट्टा 60-65 लाख वर्ग फुट के बीच रहने का अनुमान लगाया है। कई उच्च गुणवत्ता वाले माल का काम पूरा होने पर खुदरा स्थानों की स्थिर आपूर्ति की भी उम्मीद है। रिपोर्ट के अनुसार, देश के आठ प्रमुख शहरों में शापिंग माल और व्यावसायिक (हाई-स्ट्रीट) क्षेत्र में खुदरा स्थान का पट्टा 2023 में 48 प्रतिशत बढ़कर 71 लाख वर्ग फुट रहा था जबकि कैलेंडर वर्ष 2022 में यह 48 लाख वर्ग फुट था।

सीबीआरई के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (भारत, दक्षिण-पूर्व एशिया, पश्चिम एशिया तथा अफ्रीका) अंशुमन मैगज़ीन ने कहा, 'मजबूत उपभोक्ता मांग से भारत के खुदरा क्षेत्र में 2023 में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। 2024 को देखते हुए, खुदरा विक्रेता और उपभोक्ता दोनों सावधानी बरत रहे हैं।' उन्होंने कहा कि जहां बड़े शहर प्रमुख विस्तार केंद्र बने हुए हैं, वहीं मझोले बाजार नई कंपनियों को आकर्षित कर रहे हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में खुदरा श्रेणियों के बीच 'होम डेकोर' (घर सजावट) खंड का ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह विस्तार होने की संभावना है, जबकि फैशन तथा परिधान कंपनियां बड़े शहरों में मॉल तथा व्यावसायिक क्षेत्र में विस्तार जारी रखेंगी।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
राजस्थान	5	4	1	8
कोलकाता	4	3	1	6
लखनऊ	4	3	1	6
चेन्नई	5	3	2	6
हैदराबाद	5	3	2	6
गुजरात	6	3	3	6
पंजाब	5	2	3	4
मुंबई	4	1	3	2
बेंगलोर	5	1	4	2
दिल्ली	5	1	4	2

ऑरेंज कैप

विराट कोहली
316 रन
बेंगलोर

पर्पल कैप

यजुवेन्द्र चहल
10 विकेट
राजस्थान

बाउंड्री मीटर

694 चौके

410 छक्के

खबर संक्षेप

विराट कोहली ने की पूरे पारिस्थितिकी तंत्र में प्रगति

मुंबई। चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर ने कहा कि विराट कोहली द्वारा डिजाइन किए गए 'फिटनेस ब्लूप्रिंट' का पूरे भारतीय क्रिकेट पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रभाव पड़ा है। अगरकर ने महेंद्र सिंह धोनी को विशुद्ध रूप से मन की सुनने वाला व्यक्ति करार दिया जिसने बहुत पहले ही डाटा और अंतर्दृष्टि को अपनाया। कोहली भले ही 35 साल के हों लेकिन सबसे कठिन फिटनेस ड्रिल करने के मामले में वह किसी से पीछे नहीं हैं। अगरकर ने कहा, 'आप विराट जैसे लोगों को देखें, वह उन लोगों में से एक हैं जो मानक स्थापित करते हैं। अपने करियर में 10-15 वर्षों में वह और भी फिट हो गए हैं और आप परिणाम देख सकते हैं।

फार्मूला ई को भारत के लिए मिला नया साझेदार

लंदन। फार्मूला ई ने बुधवार को भारतीय उपमहाद्वीप में इलेक्ट्रिक रेसिंग श्रृंखला के सभी दौर प्रसारित करने के लिए सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया (एसपीएनआई) के साथ तीन साल की मीडिया साझेदारी की घोषणा की। एसपीएनआई चैंपियनशिप के 10वें सत्र की सभी रेस को अपने टेलीविजन चैनलों के नेटवर्क पर प्रसारित करेगा और प्रशंसक स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म 'सोनी लिव' पर भी इसे देख सकेंगे। फार्मूला ई ने एक बयान में कहा, 'फार्मूला ई के 10वें रेसिंग सत्र का सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर पूरे भारत में सीधा प्रसारण किया जाएगा जिसकी कवरेज अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका तक होगी।'

सिधू जीती, लक्ष्य सेन और श्रीकांत पहले दौर में हारे

निंगबो। अनुभवी भारतीय खिलाड़ी पीवी सिंधू मुश्किल परिस्थितियों से पार पाकर बुधवार को यहां बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप के महिला एकल के दूसरे दौर में पहुंचने में सफल रही। पुरुष एकल वर्ग में लक्ष्य सेन और किदांबी श्रीकांत का सफर हार के साथ खत्म हो गया। सिंधू ने मलेशिया की दुनिया की 33वें नंबर की खिलाड़ी गोह जिन वेई के खिलाफ निर्णायक गेम में पांच अंकों की बढ़त को लगभग गंवाने के बाद 18-21, 21-14, 21-19 से जीत दर्ज की। सिंधू का इस जीत के बाद उनका रिकॉर्ड 4-1 हो गया है। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी सेन पहले दौर में शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन के शि यू कि से हारकर बाहर हो गए।

विश्व एथलेटिक्स का बड़ा ऐलान, ट्रैक एवं फील्ड ओलंपिक चैंपियन को देगा 42 लाख

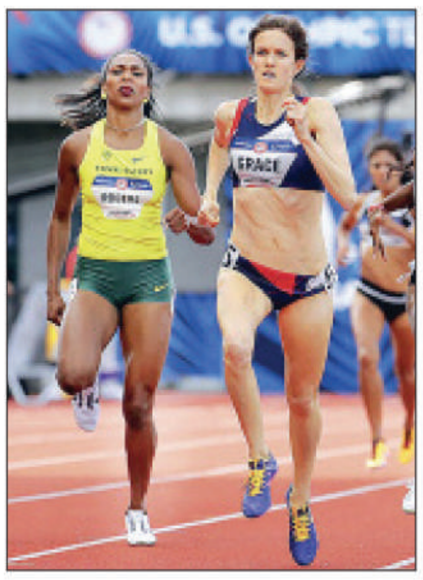

एजेंसी ▶▶| मोनाको

पेरिस ओलंपिक में ट्रैक एवं फील्ड की 48 स्पर्धाओं के स्वर्ण पदक विजेताओं को विश्व एथलेटिक्स ने पहली बार 50,000 डॉलर (41.60 लाख रुपए) की पुरस्कार राशि देने की बुधवार को घोषणा की। विश्व एथलेटिक्स के इस कदम से 2028 में लॉस एंजिलिस में होने वाले खेलों में तीनों पदक विजेताओं को पुरस्कार देने का मार्ग प्रशस्त होगा।

भारत को पेरिस ओलंपिक में भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा से स्वर्ण पदक की उम्मीद है। इस ऐतिहासिक निर्णय के साथ डब्लूए ओलंपिक खेलों में पुरस्कार राशि देने वाला पहला अंतरराष्ट्रीय महासंघ बन जाएगा। इस कदम से डब्लूए और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के बीच मतभेद भी पैदा हो सकता है क्योंकि इसे मूल निकाय से औपचारिक मंजूरी नहीं मिली है।

रजत और कांस्य जीतने पर भी मिलेगी राशि

48 एथलेटिक्स खेलों में से प्रत्येक में स्वर्ण पदक जीतने वाले एथलीटों को 50,000 डॉलर की राशि से पुरस्कृत करने के लिए किया जाएगा। विश्व एथलेटिक्स की इस पहल में 'एलए 2028 ओलंपिक' खेलों में रजत और कांस्य पदक विजेताओं तक विस्तार किए जाने की प्रतिबद्धता शामिल है। रिले टीमों को भी इसी राशि से सम्मानित किया जाएगा, जिसे टीम के सभी खिलाड़ी आपस में साझा करेंगे।

बाद में होगी 2028 के राशि की घोषणा

2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक से जुड़ी पुरस्कार राशि के प्रारूप और संरचना की घोषणा खेलों के समय के करीब की जाएगी। इस पुरस्कार राशि का भुगतान हालांकि विश्व एथलेटिक्स की संपुष्टि प्रक्रिया पर निर्भर करेगा, जिसमें सामान्य डोपिंग रोधी प्रक्रियाओं से गुजरने और अन्य जरूरी प्रक्रिया का पालन करने वाले एथलीट शामिल होंगे।

एथलीट बनेंगे सशक्त

को ने कहा कि यह कदम एथलीटों को सशक्त बनाने और किसी भी ओलंपिक खेलों की सफलता में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानने के लिए डब्लूए की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह महत्वपूर्ण है कि हम कहीं से शुरुआत करें और सुनिश्चित करें कि ओलंपिक खेलों में हमारे एथलीटों द्वारा उत्पन्न राजस्व का कुछ हिस्सा सीधे उन लोगों को लौटाया जाए जो खेलों को वैश्विक स्तर का बनाते हैं।'

डब्लूए देगा पुरस्कार राशि

डब्लूए ने एक बयान में कहा, 'विश्व एथलेटिक्स...ओलंपिक खेलों में पुरस्कार राशि देने वाला पहला अंतरराष्ट्रीय महासंघ बन जाएगा। डब्लूए पेरिस में इस ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों में सफलता के शिखर को प्राप्त वाले एथलीटों को आर्थिक रूप से पुरस्कृत करेगा।'

18.63 अरब रुपए आंवटित

विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन को ने कहा कि ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेताओं के लिए पुरस्कार राशि की शुरुआत अंतरराष्ट्रीय निकाय और समग्र रूप से एथलेटिक्स के खेल के लिए एक 'महत्वपूर्ण क्षण' है। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के राजस्व आवंटन से कुल 2.4 मिलियन डॉलर (लगभग 18.63 अरब रुपए) को पुरस्कार के लिए दिया गया है, जो हर चार साल में विश्व एथलेटिक्स को मिलता है।

आईपीएल : रॉयल्स को लगातार चार जीत के बाद मिली शिकस्त

'अब कोई अजेय नहीं', राजस्थान की पहली हार, गुजरात की तीन विकेट से तीसरी जीत

एजेंसी ▶▶| मोनाको

जयपुर। आईपीएल के 17वें सीजन के 24वें मुकाबले तक अब कोई टीम अजेय नहीं हैं। बुधवार को राजस्थान का चार मैचों से चला आ रहा अजेय अभियान थम गया। शुभमन गिल की कप्तानी वाली गुजरात टाइटन्स ने जयपुर में खेले गए मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स को तीन विकेट से करारी शिकस्त दी। यह इस सीजन में राजस्थान की पहली हार है। दूसरी ओर शुभमन गिल की कप्तानी वाली गुजरात टीम की यह 6 मैचों में तीसरी जीत है। पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान ने तीन विकेट पर 196 रन बनाए थे। जवाब में गुजरात ने सात विकेट पर 199 रन बनाए।

मुकाबले में 197 रनों के टारगेट का पीछा करने उतरी गुजरात टीम की शुरुआत शानदार हुई थी। शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने 64 रनों की ओपनिंग पार्टनरशिप की। कप्तान गिल 44 गेंदों पर 72 और सुदर्शन 29 गेंदों पर 35 रन बनाकर आउट हुए। मगर मिडिल ऑर्डर में गुजरात टीम लड़खड़ा गई थी। तेज गेंदबाज कुलदीप सेन ने 3 और युजवेंद्र चहल ने 2 विकेट लेकर गुजरात को बैकफुट पर धकेल दिया था। आखिर में गुजरात को 12 गेंदों पर 35 रनों की दरकार थी। तब राहुल तेवतिया और राशिद खान ने बल्ले से धमाल मचाया और राजस्थान के जबड़े से जीत छीन ली। राहुल ने 11 गेंदों पर 22 और राशिद ने 11 गेंदों पर नाबाद 24 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई। गुजरात ने 7 विकेट पर 199 रन बनाए।

संजू-पराग की फिफ्टी

मैच में राजस्थान टीम की शुरुआत खराब रही। उसने 42 रनों पर 2 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद रियान पराग ने 48 गेंदों पर 76 रनों की तूफानी पारी खेली। जबकि कप्तान संजू सैमसन ने 38 गेंदों पर आतिशी अंदाज में 68 रन बनाए। संजू और पराग ने तीसरे विकेट के लिए 78 गेंदों पर 130 रनों की पार्टनरशिप कर टीम को 3 विकेट पर 196 रनों के स्कोर तक पहुंचाया। दूसरी ओर गुजरात के लिए कोई गेंदबाज सफल नहीं हो सका। सिर्फ मोहित शर्मा, उमेश यादव और राशिद खान ही 1-1 विकेट ले सके।

सबसे तेज 3000 रन बनाने वाले युवा

वर्ष-दिन	खिलाड़ी
24-215	शुभमान गिल*
26-186	विराट कोहली
26-320	संजू सैमसन
27-161	सुरेश रैना
27-343	रोहित शर्मा

खराब फॉर्म बनी चिंता, आरसीबी मुंबई आज होंगी आमने-सामने

मुंबई। खराब फॉर्म से जूझ रही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में गुरुवार को मुंबई इंडियंस से खेलेगी जिस पर खुद अच्छे प्रदर्शन का भारी दबाव है। पांच में से चार मैच हार चुकी आरसीबी ने टीम चुनने में गलतियां की और मैदान पर भी प्रदर्शन से उसकी भरपाई नहीं कर सकी। अंकतालिका में वह मुंबई से एक ही पायदान नीचे है। मुंबई चार में से एक मैच जीतकर नौवे स्थान पर है। उसने पिछले मैच में दिल्ली कैपिटल्स को 29 रन से हराया था।

विराट कोहली के शानदार प्रदर्शन के बावजूद आरसीबी के अभियान की बेहद खराब शुरूआत हुई है। अब आईपीएल के आधे मैच जल्दी ही खत्म होने को है और ऐसे में आरसीबी के विदेशी खिलाड़ियों को लय तलाशनी होगी जिनमें कप्तान फाफ डु प्लेसी (109 रन), ग्लेन मैक्सवेल (32) और कैमरन ग्रीन (68 रन) शामिल हैं। कोहली अभी तक एक शतक और दो अर्धशतक समेत 316 रन बना चुके हैं लेकिन उन्हें दूसरे छोर से साथ नहीं मिल सका।

आनंदी ने यूरोचैलेंज सेलिंग स्पर्धा में जीता कांस्य पदक

एजेंसी ▶▶| मुंबई

भारत की 15 वर्षीय आनंदी नंदन चंदावरकर ने इटली में आयोजित ओपन स्किफ यूरोचैलेंज सेलिंग (नौकायन) प्रतियोगिता मिश्रित वर्ग में कांस्य पदक जीतने के साथ लड़कियों की अंडर-17 वर्ग की स्पर्धा में शीर्ष स्थान हासिल किया।

इस प्रतियोगिता में अंडर-15 और अंडर-17 आयु वर्ग में 130 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। इस प्रतियोगिता का आयोजन पांच से सात अप्रैल तक सिरकोलो वेला अरको के गार्डा ट्रेनटिनो में हुआ था। इसमें 10 देशों से लगभग 200 नौकायन खिलाड़ियों ने भाग लिया। आनंदी ने यहां जारी मीडिया विज्ञप्ति में कहा, 'यह जीत इस खेल में मेरी कड़ी मेहनत को दर्शाती है। यह खेल के प्रति मेरी उत्साह को दिखाता है।'

श्रीजेश के शानदार खेल के बावजूद ऑस्ट्रेलिया से 2-1 से हारा भारत

एजेंसी ▶▶| पर्थ

अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश के शानदार खेल के बावजूद भारत बुधवार को यहां तीसरे पुरुष हॉकी टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक गोल की बढ़त गंवाकर 1-2 से हार गया। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया को पांच मैचों की श्रृंखला में 3-0 की अजेय बढ़त मिल गई।

पहले दो टेस्ट में 1-5 और 2-4 से हारने वाली भारतीय टीम की रक्षापंक्ति और अग्रिम पंक्ति ने बेहतर प्रदर्शन किया। यह भारतीय रक्षापंक्ति के विरुद्ध लगातार आक्रमण करने वाले ऑस्ट्रेलिया की अग्रिम पंक्ति के बीच पारंपरिक मुकाबले की तरह था जिसमें आखिरकार भारतीय रक्षापंक्ति हार गई। जुगराज सिंह ने मैच के 41वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत को बढ़त दिलाई लेकिन जेरेमी हेवर्ड (44वें और 49वें) ने दो गोल करके मेहमान टीम की उम्मीदों पर पानी फेर दिया और ऑस्ट्रेलिया को लगातार तीसरी जीत दिला दी। श्रृंखला का चौथा टेस्ट शुक्रवार को खेला जाएगा।

खास खबर

कैंडिडेट्स शतरंज : गुकेश की नेपोम्नियाश्चि के साथ बढ़त

टोरंटो। ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने अजरबैजान के निजात अबासोव को एक कड़े मुकाबले में हराकर रूस के इयान नेपोम्नियाश्चि के साथ संयुक्त बढ़त हासिल कर ली है और फिडे शतरंज टूर्नामेंट के पांचवें दौर में जीत दर्ज करने वाले वह इकलौते भारतीय बने। डबल राउंड रॉबिन टूर्नामेंट के नौ दौर अभी बाकी है। सत्रह वर्ष के गुकेश और नेपोम्नियाश्चि 3.5 अंक लेकर शीर्ष पर हैं जबकि अमेरिका के शीर्ष वरीयता प्राप्त फेबियानो कारुआना उनसे आधा अंक पीछे हैं। अमेरिका के हिकारू नकामूरा ने फ्रांस के फिरोजा अलीरजा को हराया जबकि भारत के आर प्रज्ञानानंदा ने नेपोम्नियाश्चि के साथ ड्रॉ खेला। विदित गुजराती ने कारुआना के साथ ड्रॉ खेला। प्रज्ञानानंदा और नकामूरा 2.5 अंक लेकर चौथे स्थान पर हैं जबकि गुजराती के दो अंक हैं। अलीरजा और अबासोव 1.5 अंक लेकर आखिरी स्थान पर हैं। महिला वर्ग में चारों मुकाबले ड्रॉ पर छूटे। प्रज्ञानानंदा की बहन आर वैशाली ने अन्ना मुजिचुक से और कोनेरू हम्पी ने रूस की अलेक्जेंद्रा गोरियाश्किना से ड्रॉ खेला।

फिनलैंड में पावो नूरमी खेलों में भाग लेंगे नीरज

नई दिल्ली। सुपरस्टार भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा 18 जून को फिनलैंड के तुर्कू में प्रतिष्ठित पावो नूरमी खेलों में प्रतिस्पर्धा करेंगे, जहां उन्हें जर्मनी के 19 वर्षीय मैक्स डेह्निंग से कड़ी चुनौती मिल सकती है। यह जानकारी पावो नूरमी खेलों के आयोजकों ने दी। डेह्निंग हाल ही में 90 मीटर की बाधा पार करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने हैं। छब्बीस साल के चोपड़ा 10 मई को दोहा डायमंड लीग मीट से अपने सत्र की शुरुआत करेंगे। उन्होंने पावो नूरमी खेलों के 2022 सत्र में 89.30 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीता था।

आत्मविश्वास, घरेलू स्तर पर कड़ी मेहनत से मिली सफलता

मुल्लांपुर। पंजाब किंग्स की नई खोज शशांक सिंह ने कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सत्र में नए खिलाड़ियों को मिल रही सफलता के पीछे उनका आत्मविश्वास और घरेलू क्रिकेट में की गई अपार मेहनत है। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ जीत के लिए 183 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए शशांक ने 25 गेंद में 46 रन बनाए और आशुतोष शर्मा ने 15 गेंद में 33 रन की पारी खेली लेकिन उनकी टीम दो रन से चूक गई। शशांक ने इससे पहले गुजरात टाइटंस के खिलाफ नाबाद 61 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई थी। हार के बावजूद प्रशंसा के पात्र बने शशांक ने कहा, 'आत्मविश्वास सबसे जरूरी है। जिस तरह से हम घरेलू क्रिकेट खेलते हैं। सनराइजर्स के नीतिश रेड्डी को देखिए जो घरेलू क्रिकेट में हर प्रारूप में रन बनाता और विकेट लेता है।' रेड्डी ने सनराइजर्स के लिए 37 गेंद में 64 रन बनाए। केकेआर के अंगकृष रघुवंशी भी अच्छी पारियां खेलने में कामयाब रहे हैं। शशांक ने कहा, 'हम जिस तरह से घरेलू क्रिकेट खेलते हैं। नीतिश, अंगकृष और आशुतोष ने मुश्ताक अली, विजय हजारे और रणजी ट्रॉफी में रन बनाए हैं। आप इन खिलाड़ियों को गुमनाम कह सकते हैं लेकिन घरेलू सर्किट में ये जाने माने नाम हैं। इन्होंने घरेलू क्रिकेट में अच्छा खेला है और आईपीएल में उनका प्रदर्शन उसका ईनाम है। इस स्तर पर क्रिकेट आत्मविश्वास का ही खेल है।'

पंजाब किंग्स की नई खोज छत्तीसगढ़ के शशांक सिंह का खुलासा

साक्षी का खुलासा, बच्चे के साथ खेलने कूदने के लिए नहीं रहता समय

धोनी को साक्षी ने दिया था टेस्ट से रिटायरमेंट का सुझाव

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

आईपीएल 2024 में 42 साल के महेंद्र सिंह धोनी का बल्ला जमकर बोल रहा है। उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच में 16 गेंद में चार चौके और तीन छक्के की मदद से 37 रन की तूफानी पारी खेली थी। इस उम्र में भी धोनी की तरफ से गजब की फिटनेस देखने को मिल रही है। उन्होंने सीजन शुरू होने से पहले चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की कप्तानी ऋतुराज गायकवाड़ को सौंपकर सभी को चौंका दिया था। यह पहली बार नहीं है जब धोनी ने इस तरह का कोई फैसला लिया हो।

इससे पहले भी कई मौकों पर उन्होंने बड़े फैसले अचानक से किए, जब किसी को इसकी उम्मीद नहीं थी। चाहे वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास हो या वनडे-टी20 की कप्तानी छोड़ना या फिर टेस्ट क्रिकेट से संन्यास। धोनी ने अचानक फैसला लेकर कई बार चौंकाया है। 2014 में धोनी ने टेस्ट क्रिकेट से अचानक संन्यास लिया था। तब टीम ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर थी और माही के इस फैसले से फैंस हैरान रह गए थे। हालांकि, टेस्ट से उनके संन्यास लेने की असली वजह तब किसी को नहीं पता चल पाया था। अब इसकी वजह का खुलासा हुआ है।

वीडियो में क्लिप में हुआ खुलासा

धोनी की पत्नी साक्षी ने खुलासा किया है कि विश्व कप विजेता कप्तान ने टेस्ट क्रिकेट से इतनी जल्दी संन्यास क्यों ले लिया था। एक फैन ने हाल ही में चेपॉक में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ चेन्नई सुपर किंग्स के आईपीएल मैच के दौरान, एक पुरानी क्लिप साझा की, जिसमें वह 2014 में टेस्ट क्रिकेट से धोनी की अप्रत्याशित संन्यास के बारे में बात करती दिखीं। साक्षी इस वीडियो में क्लिप में कहती हैं, 'जब वह टेस्ट क्रिकेट छोड़ रहे थे तो हमें इस बात का संकेत था कि वह पद छोड़ने वाले हैं। मुझे यह भी याद है कि मैंने उनसे कहा था, 'अगर आप बच्चा चाहते हैं तो आपको कम से कम एक फॉर्मेट से हट जाना चाहिए क्योंकि आपके पास अपने बच्चे के साथ खेलने कूदने या मौज मस्ती करने का वक्त नहीं होगा।

एक दूसरे का करते हैं सम्मान

वीडियो में साक्षी घर के अंदर का माहौल भी दिखाती और बताती हैं। साक्षी ने विश्व कप विजेता कप्तान से शादी करने के त्याग और खुशियों पर भी बातचीत की। उन्होंने कहा, 'लोग मुझसे कहते हैं कि मुझे उनकी पत्नी होने के नाते बहुत त्याग करना पड़ा। मैं कहती हूं, 'ऐसा कुछ नहीं है, यह सब प्यार है'। जब आप प्यार में होते हैं, तो आप इसे त्याग नहीं कह सकते।' साक्षी की प्रतिक्रिया से यह बात साफ है कि वह और धोनी एक दूसरे का काफी सम्मान करते हैं। इसका जिक्र तो धोनी खुद कई बार कर चुके या दर्शा चुके हैं।

दवाओं से नहीं होता
मोटापे का इलाज

ये आपको अधिक वसा-फ़ोबिक बना सकती हैं

सिडनी (द कन्वरसेशन)। दुनिया भर में सैकड़ों हजारों लोग वजन कम करने के लिए ओज़ेम्पिक जैसी दवाएं ले रहे हैं। लेकिन हम वास्तव में उनके बारे में क्या जानते हैं? विशेषज्ञ इनके प्रसार, प्रभाव और संभावित परिणामों का पता लगा रहे हैं। कई लोगों ने दावा किया है कि ओज़ेम्पिक जैसी दवाएं दुनिया भर के लाखों लोगों की भूख और कमर को कम करके 'मोटापा ख़त्म' कर सकती हैं। जबकि प्रचार से परे यह सिर्फ झूठ नही है - यह हानिकारक भी हो सकती हैं।

स्वास्थ्य के मुकाबले वजन पर ध्यान देना, आहार संस्कृति की एक विशेषता है। दवाओं से मोटे लोगों का डर और बड़े शरीर वाले लोगों को नुकसान पहुंचाने वाले व्यवहार को बढ़ावा मिल सकता है। यह पहली बार नहीं है जब हमने सुना है कि वजन घटाने वाली दवाएं दुनिया को बदल देंगी। ओज़ेम्पिक और इसके परिवार की जीएलपी-1-जैसी दवाएं वजन घटाने वाली दवाओं की लंबी श्रृंखला में नवीनतम है। एक समय तक सभी आशाजनक लगती है। लेकिन कोई भी लंबे समय तक प्रचार पर खरा नहीं उतर पाई। कुछ को गंभीर दुष्प्रभावों के कारण बिक्री से वापस भी ले लिया गया। अध्ययनों से पता चल सकता है कि दवा का उपयोग करने वालों ने अपने शरीर का वजन औसतन 10.9% कम किया, लेकिन कुछ ने 20% से अधिक और अन्य ने 5% से कम वजन कम किया।

हर किसी का वजन औसत जितना कम नही होता है, और कुछ का वजन बिल्कुल भी कम नही होता है। कुछ लोगों के लिए, दुष्प्रभाव लाभ से अधिक होंगे।

जब वजन घटाने वाली दवाएं काम करती हैं, तो वे केवल तभी प्रभावी होती हैं जब उन्हें लिया जा रहा हो। इसका मतलब यह है कि वजन कम रखने के लिए लोगों को इन्हें लंबे समय तक लेते रहना होगा।

जब लोग ओज़ेम्पिक जैसी दवाएं लेते है, तो इंसुलिन रिलीज को बढ़ाकर और ग्लूकागन नामक एक अन्य हार्मोन के स्तर को कम करके उनके रक्त शर्करा को बेहतर ढंग से नियंत्रित किया जाता है। लेकिन रक्त शर्करा नियंत्रण में परिवर्तनशीलता की तुलना में वजन घटाने की मात्रा में अधिक परिवर्तनशीलता होती है। जब वजन घटाने वाली दवाएं काम करती है, तो वे केवल तभी प्रभावी होती है जब उन्हें लिया जा रहा हो। इसका मतलब यह है कि वजन कम रखने के लिए लोगों को इन्हें लंबे समय तक लेते रहना होगा।

ओज़ेम्पिक जैसी दवाओं के अल्पकालिक दुष्प्रभावों में चक्कर आना, मतली, उल्टी और अन्य गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल परेशानियाँ शामिल है। लेकिन क्योंकि ये नई दवाएं है, इसलिए हमारे पास यह बताने के लिए डेटा नहीं है कि क्या दुष्प्रभाव बढ़ेंगे क्योंकि लोग इन्हें लंबे समय तक लेंगे। कुल मिलाकर, मोटापा जटिल और बहुआयामी है।

मोटापा केवल व्यक्तिगत जीवविज्ञान और पसंद से प्रेरित नही है; इसके सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, पर्यावरणीय और आर्थिक निर्धारक है। मोटापा अक्सर कुपोषण के साथ सह-अस्तित्व में रहता है। मोटापा कोई ऐसा मुद्दा नहीं है जो लोगों से अलग हो भले ही यह नेक इरादे से किया गया हो, 'मोटापे की महामारी को समाप्त करने' की खुशी के इर्द-गिर्द बयानबाजी लोगों को नुकसान पहुंचा सकती है। विडंबना यह है कि जहां मोटे लोगों को बताया जाता है कि उन्हें अपने स्वास्थ्य के लिए वजन कम करने की आवश्यकता है, वहीं उन्हें 'धोखा देने' या दवा का उपयोग करके शॉर्टकट अपनाने के लिए भी शर्मिंदा किया जाता है।

28 साल बाद
मनीषा कोईराला और संजय लीला भंसाली आए साथ

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री मनीषा कोईराला ने फिल्मकार संजय लीला भंसाली के साथ 28 साल बाद काम किया है। वेबसीरीज हीरामंडीः द डायमंड बाजार में मनीषा कोइराला, सोनाक्षी सिन्हा, अदिति राव हैदरी, शर्मिन सहगल, ऋचा चड्ढा और संजीदा शेख जैसे कलाकार शामिल है। मनीषा कोईराला ने फिल्मकार संजय लीला भंसाली के साथ 28 साल बाद काम किया है। मनीषा कोईराला ने इससे पूर्व संजय लीला भंसाली के साथ वर्ष 1996 में प्रदर्शित फिल्म खामोशी द म्यूजिकल में काम किया था। इस फिल्म से संजय लीला भंसाली ने बतौर निर्देशक डेब्यू किया था। फिल्म खामोशी द म्यूजिकल में सलमान खान और नाना पाटेकर ने भी अहम भूमिका निभायी थी।

मनीषा कोइराला ने बताया,मैंने संजय के कॉल का 28 साल तक इंतजार किया हैं और यह खुशी की बात है। ऐसे जीनियस के साथ काम करना सम्मान की बात है। बहुत सारी मेहनत, प्यार और मोहब्बत से हमने इसे (हीरामंडी) बनाया है। आशा करते है कि आप सभी को ये पसंद आए। हमने ऐसा पहली बार देखा है।

जाह्नवी ने शिखर प्यार का इजहार

मुंबई (आईएएनएस)। 'मैदान' की स्क्रीनिंग में पहुंचीं एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर ने आखिरकार शिखर पहाड़िया के साथ अपने रिश्ते की पुष्टि कर दी है। फिल्म की स्क्रीनिंग पर पहुंची जाह्नवी क्रीम रंग के पैंटसूट में बेहद खूबसूरत लग रही थी। उन्होंने अपने लुक को 'शिखू' लिखे कस्टम-मेड नेकपीस के साथ पूरा किया। एक्ट्रेस के इस नेकपीस ने सभी का ध्यान खींचा, जिससे ऐसा लगता है कि वह अपने रिलेशन को कन्फर्म कर रही हैं। स्क्रीनिंग के दौरान एक्ट्रेस को रेड कार्पेट पर अपने पिता और 'मैदान' के निर्माता बोनी कपूर, अपने भाई अर्जुन कपूर के साथ पोज देते हुए देखा गया। 'मैदान' एक जीवनी पर आधारित स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म है, जिसे अमित रविंदरनाथ शर्मा ने लिखा और निर्देशित किया है। इसमें अजय देवगन, प्रियामणि और गजराज राव हैं।

वेबसीरीज हीरामंडी
द डायमंड बाजार का ट्रेलर रिलीज

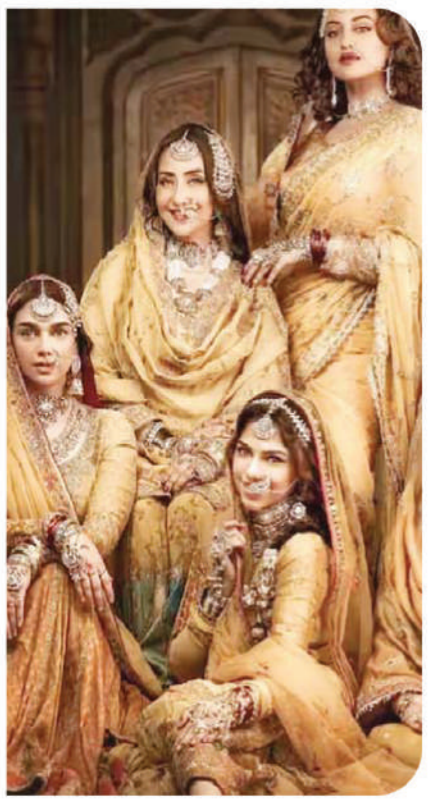

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड फिल्मकार संजय लीला भंसाली की आने वाली वेबसीरीज हीरामंडीः द डायमंड बाजार का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि आजाद भारत से पहले लाहौर के रेड लाइट एरिया की तवायफों ने किस तरह से ब्रिटिश शासनकाल की नींव को हिला कर रखा दिया। देश स्वतंत्रता संग्राम में इनका योगदान कितना अहम रहा है, वह आपको भंसाली की इस सीरीज में देखने को मिल जाएगा। हीरामंडीः द डायमंड बाजार वेश्याओं और उनकी जिंदगी को लेकर बुनी गई है। वर्ष 1940 के दशक के भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की उथल-पुथल भरी पृष्ठभूमि पर आधारित,'हीरामंडी' 'कोठों' में प्यार, विश्वासघात, उत्तराधिकार और राजनीति की कहानी को बयां करती है।

इम्तियाज 'चमकीला' को बेहतर समझ पाए दिलजीत दोसांझ

मुंबई (आईएएनएस)। 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के आगामी एपिसोड में नजर आने वाले गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' के बारे में खुलकर बात की। दिलजीत ने कहा कि वह सोचते थे कि वह पंजाब से हैं इसलिए 'चमकीला' को बेहतर समझेंगे। दिलजीत ने कहा कि उन्होंने फिल्म निर्माता इम्तियाज अली के दृष्टिकोण के सामने पूरी तरह से आत्मसमर्पण कर दिया है।

दिलजीत ने कहा, मैं सोचता था कि मैं पंजाब से हूं, इसलिए मैं चमकीला को बेहतर समझूंगा। लेकिन इम्तियाज से मिलने के बाद मैंने पूरी तरह से उनके सामने आत्मसमर्पण कर दिया। उन्होंने कहा, फिल्म का किरदार 'चमकीला' जिस तरह से खड़ा होता था, बोलता था, प्रतिक्रिया करता था और जिस तरह से वह सोचता था। इसको लेकर इम्तियाज ने काफी रिसर्च की थी। 'अमर सिंह चमकीला' एक हिंदी बायोपिक ड्रामा है, जिसमें परिणीति चोपड़ा भी मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म 12 अप्रैल को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है।

प्रियंका सिंह और माही श्रीवास्तव का गाना 'जग सूना सूना लागे' रिलीज

मुंबई (वार्ता)। गायिका प्रियंका सिंह और अभिनेत्री माही श्रीवास्तव का का गाना 'जग सूना सूना लागे' रिलीज हो गया है। इस गाने को प्रियंका सिंह ने गाया है जबकि माही श्रीवास्तव ने गाने में अभिनय किया है। गाने के निर्माता रत्नाकर कुमार है। इस गाने को संतोष उत्पाती ने लिखा है, जबकि संगीतकार विनीत शाह है। वीडियो डायरेक्टर विझेल, डीओपी राजन वर्मा है। इस गाने का ऑल राइट वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स के पास है।

भोजपुरी लोकगीत 'कोरवा में सुता के राखस राजा जी' रिलीज

मुंबई (वार्ता)। गायिका सृष्टि भारती, अभिनेत्री अंजली पांडेय और अभिनेता अवनीश आर्य का भोजपुरी लोकगीत 'कोरवा में सुता के राखस राजा जी' रिलीज हो गया है। इस गीत को सृष्टि भारती ने गाया है, जबकि अंजली पांडेय और अवनीश आर्य गाने के वीडियों में नजर आ रहे है।लोकगीत के निर्माता रत्नाकर कुमार है। इस गाने को शुभ दयाल सोहरा ने लिखा है, जबकि संगीतकार विकाश यादव है।

फरदीन खान ने 14 साल बाद किया कमबैक

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता फरदीन खान ने अपनी आने वाली वेबसीरीज हीरामंडी: द डायमंड बाजार के जरिये बतौर अभिनेता 14 साल बाद कमबैक किया है, जिसे लेकर वह भावुक हो गए। संजय लीला भंसाली की फिल्म हीरामंडी: द डायमंड बाजार में मनीषा कोइराला, सोनाक्षी सिन्हा, अदिति राव हैदरी, शर्मिन सहगल, ऋचा चड्ढा और संजीदा शेख जैसे कलाकार शामिल हैं। हीरामंडी: द डायमंड बाजार में फरदीन खान भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। फरदीन खान 14 साल बतौर अभिनेता वापसी कर रहे हैं। फरदीन खान अंतिम बार वर्ष 2010 में प्रदशित फिल्म दूल्हा मिल गया में बतौर अभिनेता नजर आये थे। इस फिल्म में फरदीन खान के साथ सुष्मिता सेन ने भी अहम भूमिका निभायी थी।फरदीन खान हीरामंडी: द डायमंड बाजार के जरिए 14 साल बाद बतौर अभिनेता कमबैक करने को लेकर भावुक हो गये। फरदीन खान ने कहा, मैं खुद को बहुत लकी मानता हूं कि दुबारा से मुझे आप सबसे जुड़ने का और फिल्म इंडस्ट्री में वापसी करने का अवसर मिल रहा है।

17 को रिलीज होगी इट्स ऑल इन योर हेड

मुंबई (वार्ता)। निर्देशक ध्रुव सोलंकी की फिल्म,'इट्स ऑल इन योर हेड', 17 अप्रैल से गुडशो ऍप पर प्रदर्शित होगी। फिल्म,'इट्स ऑल इन योर हेड',भारत के छोटे शहरों में रहनेवाले युवाओं और उनकी आधुनिक मानसिकता को एक अलग अंदाज में दर्शाती है। फिल्म की कहानी वडोदरा में रहने वाले छह भाई-बहनों के जीवन के एक दिन पर केंद्रित है, जिनकी विचारधारा आधुनिक है और अमरीकी संस्कृति से प्रभावित है। इन लोगों की व्यक्तिगत कहानियों के द्वारा, फिल्म भारत के छोटे शहरों से जुड़ी कई रूढ़िवादी विचारधाराओं को वास्तविक तरीके से गलत साबित करती है।

रवीना ने बेटी राशा के साथ किए मंदिर के दर्शन

मुंबई (आईएएनएस)। एक्ट्रेस रवीना टंडन ने अपनी बेटी राशा के साथ महाराष्ट्र के घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर और त्रयंबकेश्वर शिव मंदिर में दर्शन किए। रवीना ने इंस्टाग्राम पर कई फोटोज शेयर की, जिनमें वह और उनकी बेटी मंदिर के बाहर नजर आ रही हैं। त्रयंबकेश्वर शिव मंदिर महाराष्ट्र के नासिक जिले में त्रयंबकेश्वर तहसील के त्रयंबक शहर में एक प्राचीन हिंदू मंदिर है।

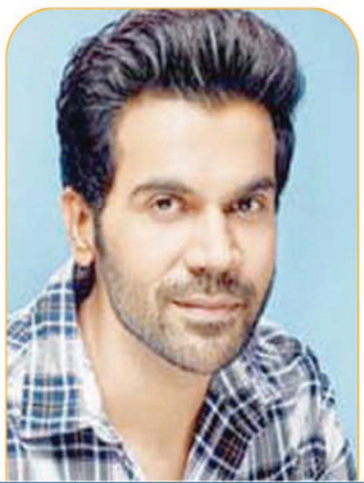

राजकुमार राव की फिल्म 'श्रीकांत' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई (वार्ता)। राजकुमार राव की आने वाली फिल्म 'श्रीकांत' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। टी-सीरीज फिल्म्स और चॉक एन चीज फिल्म्स के बैनर तले तुषार हीरानंदानी द्वारा निर्देशित फिल्म 'श्रीकांत' में राजकुमार राव की मुख्य भूमिका है। यह फिल्म इस साल अक्षय तृतीया के शुभ अवसर 10 मई को रिलीज होने के लिए तैयार है। ट्रेलर में दिखाया जाता है कि कैसे नेत्रहीन होने के बावजूद श्रीकांत खुद को कमजोर नहीं बल्कि मजबूत मानता है। उसे साइंस पढ़ना था, लेकिन नेत्रहीन होने की वजह से उसे बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। हार मानने की बजाय उसने एजुकेशन सिस्टम के खिलाफ केस ठोका। श्रीकांत का यूएस में एक इंजीनियरिंग कॉलेज में एडमिशन हो जाता है, लेकिन नेत्रहीन होने की वजह से फ्लाइट में उन्हें बैठने नहीं दिया जाता है। इसके बाद श्रीकांत अपना बिजनेस शुरू करता है, जिसमें विकलांग लोगों को काम देता है। फिल्म श्रीकांत उद्योगपति श्रीकांत बोला की बायोपिक है, जिन्होंने अपनी दृश्यहीनता को अपने सपनों पर हावी नहीं होने दिया और बोलेंट इंडस्ट्रीज की स्थापना की।

भदोही से डॉ. विनोद बिंद को चुनावी मैदान में उतार भाजपा ने खेला पिछड़ा दाँव

भाजपा अब तक बाहरी उम्मीदवारों को ही लगाते रही है गले, ब्राह्मण नेताओं को नहीं मिली तवज्जो ओबीसी पर फिर जताया विश्वास

प्रखर भदोही। भारतीय जनता पार्टी ने अंततः पूर्वांचल की सबसे बहुप्रतिक्षित लोकसभा सीट भदोही से गुरुवार को अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया है। डॉ विनोद बिंद को यहाँ से उम्मीदवार बनाया गया है। जबकि वर्तमान सांसद रमेश बिंद का पत्ता साफ गया है। विनोद बिंद को मैदान में उतार कर भाजपा ने एक तीर से दो निशाना साधा है जहाँ एक तरफ ओबीसी दाँव खेला है वहीं दूसरी तरफ बिंद, मल्लाह और निषाद जाति के वोटरों को अपने पाले में करने की पूरी सियासी कोशिश की है और सफल भी रही है। पूर्वांचल में भदोही लोकसभा सीट को लेकर काफी अर्से से जद्दोजहद जारी थीं। लेकिन पार्टी अपना पत्ता नहीं खोल रही थीं। बुधवार जौनपुर, प्रयागराज, बलिया, कौशाम्बी की सूची जारी होने के बाद भदोही सीट पर फैसला अटका था लेकिन गुरुवार को पार्टी को अंततः निर्णय लेना पड़ा। आखिरकार ओबीसी चेहरा उतार कर इस कयास पर पार्टी ने विराम लगा दिया है। वर्तमान सांसद रमेश बिंद का पार्टी ने टिकट काट दिया है। लिहाजा पार्टी नेतृत्व ने जानबूझकर ओबीसी चेहरे पर ही दाँव लगाया है। क्योंकि भदोही लोकसभा में सबसे अधिक संख्या ब्राह्मण और बिंद जाति की है। लिहाजा बिंद पिछडी जाति में आते हैं। बिंद जाति को अपने पाले में करने के लिए भाजपा ने रमेश बिंद की जगह डॉक्टर विनोद बिंद को मैदान में उतारा है। हालांकि पहले से तय माना जा रहा था की रमेश बिंद का टिकट कटना सुनिश्चित है। लेकिन अंतिम दमतक रमेश बिंद टिकट लेने के लिए लग रहे। लेकिन पार्टी सूत्रों और चचाओं से साफ हो गया था कि रमेश बिंद का रिपोर्ट कार्ड बहुत अच्छा नहीं रहा है। जिसे यह तय माना जा रहा था कि वर्तमान सांसद रमेश बिंद का टिकट कटना सुनिश्चित है। भदोही लोकसभा में पांच विधानसभाएं भदोही ज्ञानपुर, औराई जबकि प्रयागराज जनपद की प्रतापपुर और हंडिया विधानसभा भी आती हैं। हंडिया, प्रतापपुर और ज्ञानपुर में

बिंद, निषाद और मल्लाह जाति के मतदाताओं की संख्या अच्छी - खासी है। यहीं वजह रही कि यहाँ से बिहड़ों की रानी दास्यु सुंदरी फूलन देवी मिजार्पुर-भदोही से सांसद चुनी गई थी। डॉ विनोद बिंद मिजार्पुर के मझवाँ से निषाद पार्टी से वर्तमान विधायक है। मूल रूप से वह चंदौली जनपद के निवासी बताए गए हैं। अब भारतीय जनता पार्टी ने भदोही से उन्हें लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए मैदान में उतारा है। भारतीय जनता पार्टी ने एक बार फिर बाहरी उम्मीदवार पर भरोसा जताया है। अब तक भारतीय जनता पार्टी बाहरी उम्मीदवारों पर ही भरोसा जाताती चली आ रही है। पार्टी जनपद के नेताओं पर भरोसा जताने के बजाय बहरियों को दिल से लगाया है। वर्तमान समय में बलिया से सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त भदोही-मिजार्पुर से दो बार लोकसभा का चुनाव जीत चुके है। वर्तमान सांसद रमेश बिंद भी मिजार्पुर के रहने वाले हैं। भारतीय जनता पार्टी ने उन्हें भी टिकट देकर सांसद बनाया। आब तीसरी बार पार्टी ने एक बार फिर बाहरी उम्मीदवार पर ही भरोसा जताते हुए डॉ विनोद बिंद को चुनाव मैदान में उतारा है। भदोही से लोकसभा सीट के लिए जनपद के कई दिग्गज नेता कतार में लगे हुए थे। लेकिन पार्टी ने उनको कोई तवज्जो नहीं दिया। इसमें पूर्व मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता रंगनाथ मिश्र, पूर्व विधायक रवींद्रनाथ त्रिपाठी, वाराणसी से राजेश मिश्रा और वर्तमान सांसद रमेश बिंद जैसे प्रमुख नाम की चर्चा रही। भदोही में बाहरी बनाम घरेलू की लड़ाई काफी अर्से से चल रही है लेकिन जनपद के नेताओं को पार्टी ने कोई तावज्जो नहीं दिया। भाजपा उम्मीदवार डॉ विनोद बिंद के साथ-साथ तृणमूल यानी इण्डिया गठबंधन से चुनाव मैदान में उतरे ललितेश त्रिपाठी का भी ताल्लुक वाराणसी से है। अब यह देखना होगा कि बाहरी बनाम घरेलू की लड़ाई कितनी कारगर होगी। अभी बहुजन समाज पार्टी ने अपना उम्मीदवार नहीं घोषित किया है। लेकिन अब उम्मीद जतायी जा रही है की जल्द ही घोषणा हो सकती है। भारतीय जनता पार्टी ने एक बार फिर विनोद बिंद को चुनावी मैदान में उतार कर पिछड़ा कार्ड खेला है। क्योंकि पार्टी की यह मजबूरी भी थी कि रमेश बिंद का टिकट कटने पर बिंद और निषाद नाराज हो सकते थे लिहाजा पार्टी दोहरा जोखिम नहीं लेना चाहती थीं। इसलिए लाठी भी ना टूटे और सांप भी मर जाए जिसके लिए डॉ विनोद बिंद को उम्मीदवार बनाया गया है।

हजरत गौस अली शाह बाबा का मनाया गया सालाना उर्स

प्रखर जौनपुर। 10 अप्रैल बुधवार को हजरत गौस अली शाह बाबा का सालाना उर्स मनाया गया। जिसमे कमेटी द्वारा चादरपोशी किया गया। मिलाद और नातिया कलाम भी पेश किया गया। जायरीन और अकीदतमंद मेहमान का इस्तकबाल किया गया।इस मौके पर मोहम्मद इस्लाम,इरशाद अंसारी, लियाकत अली, बिकेटी, अल्ताफ,सहित कमेटी सदस्य मौजूद रहे।

ईद की नमाज हुई संपन्न, मुल्क की सलामती के लिए हुई दुआ

पिंडरा। ग्रामीण क्षेत्रों में गुरुवार को ईद के मौके ईदगाह व मस्जिदों में अदा की हुई। नमाज के बाद नमाजियों ने मुल्क में अमन-चैन और खुशहाली के लिए सामूहिक रूप से दुआ मांगी। नमाज के बाद सभी ने एक-दूसरे के गले मिलकर मुबारक बाद दी। इस मौके पर पिंडरा स्थित बड़ी ईदगाह में नमाज का खुतमा मोबाइल से पढ़ते हुए मौलाना हाफिज अफरोज ने लोगो को संबोधित करते हुए कहाकि ईद का पवित्र त्यौहार पर हम सभी लोगो का फर्ज है कि हमारे पड़ोस मे रहने वाले गरीब ,मजबूर ,बेसहारा लोगो की हम मदद करें उनको अपनी खुशी मे शामिल करें। इस दौरान मुल्क में अमन सलामती की विशेष दुआ कराई उन्होंने लोगो से अपील किया कि मुल्क को मजबूत करने के लिए अपना योगदान दे। वही सिंधोरा, काशीपुर, नदोय, गोड़िया, फूलपुर, मिराशाह, कठिराव, ताड़ी, नेवादा, बरही कला समेत ईदगाहों व मस्जिदों में नमाज अदा की गई। सुरक्षा की दृष्टि से एसडीएम पिंडरा प्रतिभा मिश्रा, एसीपी प्रतीक कुमार, फूलपुर इंस्पेक्टर संजय मिश्रा व सिंधोरा थानाध्यक्ष अखिलेश वर्मा फोर्स समेत चक्रमण करते रहे।

हत्या का हुआ अनावरण 3 अभियुक्त/अभियुक्ता गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के कुशल निर्देशन व क्षेत्राधिकारी कासिमाबाद के निकट पर्यवेक्षण में दिनांक 31मार्च 24 को थाना मरदह क्षेत्रान्तर्गत ग्राम भवानीपुर कंसहरी में फोरलेन के बगल चाय के दुकान के पास अज्ञात महिला की हत्या कर बक्से में बन्द शव की बरामदगी के पश्चात थाना मरदह पर पंजीकृत मु0अ0सं0-54/2024 धारा 302/201 भादवि में स्वाट व सर्विलांस व थाना मरदह पुलिस टीम द्वारा लगातार किये जा रहे प्रयास के फलस्वरुप महिला की शिनाख्त के पश्चात गुरुवार को मृतक महिला उपरोक्त की हत्या से सम्बन्धित 03 नफर अभियुक्त/अभियुक्ता को हैदरगंज पूर्वांचल एक्सप्रेसवे अण्डर पास के नीचे से समय करीब 05.30 बजे गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तारशुदा अभियुक्तगण उपरोक्त के विरुद्ध नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही सम्बन्धित थाने द्वारा की जा रही है । गिरफ्तार अभियुक्तगण में अनूप गुप्ता उर्फ छोटू पुत्र राधाकृष्ण गुप्ता निवासी ग्राम कासिम पोखरी थाना कोतवाली जनपद मऊ उम्र करीब 38 वर्ष,

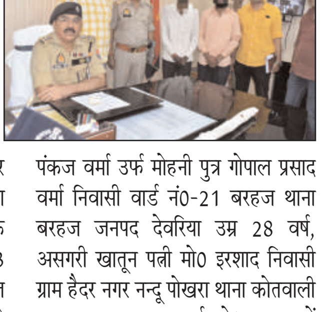

पंकज वर्मा उर्फ मोहनी पुत्र गोपाल प्रसाद वर्मा निवासी वार्ड नं0-21 बरहज थाना बरहज जनपद देवरिया उम्र 28 वर्ष, असगरी खातून पत्नी मो0 इरशाद निवासी ग्राम हैदर नगर नन्दू पोखरा थाना कोतवाली जनपद मऊ उम्र 45 वर्ष रहे। पूछताछ में गिरफ्तारशुदा अभियुक्त अनूप गुप्ता द्वारा बताया गया कि मेरा पिछले लगभग 02 वर्ष से मृतका शीला यादव व असगरी खातून के साथ अवैध सम्बन्ध था । मै ब्रह्मस्थान शहादतपुरा थाना कोतवाली मऊ में किराये पर रहता था जहाँ शीला व असगरी मुझसे मिलने आया करती थी पिछले कुछ समय से मृतका शीला मुझपर लगातार शादी करने के लिए दबाव डाल रही थी व पैसे की भी माँग करती रहती थी उसे मैने लगभग 1.50 से 2.00 लाख रुपये दिया भी था । लेकिन वह मुझसे लगातार और पैसे की माँग कर रही थी मैं उसके दबाव व पैसे की माँग से आजीज आ चुका था तथा उससे छुटकारा चाहता था । इसके लिए मैने उसे अपने रास्ते से हटाने के लिए 30 मार्च को अपने कमरे पर बुलाया जहाँ पूर्व योजना के तहत पहले से मौजूद पंकज वर्मा व असगरी के साथ मिलकर मैने उसके सिर पर बांस के डण्डे से मारकर तथा उसका सर फर्स पर पटक कर उसकी हत्या कर दी तथा उसके शव को बोरे में भरकर कमरे मे ही छिपा दिया।

एक साथ झुके लाखों सर, मांगी गई देश की तरक्की और अमन की दुआ, सकुशल संपन्न हुई ईद की नमाज

प्रखर जौनपुर। पूर्वांचल की सबसे बड़ी ईदगाह शाही ईदगाह मछली शहर पड़ाव पर ईद की नमाज हजरत मौलाना अल्हाज हसनैन अहमद सिद्दीकी की सरपरस्ती में मौलाना अब्दुल जहीर खुसैमा ने अदा कराई इस दौरान अपने खुत्बा में उन्होंने कहा कि खुदा नहीं चाहता कि इंसान इंसान से लड़ाई झगड़ा करें ,सभी लोगों को मिलकर रहना चाहिए।

आपस में ऐसा समन्वय बनाएं ताकि समाज में हर तरफ सुख शांति रहे, लोग एक दूसरे की मुसीबत में खड़े रहे, हर जायज काम को किया जाए नाजायज कार्य से दूर रहा जाए, झूठ, फरेब, शराब, जीनाकारी, सूदखोरी, देश और समाज के खिलाफ कार्य करना आदि से बचना ही सच्चा धर्म है तब जाकर के हम एक अच्छे समाज का निर्माण कर सकते हैं,अच्छा समाज होगा तो देश तरक्की करेगा।इस मौके पर लाखों लोगों ने एक साथ देश में अमन सुख शांति के लिए दुआ मांगी।नमाज खत्म होने के बाद लोगों ने गले मिलकर एक दूसरे को ईद की बधाई दी वहीं जिला प्रशासन सहित ,नेता ,समाज सेवी भी ईदगाह के बाहर लोगों को ईद की बधाई देते नजर आए। ईदगाह कमेटी ने सकुशल ईद की नमाज संपन्न होने पर जिला प्रशासन का शुक्रिया अदा किया ।इस मौके पर मुख्य रूप से मोहम्मद शोएब अच्छु खा ,नेयाज ताहिर शेखू, रियाजुल हक, मास्टर तुफैल अंसारी, अबूजर अंसारी, हाजी इमरान, कमालुद्दीन अंसारी,मास्टर मेराज, मिर्जा हैदर बैग, डॉ अजहर अहसन जाफरी आदि लोग उपस्थित रहे। बधाई देने वालों में मुख्य रूप से जिला प्रशासन से जिलाधिकारी रविंद्र कुमार व पुलिस अधीक्षक डॉ अजय पाल, पुलिस उपाधीक्षक नगर बृजेश कुमार, क्षेत्राधिकारी देवेश कुमार, शहर कोतवाल मिथलेश मिश्र,चौकी प्रभारी सराय पोख्ता राजीव मल,एस आई राजेश, नगर पालिका के कर्मचारी व अधिकारी गण सहित विभिन्न पार्टियों के पदाधिकारी व क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों के समाजसेवी सहित गणमान्य लोग मौजूद रहे।वही शहर की शर्की कालीन बड़ी मस्जिद में नमाज मौलाना अबू हुरैरा ने अदा कराई इसके साथ ही खानकाह रशीदिया, मदीना मस्जिद मदरसा हंफिया, आलम मस्जिद नसीब खां मंडी, मदीना मस्जिद सब्जी मंडी, जामा मस्जिद बल्लोच टोला, ईदगाह आदमपुर, दारा शिकोह मस्जिद मियापुर,आया मस्जिद, हकीमी मस्जिद बाग ए अरब सिपाह, लाल दरवाजा, हादी रजा मस्जिद पॉलिटेक्निक चौराहा सहित बोधकरपुर मदरसे में भी ईद की नमाज अलग अलग समय पर अदा की गई वही जिले की विभिन्न तहसीलों व गांव में भी अमन चैन की दुआ के साथ नमाज संपन्न हुई।

भैया भारत को समर्पित हुई यज्ञ की आहुतियां, श्री राम साम्राज्य पट्टाभिषेकम मंडप में अयोध्या कांड का पारायण पूर्ण

प्रखर वाराणसी। रामनवमी पर्व के उपलक्ष में मानसरोवर स्थित श्री राम तारका आंध्रा आश्रम में भव्यता के साथ मनाया जा रहे पट्टाभिषेकम उत्सव की यज्ञशाला में गुरुवार को भैया भारत के नाम सहस्त्र आहुतियां समर्पित की गई वाल्मीकि रामायण पारायण के क्रम

में आज आचार्य ने अयोध्या कांड का वाचन पूर्ण किया उत्सव का पुरोहित्य संभाल रहे मुख्य आचार्य श्री उलीमिरी सोमायाजुली ने बताया कि राम कथा के प्रसंग में वर्णित सभी पत्रों में भैया भारत का चरित्र शिखर कलश की तरह शीर्षक है राज्य पुत्र होते हुए भी उन्होंने अपना साम्राज्य संपूर्ण जीवन एक तपस्वी की तरह व्यतीत किया उनका मातृ प्रेम हिमालय से भी ऊंचा वा सागर से भी गहरा है। आचार्य श्री ने बताया कि शुक्रवार को रामायण पारायण के क्रम में अरण्य कांड का सामूहिक वाचन किया जाएगा यज्ञ कुंड में देव ऋषियों के नाम से आहुतियां समर्पित की जाएगी आश्रम के प्रबंध न्यासी और अनुष्ठान के मुख्य कर्ता वी वी सुंदर शास्त्री ने जानकारी दी कि वाल्मीकि रामायण पारायण में छह महिलाएं आचार्य भी श्लोक वाचन कर रहे हैं यह प्रयास वास्तव में सनातन धर्म भाव दर्शन के उस औचार्य का प्रकृति कारण है जो सनातन जीवन में नारियों को प्राप्त सम्मान और प्रतिष्ठा का प्रतिवादन करता है। इस कार्यक्रम का संचालन आश्रम के मैनेजर वी वी सीताराम ने किया आश्रम के ट्रस्टी श्री यू आर के मूर्ति भी उपस्थित रहे।

17वीं लोकसभा में सबसे कम मतों से जीतने वाले मछलीशहर सांसद, क्या दूसरी बार दर्ज कर पायेंगे जीत?

प्रखर डेस्क। बीजेपी ने सभी की उम्मीदो पर पानी फेरते हुए वर्तमान सांसद मछलीशहर को ही वहां से प्रत्याशी घोषित कर दिया। इसके बाद तमाम अटकलें पर विराम लग गया। बतादे कि पिछली बार कड़ी मशक्कत के बाद बीपी सरोज चुनाव मात्र 181 वोटो से जीते थे। उस समय उनके प्रतिद्वंदी वर्तमान में बीजेपी से विधायक और उस वक्त के बसपा- सपा गठबंधन के प्रत्याशी टी राम थे। जिन्होंने उन्हें कड़ी टक्कर दी थी। लेकिन इस बार 2024 का लोकसभा चुनाव कुछ अलग ही होगा। इस बार सपा - बसपा दोनों अलग-अलग चुनाव लड़ रहे हैं। लेकिन सपा का कांग्रेस के साथ गठबंधन होने से कुछ फायदे की उम्मीद है। कयास लग रहे हैं कि मछलीशहर लोकसभा का चुनाव त्रिकोणीय हो सकता है। क्योंकि यहां पर बसपा को वोट करने वाला एक धड़ा भी मौजूद है। जिससे साफ तौर पर कहा जा सकता हैं कि मामला त्रिकोणीय होने की उम्मीद है! अब देखने है कि दूसरी बार मैदान में उतरे बीपी सरोज क्या इस बार भी अगली

बार की तरह कारनामा कर पाएंगे? बीजेपी के अलावा अभी तक ना तो सपा ने और नाही बसपा ने अपना प्रत्याशी मछलीशहर से उतरा है। अब देखना यह है कि सपा बसपा किनको लोकसभा का टिकट देती है! वही सूत्रो का कहना है कि मछलीशहर लोकसभा सीट से बीपी सरोज का टिकट कंफर्म होने से बीजेपी के अंदर खाने मतभेद दिख रहा है। जो टिकट की उम्मीद लगाए बैठे थे, उनमें नाराजगी देखी जा सकती है। अगर यह नाराजगी थोड़ी भी बढ़ी तो बीपी सरोज को इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। बतादे कि बीपी सरोज जौनपुर जिले के मुंगरा बादशाहपुर के मादरडीह गांव के निवासी हैं। बीपी सरोज मुंबई के बड़े उद्योगपति हैं। बीपी सरोज ने अपनी राजनीति बसपा से शुरू की थी। 2014 के लोकसभा में बसपा की टिकट पर मछलीशहर से मैदान में उतरे थे। लेकिन बीजेपी के रामचरित्र निषाद से हार का सामना करना पड़ा। पिछली लोकसभा में 22 मार्च 2019 को इन्होंने आनन फानन में बसपा से रिजाइन देकर भाजपा ज्वाइन की थी। इसके बाद कमजोर पड़ रहे राम चरित्र निषाद की जगह पर भाजपा ने इन्हें मछलीशहर से लोकसभा का प्रत्याशी बनाया। क्योंकि मछलीशहर में सरोज जाति की संख्या काफी है। इसको देखते हुए उन्हें प्रत्याशी घोषित किया गया और उसपर खरे भी उतरे। लोकसभा मछलीशहर में 2011 की जनगणना के अनुसार यादव- 201867, अनसूचित जाति - 248005, ब्राम्हण - 170999, राजपूत 242164, कायस्थ 91452 वैश्य 64764 और मुस्लिमों की संख्या करीब 89322 के अलावा अन्य की संख्या 341799 है। मछलीशहर लोकसभा सीट को वाराणसी जिले की पिंडरा, जौनपुर की मछलीशहर, मड़ियाहू, जफराबाद व केराकत को मिलाकर बनाया गया था। बताते चलें कि वर्तमान में मछलीशहर, जफराबाद व केराकत में सपा का विधायक है, तो मडियाहूं से अपना दल व पिंडरा में बीजेपी का विधायक है। पहली बार 1962 में मछलीशहर लोकसभा अस्तित्व में आई थी। 1962 के पहले लोकसभा मछ्लीशहर के वोटर प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की पारम्परिक सीट फूलपुर लोकसभा का हिस्सा थे। 1962 के पहले चुनाव में यहां कांग्रेस पार्टी के गणपत ने जनसंघ के उम्मीदवार को हराकर जीत दर्ज की थी। उसके बाद यहां 1971 तक लगातार कांग्रेस जीतती रही। लेकिन 1977 में कांग्रेस की जीत का सिलसिला तोड़ते हुए भारतीय लोकदल के राजकेशर सिंह ने कांग्रेस के विजय रथ को रोका था। बनाते चले कि अपने क्षेत्र में बीपी सरोज कार्यकाल के दौरान में औसत रहे हैं। वही बीपी सरोज की उपस्थिति लोकसभा में सर्वाधिक दर्ज की गई। इन्होंने संसद के प्रश्नकाल समय में 110 सवाल पूछे। पूर्वाचल से सबसे अधिक उपस्थिति मछलीशहर से बीपी सरोज 98.2 की ही रहीं है।

संक्षिप्त खबरें

शार्ट सर्किट से लगी आग गेहूं की खड़ी फसल जलकर राख

प्रखर गोरखपुर। थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत मदनपुरा सीवान में बुधवार की रात दो बजे के करीब शार्ट सर्किट से गेहूं की खड़ी फसल में आग लग गई, देखते ही देखते करीब आधा दर्जन किसानों का 5 बीघा गेहूं की खड़ी फसल जल कर राख हो गई, ग्रामीणों के अथक प्रयास के बाद आग पर काबू पा लिया गया, जिससे रामेश्वर चौरसिया, ओरी गुप्ता, भानुप्रताप उपाध्याय, सुरेश तिवारी, संजय उपाध्याय, मन्नू उपाध्याय का 5 बीघा गेहूं की खड़ी फसल जल गई। इस संबंध में उपजिलाधिकारी खजनी शिवम सिंह ने बताया कि लेखपाल द्वारा फसल क्षति की रिपोर्ट मुझे मिल गई है, जल्द ही किसानों की जली हुई फसल का मुआवजा दिला दिया जाएगा।

अवैध तमंचा व जिन्दा कारतूस संग अभियुक्त को जमानियां पुलिस ने किया गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के कुशल निर्देशन व क्षेत्राधिकारी जमानिया के निकट पर्यवेक्षण में बुधवार को उप निरीक्षक राम कुमार दूबे मय हमराह द्वारा मुखबीर खास की सूचना पर किशुनीपुर गाँव के पास जमानिया दिलदारनगर रोड से अभियुक्त बलवंत यादव पुत्र महेश यादव निवासी ग्राम नसीरपुर थाना रेवतीपुर जनपद गाजीपुर को गिरफ्तार किया गया। जिसके पास से अवैध 01 अदद देशी तमन्चा .315 बोर व 01 अदद जिन्दा कारतूस .315 बोर बरामद हुआ । अभियुक्त के विरूद्ध थाना जमानियाँ गाजीपुर पर मु0अ0सं0 102/2024 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट का अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक राम कुमार दूबे थाना जमानिया, कांस्टेबल मनोज दूबे थाना जमानिया, कांस्टेबल सोनू गोंड़ थाना जमानिया, कांस्टेबल अशोक कुमार थाना जमानिया, कांस्टेबल संगम कुशवाहा थाना जमानिया जनपद गाजीपुर शामिल रहे।

कांग्रेस हाई कमान ने गाजीपुर में ब्लॉक अध्यक्षों के नाम पर लगाई मुहर

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। कांग्रेस शीर्ष नेतृत्व ने जिला कांग्रेस कमेटी के अंतर्गत संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए गाजीपुर के सभी सोलह ब्लाकों के लिए ब्लॉक अध्यक्षों को मनोनीत करते हुए लिस्ट जारी की है। जिलाध्यक्ष सुनील राम ने बताया है कि कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष की संस्तुति पर महासचिव संगठन अनिल यादव द्वारा जिले के सभी ब्लाकों के अध्यक्षों के नाम की घोषणा कर दी है, जखनियां से देवनारायण सिंह, मनिहारी से कृष्णानंद तिवारी, सादात से सतीराम सिंह, सैदपुर इंद्रमल यादव, करंडा से जितेंद्र कुमार बिंद, देवकली से दिनेश कुमार, मुहम्दाबाद से अजय कुमार दुबे, भांवरकोल से बिरेंद्र राय, कासिमाबाद से मोहन राम, मरदह से अवधेश भारती, बाराचवर से गयासुद्दीन अंसारी, जमानियां से अरविंद कुशवाहा, भदौरा से सुदामा यादव, रेवतीपुर से शशि भूषण राय, गाजीपुर सदर से सुरेश कुशवाहा और बिरनो से संगीता राजभर को ब्लॉक अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। शीर्ष नेतृत्व का आभार प्रकट करते हुए गाजीपुर के जिलाध्यक्ष सुनील राम ने गाजीपुर के सभी नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्षों को अपनी शुभकामनाएं देते हुए बताया है कि ये सभी लोग कांग्रेस पार्टी के कर्मठ और ईमानदार कार्यकर्ता है और जनता के बीच कांग्रेस की जन नीतियों के साथ काम करेंगे।

बाबतपुर चौराहा फिर बना वसूली का अड्डा, दबंगो ने टेम्पो चालक को पीटा

पिंडरा। फूलपुर थाना क्षेत्र के बाबतपुर चौराहे पर महीनों से वाहनों से अवैध वसूली फिर शुरू हो गई है। अवैध वसूली का विरोध करने पर मारपीट भी करते है। बुधवार को भी इसी तरह वसूली को लेकर दबंगो ने टेम्पो चालक को पीट दिया। पुलिस को दिए तहरीर में पिंडरा रमईपुर निवासी मैनुद्दीन ने आरोप लगाया कि वह आरटीओ से अपने टेंपो का फिटनेस कराने के बाद लौट रहा है। बाबतपुर चौराहे पर स्थित टेम्पो खड़ी कर हैंडपंप से पानी पीने के बाद आया तो 20 रुपये मांगने लगा। टेम्पो चालक ने विरोध किया तो युवक उसपर टूट पड़े और मारपीट कर घायल कर दिया। जिसपर वह फूलपुर इंस्पेक्टर को तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई। जबकि दो माह पूर्व भी पिंडरा के ही टेम्पो चालक विक्की मोदनवाल को भी अवैध वसूली को लेकर शिकायत की थी लेकिन कोई कार्रवाई नही हुई। जबकि दो साल पूर्व इसी तरह की शिकायत पर गोपनीय जांच कर मामला सही मिलने पर पूर्व एसएसपी ने पूरी चौकी पर तैनात कर्मचारियों का लाइन भेज दिया था। एक साल तक वसूली रुकी रही। अब फिर वसूली शुरू हो गई है। जिससे आसपास के लोगों में तीव्र आक्रोश व्याप्त है। इस बाबत फूलपुर इंस्पेक्टर ने बताया कि दो चालक में विवाद का मामला है। दोनो मुस्लिम समुदाय से है। ईद के कारण आज नही बुलाया। अगर वसूली का मामला संज्ञान में आया तो कार्रवाई करूंगा।

अकीदत के साथ अदा की गई ईद-उल-फित्र की नमाज

प्रखर रामनगर। ईद-उल-फित्र पर मुस्लिम बंधुओं ने गुरुवार को अकीदत के साथ ईदगाहों में तथा मस्जिदों में नमाज अदा की। बुधवार को चांद देखने के बाद गुरुवार सुबह नमाज अदा की गई और एक दूसरे को ईद की मुबारकबाद दी गई। इस मौके पर पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। सुरक्षा और शांति व्यवस्था के लिहाज से जगह-जगह पुलिस बल की तैनाती की गई थी। नगर के विभिन्न मुहल्ले पंचवटी ईदगाह, गोलाघाट, मछ्हरहट्टा, वारीगढ़ही, रामपुर, टेंगरामोड़ इमाम बारगाह आदि क्षेत्रों में शान्तिपूर्ण तरीके से ईद-उल-फित्र का पर्व मनाया गया। तथा नमाज में अल्लाह से मुल्क की तरक्की के लिए दुआ की गई।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं